लखनऊ । वाराणसी । नई दिल्ली

23 नवम्बर 2026 सोमवार
वर्ष : 20 अंक: 139
पृष्ठ : 8
वाराणसी
काशी संस्करण
मूल्य: 2.00 रूपए

लोक हस्तक्षेप

Power Of Truth

द्धद्दठ्ठद्ध ट्ठस्द्धह्वस्र

www.facebook.com/lokhastakshep www.twitter.com/lokhastakshep /Lokhastakshep /Lokhastakshep

www.lokhastakshep.com



चीन सीमा से सटे अरुणाचल प्रदेश के 40 गांवों में पलायन थमा लोग लौटे, रोजगार और सुविधाओं से बढ़ी आबादी : शाह



एजेंसी,ईटानगर। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने रविवार को कहा कि चीन सीमा से सटे अरुणाचल प्रदेश के 40 गांवों में आबादी बढ़ी है और वहां से पलायन रुक गया है। केंद्र सरकार की ओर से बिजली, रोजगार, स्वास्थ्य और पेयजल जैसी सुविधाएं पहुंचाने से लोग इन गांवों में लौटने लगे हैं। सेना और भारत–तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) की ओर से स्थानीय सहकारी समितियों से उत्पादों की खरीद भी ग्रामीणों की आय बढ़ाने में मदद कर रही है। अरुणाचल प्रदेश में सहकारिता सम्मेलन को संबोधित करते हुए शाह ने कहा कि उन्होंने शनिवार को इस संबंध में समीक्षा की थी। गृह मंत्रालय ने आईटीबीपी और सेना को निर्देश दिए हैं कि वे अपनी जरूरत के उत्पाद तेजपुर या गुवाहाटी से खरीदने के बजाय सीमावर्ती गांवों की सहकारी समितियों से खरीदें। इससे गांवों और सुरक्षा बलों के बीच संबंध भी मजबूत हुए हैं। शाह ने कहा कि अरुणाचल प्रदेश की महिलाएं अपनी सहकारी समितियों के माध्यम से दूध, अंडे, सब्जियां, मोटे अनाज और आटा उपलब्ध करा रही हैं। इससे ग्रामीण परिवारों की आय बढ़ रही है और स्थानीय कृषि को भी बढ़ावा मिल रहा है। गृह मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सीमावर्ती गांवों को देश का आखिरी गांव मानने की पुरानी सोच बदलकर उन्हें देश का पहला गांव बताया है। उन्होंने कहा कि विकास का सबसे बड़ा अधिकार सीमावर्ती गांवों का है।

शाह ने रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं और प्रत्येक परिवार की खुशहाली को अरुणाचल प्रदेश के विकास की चार प्रमुख प्राथमिकताएं बताया। उन्होंने सहकारी संस्थाओं और महिला स्वयं सहायता समूहों से राज्य को जरूरी खाद्य उत्पादों के मामले में आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में काम करने का आह्वान किया। उन्होंने मुख्यमंत्री पेमा खांडू और उपमुख्यमंत्री को आश्वस्त किया कि केंद्र सरकार राज्य के विकास के लिए हरसंभव सहायता उपलब्ध कराएगी। शाह ने बताया कि वाइब्रेंट विलेज कार्यक्रम के तहत राज्य के 11 सीमावर्ती जिलों के गांवों में मोबाइल मेडिकल यूनिट भी भेजी गई हैं।

जम्मू–कश्मीर के रामबन में आग से मची तबाही

एजेंसी,जम्मू । जम्मू–कश्मीर में रामबन जिले के एक गांव में रविवार सुबह आग लगने से चार रिहायशी मकान जलकर खाक हो गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि भट्टी गनोटे गांव में सुबह करीब छह बजे एक मकान में आग लगी, जो तेजी से आसपास के मकानों तक फैल गई। उन्होंने कहा कि दमकलकर्मियों ने कई घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। उन्होंने बताया कि आग में बशीर अहमद, फिरदौस अहमद, मोहम्मद इसराइल और इम्तियाज अहमद के मकान पूरी तरह जल गए। उनके अनुसार, हादसे में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। रामबन के उपायुक्त मोहम्मद इलियास खान और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अन्ना लता सिन्हा ने मौके पर पहुंचकर राहत एवं बचाव कार्य का जायजा लिया।

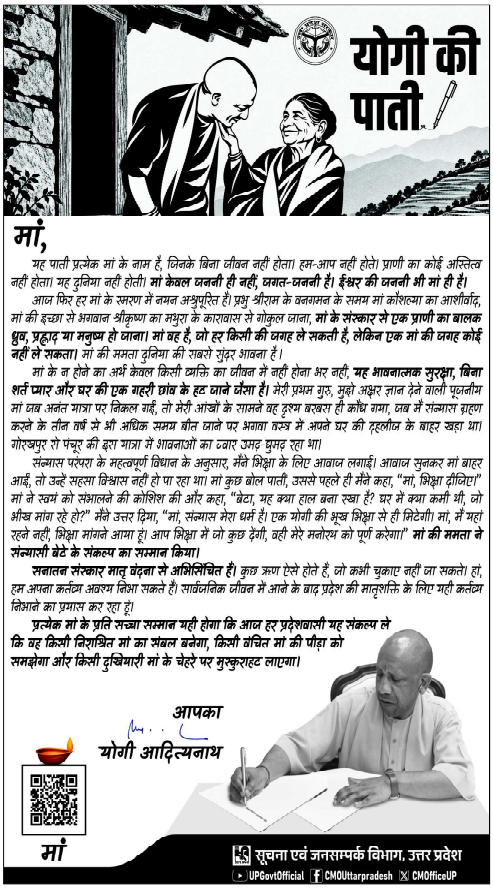
योगी की पाती
मां,
यह पाती प्रत्येक मां के नाम है, जिनके बिना जीवन नहीं होता। हम-आप नहीं होते। प्राणी का कोई अस्तित्व नहीं होता। यह दुनिया नहीं होती। मां केवल जननी ही नहीं, जगत-जननी है। ईश्वर की जननी भी मां ही है।
आज फिर हर मां के स्मरण में नयन अश्रुपूरित हैं। प्रभु श्रीराम के वनगमन के समय मां कौशल्या का आशीर्वाद, मां की इच्छा से भगवान श्रीकृष्ण का मथुरा के कारावास से गोकुल जाना, मां के संस्कार से एक प्राणी का बालक ध्रुव, प्रह्लाद या मनुष्य हो जाना। मां वह है, जो हर किसी की जगह ले सकती है, लेकिन एक मां की जगह कोई नहीं ले सकता। मां की ममता दुनिया की सबसे सुंदर भावना है।
मां के न होने का अर्थ केवल किसी व्यक्ति का जीवन में नहीं होना भर नहीं, यह भावनात्मक सुरक्षा, बिना शर्त प्यार और घर की एक गहरी छांव के हट जाने जैसा है। मेरी प्रथम गुरु, मुझे अक्षर ज्ञान देने वाली पूजनीय मां जब अनंत यात्रा पर निकल गईं, तो मेरी आंखों के सामने वह दृश्य बरबस ही कौंध गया, जब मैं संन्यास ग्रहण करने के तीन वर्ष से भी अधिक समय बीत जाने पर भगवा वस्त्र में अपने घर की दहलीज के बाहर खड़ा था। गोरखपुर से पंचूर की इस यात्रा में भावनाओं का ज्वार उमड़ घुमड़ रहा था।
संन्यास परंपरा के महत्वपूर्ण विधान के अनुसार, मैंने भिक्षा के लिए आवाज लगाई। आवाज सुनकर मां बाहर आईं, तो उन्हें सहसा विश्वास नहीं हो पा रहा था। मां कुछ बोल पातीं, उससे पहले ही मैंने कहा, "मां, भिक्षा दीजिए।" मां ने स्वयं को संभालने की कोशिश की और कहा, "बेटा, यह क्या हाल बना रखा है? घर में क्या कमी थी, जो भीख मांग रहे हो?" मैंने उत्तर दिया, "मां, संन्यास मेरा धर्म है। एक योगी की भूख भिक्षा से ही मिटेगी। मां, मैं यहां रहने नहीं, भिक्षा मांगने आया हूं। आप भिक्षा में जो कुछ देंगी, वही मेरे मनोरथ को पूर्ण करेगा।" मां की ममता ने संन्यासी बेटे के संकल्प का सम्मान किया।
सनातन संस्कार मातृ वंदना से अभिसिंचित हैं। कुछ ऋण ऐसे होते हैं, जो कभी चुकाए नहीं जा सकते। हां, हम अपना कर्तव्य अवश्य निभा सकते हैं। सार्वजनिक जीवन में आने के बाद प्रदेश की मातृशक्ति के लिए यही कर्तव्य निभाने का प्रयास कर रहा हूं।
प्रत्येक मां के प्रति सच्चा सम्मान यही होगा कि आज हर प्रदेशवासी यह संकल्प ले कि वह किसी निराश्रित मां का संबल बनेगा, किसी वंचित मां की पीड़ा को समझेगा और किसी दुखियारी मां के चेहरे पर मुस्कुराहट लाएगा।
आपका
योगी आदित्यनाथ
मां
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश
UPGovtOfficial CMOUttarpradesh CMOfficeUP

तेलंगाना: ट्रक ने ऑटो-रिक्शा को मारी टक्कर, तीन महिलाओं समेत एक ही परिवार के चार लोगों की मौत

एजेंसी,हैदराबाद। तेलंगाना के विकाराबाद जिले में रविवार को सड़क हादसे में तीन महिलाओं समेत एक ही परिवार के चार लोगों की मौत हो गई। यह हादसा ट्रक के ऑटो–रिक्शा में टक्कर मारने की वजह से हुआ है। पुलिस ने बताया कि यह हादसा बुग्गा रामेश्वरम के पास हुआ। ऑटो–रिक्शा के ड्राइवर और उसमें सवार तीन महिलाओं की मौके पर ही मौत हो गई। ऑटो–रिक्शा उसी जिले के पेंडलिमुडुगु गांव से केरेली की ओर जा रहा था। मरने वाले एक ही परिवार के थे। उनकी पहचान नागेश, चंद्रम्मा, पर्वतम्मा और सरिता के रूप में हुई है। वे पेंडलिमुडुगु गांव के रहने वाले थे और किसी काम से दूसरे गांव जा रहे थे, तभी ट्रक ने उनके ऑटो–रिक्शा को टक्कर मार दी। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए



पास के सरकारी अस्पताल में भेज दिया है। पुलिस ने ट्रक के ड्राइवर को हिरासत में ले लिया है।

एक पुलिस अधिकारी ने कहा कि उन्होंने मामला दर्ज कर लिया है और आगे की जांच शुरू कर दी है। वहीं, आंध्र प्रदेश के नेल्लोर जिले में एक और एक्सीडेंट में एक प्राइवेट ट्रैवल बस के चार पैसेंजर गंभीर रूप से घायल हो गए। गाड़ी का कंट्रोल खो गया था और वह खेत में जा गिरी। यह एक्सीडेंट नेल्लोर जिले में मनुबोलू चौराहे के पास हुआ। प्राइवेट बस का एक टायर फटने के बाद ड्राइवर ने बस पर से कंट्रोल खो दिया। बस सड़क से फिसलकर खेत में जा गिरी। मौके पर पहुंची पुलिस ने घायलों को हॉस्पिटल पहुंचाया। इस बीच, आंध्र प्रदेश में एक और एक्सीडेंट में एक पॉपुलर तेलुगु टेलीविजन शो के दो कॉमेडियन घायल हो गए।

झारखंड के कोरेडारी में एलएंडटी साइट पर फायरिंग पुलिस के लिए चुनौती बना राहुल दुबे गिरोह

एजेंसी,हजारीबाग। झारखंड में राहुल दुबे गैंग पुलिस के लिए बड़ी चुनौती बन गया है। इस गैंग के अपराधियों ने पिछले तीन महीनों में राज्य के चार जिलों में गोलीबारी की 10 से अधिक घटनाएं अंजाम दी है। रविवार तड़के इसी गैंग के गुर्गों ने हजारीबाग जिले के केरेडारी थाना क्षेत्र स्थित एलएंडटी कन्वेयर बेल्ट साइट पर अपराधियों ने कई राउंड फायरिंग की। इस घटना में एक सुरक्षा गार्ड को गोली लगने की बात कही गई है। घटना के बाद सोशल मीडिया पर राहुल दुबे गैंग ने पोस्ट जारी कर हमले की जिम्मेदारी लेने का दावा किया गया है। जानकारी के अनुसार, रविवार सुबह करीब तीन से चार बजे के बीच एलएंडटी कन्वेयर बेल्ट परिसर में आठ से दस राउंड गोलियां चलाई गईं। गैंग के सोशल मीडिया पोस्ट में इसमें संबंधित पक्षों को चेतावनी भी दी गई है। इसमें कहा गया है कि उनकी बात नहीं मानी गई तो आगे और कड़ी कार्रवाई की जाएगी। कथित बयान में पुलिस कार्रवाई और कुछ पुराने मामलों का भी जिक्र किया गया है।

हाल के दिनों में हजारीबाग, रामगढ़, चतरा और रांची में कोयला कारोबार तथा औद्योगिक प्रतिष्ठानों से जुड़ी जगहों पर फायरिंग की कई घटनाएं सामने आ चुकी हैं। इन घटनाओं में राहुल दुबे गैंग का नाम धमकी भरे पर्चों और सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए सामने आता रहा है। इससे पहले 19 नवंबर की रात हजारीबाग के चौपारण थाना क्षेत्र के सरदारपुर स्थित एके इंटरनेशनल होटल के बाहर कई राउंड फायरिंग हुई थी।

मुंबई : चार मंजिला रिहायशी इमारत में लगी आग 8 लोगों को बचाया गया, दमकलकर्मी घायल

एजेंसी,मुंबई। रविवार तड़के दक्षिण मुंबई की चार मंजिला रिहायशी इमारत में आग लग गई। इस घटना में दो बच्चों समेत आठ लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला गया, जबकि एक दमकलकर्मी घायल हो गया। उन्होंने बताया कि



आग आधी रात के आसपास गिल्डार लेन पर स्थित हीरा मंजिल (नवजीवन सोसाइटी के पास) की दूसरी मंजिल के एक कमरे में लगी थी। करीब पांच घंटे तक चले बचाव अभियान के बाद सुबह 5.05 बजे आग पर काबू पा लिया गया। अधिकारियों के अनुसार दमकलकर्मियों ने टर्नटेबल सीढ़ी (ऊंची सीढ़ी) का इस्तेमाल करके तीसरी मंजिल पर फंसे एक पुरुष और दो महिलाओं को बचाया, जबकि पहली मंजिल से एक बुजुर्ग महिला को सीढ़ियों के रास्ते बाहर निकाला गया। उन्होंने बताया कि इसके अलावा चौथी मंजिल के एक कमरे से एक पुरुष, एक महिला, एक लड़के और एक लड़की को भी सीढ़ियों के रास्ते सुरक्षित नीचे लाया गया। बुजुर्ग महिला को घबराहट (पैनिक अटैक) होने के कारण पुलिस वैन से रिलायंस अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के बाद उन्हें छुट्टी दे दी गई। बचाव अभियान के दौरान एक वरिष्ठ स्टेशन अधिकारी के दाहिने हाथ की हथेली पर कट लग गया था जिन्हें एम्बुलेंस से नायर अस्पताल ले जाया गयाय बाद में उन्हें भी अस्पताल से छुट्टी मिल गई।

मुलायम सिंह यादव की जयंती पर भावुक हुए अखिलेश पिता से मिलीं जीवन की दो बड़ी सीख की चर्चा

लखनऊ,संवाददाता।

समाजवादी पार्टी के संस्थापक और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव की जयंती पर उनके बेटे और सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने उन्हें भावुक होकर याद किया। अखिलेश ने अपने पिता के विचारों, सिद्धांतों और जीवन से मिली सीख को साझा करते हुए समाजवादी मूल्यों को अपनाने का संकल्प दोहराया। उन्होंने कहा कि नेताजी ने जीवन में जो मानवीय और व्यावहारिक मूल्य सिखाए, उन्हें केवल विचारों तक सीमित नहीं रखना चाहिए, बल्कि रोजमर्रा के व्यवहार में भी उतारना चाहिए। अखिलेश यादव ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपने संदेश में मुलायम सिंह यादव को नमन किया।



उन्होंने कहा कि पिता के जीवन और व्यक्तित्व से मिली सीख आज भी उनके लिए मार्गदर्शक है। इस मौके पर उन्होंने खास तौर पर दो ऐसी बातें साझा कीं, जिन्हें वे जीवन में हमेशा अपनाना जरूरी मानते हैं। अखिलेश यादव ने नेताजी से मिली पहली महत्वपूर्ण सीख का जिक्र करते हुए कहा कि किसी व्यक्ति के मुश्किल समय में उसके साथ खड़ा होना सबसे बड़ी मानवीय संवेदनाओं में से एक है। उनके मुताबिक, जो व्यक्ति उम्मीद लेकर मदद मांगने आए, उसकी यथासंभव सहायता करनी चाहिए।

उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि इंसान की पहचान केवल उसके अच्छे समय में साथ देने से नहीं होती, बल्कि असली संवेदनशीलता तब दिखाई देती है, जब कोई परेशानी में हो। ऐसे समय में जरूरतमंद की मदद करना और उसे अकेला न छोड़ना ही मानवीय मूल्यों का वास्तविक अर्थ है। अखिलेश के इस संदेश को मुलायम सिंह यादव के सार्वजनिक जीवन और समाजवादी राजनीति से जुड़े मूल्यों की याद के तौर पर देखा जा रहा है। नेताजी ने अपने लंबे राजनीतिक सफर में आम लोगों, किसानों और कमजोर वर्गों से जुड़े मुद्दों को प्रमुखता दी थी। अखिलेश यादव ने पिता से मिली दूसरी सीख का उल्लेख करते हुए कहा कि परिस्थितियों, गलतफहमियों या किसी दबाव के कारण कोई व्यक्ति कभी आपके खिलाफ हो सकता है।

बीजेपी सांसद के निधन पर पीएम मोदी ने जताया दुख बोले, समाज सेवा के लिए हमेशा याद किए जाएंगे

एजेंसी,नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राज्यसभा सदस्य रामराव वडकुते के निधन पर शोक व्यक्त किया तथा कहा कि समाज के



प्रति उनके योगदान और गरीबों एवं वंचितों की सेवा के प्रति उनकी प्रतिबद्धता के लिए उन्हें हमेशा याद किया जाएगा। इसी साल उच्च सदन के लिए निर्वाचित हुए वडकुते का नयी दिल्ली के एक अस्पताल में दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया। मोदी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा, राज्यसभा सदस्य रामराव वडकुते जी के निधन से बेहद दुखी हूं। समाज के प्रति उनके योगदान और गरीबों एवं वंचितों की सेवा पर जोर देने के लिए उन्हें हमेशा याद किया जाएगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि महाराष्ट्र में भाजपा को मजबूत करने के लिए वडकुते ने जो प्रयास किए, वे भी उतने ही उल्लेखनीय हैं। उन्होंने कहा, मेरी संवेदनाएं उनके परिवार और प्रशंसकों के साथ हैं। ओम शांति।

भारत का तेल और गैस आयात बिल अक्टूबर में 60 प्रतिशत बढ़ा, एलपीजी की खपत घटी

एजेंसी,नयी दिल्ली। भारत का तेल एवं गैस आयात बिल अक्टूबर में 60 प्रतिशत बढ़कर 16 अरब अमेरिकी डॉलर हो गया। पेट्रोलियम मंत्रालय के तहत आने वाले पेट्रोलियम योजना एवं विश्लेषण प्रकोष्ठ (पीपीएसी) के आंकड़ों से यह जानकारी मिली। ब्रेंट कच्चे तेल की औसत कीमत सालाना आधार पर लगभग दोगुनी होकर 124.77 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल पर पहुंचने के चलते आयात बिल बढ़ा। अक्टूबर 2025 में शुद्ध आयात बिल 10 अरब डॉलर था। हालांकि, मात्रा के हिसाब से कच्चे तेल का आयात केवल 11 प्रतिशत बढ़कर 2.33 करोड़ टन रहा। तरलीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी) के आयात पर 1.3 अरब डॉलर खर्च हुए, जबकि पेट्रोलियम उत्पादों के



निर्यात से 6.3 अरब डॉलर की कमाई हुई। ब्रेंट कच्चे तेल की औसत कीमत सितंबर में 116.77 डॉलर और अक्टूबर 2025 में 64.75 डॉलर प्रति बैरल थी। अक्टूबर में भारतीय बास्केट के कच्चे तेल की औसत कीमत 119.91 डॉलर प्रति बैरल रही, जो एक साल पहले 65.08 डॉलर थी। अप्रैल–अक्टूबर के दौरान शुद्ध आयात बिल बढ़कर 97.7 अरब डॉलर पर पहुंच गया, जो एक साल पहले इसी अवधि में 70.3 अरब डॉलर था। इस दौरान मात्रा के हिसाब से कच्चे तेल का आयात 2.7 प्रतिशत बढ़ा, लेकिन इस पर 111 अरब डॉलर खर्च हुए, जबकि एक साल पहले यह खर्च 72.3 अरब डॉलर था। पीपीएसी के आंकड़ों के अनुसार तरलीकृत पेट्रोलियम गैस (एलपीजी) की खपत अक्टूबर में 12.3 प्रतिशत और अप्रैल–अक्टूबर के दौरान 15.1 प्रतिशत घट गई।

गुजरात में ट्रक और कार की भीषण टक्कर, सेना के परिवारों के 7 सदस्यों की मौके पर मौत

एजेंसी,भुज । पुलिस ने रविवार को बताया कि गुजरात के कच्छ जिले में एक नेशनल हाईवे पर तेज रफ्तार ट्रक के कार से टकरा जाने के कारण



सेना के परिवारों के सात सदस्यों की मौत हो गई। मृतकों में तीन बच्चे भी शामिल हैं। कच्छ पश्चिम पुलिस कंट्रोल रूम के एक अधिकारी ने बताया कि यह हादसा शनिवार रात करीब 10 बजे हुआ, जब ये परिवार रन ऑफ कच्छ (कच्छ के रण) से घूमकर भुज लौट रहे थे। उन्होंने बताया कि टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार में सवार सभी सात लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। मृतकों में तीन महीने की एक बच्ची भी शामिल थी। कार पूरी तरह से पिचक गई थी, जिससे शवों को बाहर निकालने में कई घंटे लग गए। `। अधिकारी के अनुसार मृतकों की पहचान सौरभ सिंह नेगी (30), उनकी पत्नी सविता (30), उनकी तीन महीने की बेटी सिविका, राजेश सिंह रावत (35), उनकी बेटी रक्षिता (7), रिकी गोसाईं (30) और उनकी चार साल की बेटी वामिका के रूप में हुई है।

सपा पर केशव मौर्य का निशाना, कहा, पहले जय श्रीराम और अब राधे–राधे सुनकर भी होती है बेचैनी

संवाददाता,लखनऊ । उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने रविवार को समाजवादी पार्टी (सपा) पर तीखा प्रहार करते हुए कहा कि सपाई पहले जय श्रीराम से घबराते थे, अब राधे–राधे सुनकर भी बेचैन हैं। मौर्य ने यह प्रतिक्रिया सपा प्रमुख अखिलेश यादव के शनिवार को भाजपा के राधे–राधे–कमल खिला दे नारे पर तंज कसने के एक दिन बाद व्यक्त की है। उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, सपाई पहले जय श्रीराम से घबराते थे, अब राधे–राधे सुनकर भी बेचैन हैं! उप मुख्यमंत्री ने कहा कि अयोध्या में जय श्रीराम गूंजता है तो ब्रज में लोग राधे–राधे कहकर एक–दूसरे का हाल पूछते हैं। उन्होंने सवाल उठाते हुए कहा, सपा बहादुर (अखिलेश यादव)



को यह साफ करना चाहिए कि क्या अब प्रदेश की जनता को उनसे पूछकर अपने आराध्य का नाम लेना पड़ेगा? मौर्य ने चेतावनी देते हुए कहा, तुष्टीकरण में डूबी सपा कान खोलकर सुन ले, जय श्रीराम भी गूंजेगा और राधे–राधे भी। उन्होंने दावा किया, 2027 में सत्ता में लौटने का सपाइयों का सपना फिर टूटेगा और उत्तर प्रदेश में फिर एक बार कमल खिलेगा! इसके पहले सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष और उप्र के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने शनिवार को लखनऊ स्थित सपा मुख्यालय में पत्रकार वार्ता के दौरान भाजपा के नारे श्राधे–राधे कमल खिला देश पर तंज कसा।

नेताजी मुलायम सिंह यादव की 87वीं जयंती पर अन्नू टंडन ने अर्पित की श्रद्धांजलि, बेटियों को भेंट की साइकिलें



लोक हस्तक्षेप संवाददाता

उन्नाव। समाजवादी विचारधारा के प्रणेता, धरतीपुत्र एवं पूर्व मुख्यमंत्री स्वर्गीय मुलायम सिंह यादव जी की 87वीं जयंती पर समाजवादी पार्टी की राष्ट्रीय सचिव एवं पूर्व सांसद अन्नू टंडन जी ने उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके संघर्ष, सादगी, सामाजिक न्याय और गरीबों के प्रति समर्पण को याद किया।

इस अवसर पर अन्नू टंडन जी ने शिक्षा के प्रति समर्पण और बेटियों के भविष्य को संवारने की भावना के साथ उन अनाथ एवं आर्थिक रूप से कमजोर छात्राओं को साइकिल भेंट की, जो अपने घरों से दूर स्थित विद्यालयों तक प्रतिदिन पैदल जाने को मजबूर थीं।

अन्नू टंडन जी ने स्व मुलायम सिंह यादव को स्मरण करते हुए कहा कि नेताजी का जीवन हमेशा गरीब, वंचित और कमजोर वर्गों के उत्थान के लिए समर्पित रहा। उनकी जयंती पर जरूरतमंद बेटियों की शिक्षा की राह आसान करने का यह छोटा सा प्रयास उनके विचारों और आदर्शों को आगे बढ़ाने की एक सार्थक पहल है।

साइकिल प्राप्त करने वाली छात्राओं में मुस्कान लोधी, सानया लोधी, पलक लोधी, सोनल लोधी, नेहा गौतम, इशिका पटेल, लक्ष्मी लोधी, अनन्या विमल, खुशबू रावत एवं पंखुरी त्रिवेदी आदि शामिल रहीं। छात्राओं ने अन्नू टंडन जी को विद्यालय आने–जाने में होने वाली परेशानियों से अवगत कराया तथा साइकिल मिलने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि अब उनका स्कूल पहुंचना पहले से कहीं अधिक आसान और सुविधाजनक हो जाएगा।

अन्नू टंडन जी ने उन्नाव जिले को बेटियों को साइकिल भेंट करते हुए कहा कि इन बेटियों की खुशी और आंखों में पढ़ाई के सपनों की चमक इस सहयोग की सबसे बड़ी उपलब्धि है। किसी बेटी के पैरों को साइकिल देना केवल उसकी दूरी कम करना नहीं, बल्कि उसके सपनों को मंजिल तक पहुंचना का एक नया रास्ता देना है। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से विवेक शुक्ला, संजय निगम, हृदय प्रकाश श्रीवास्तव, अमित शुक्ला, अजय श्रीवास्तव, सुनील विमल, जितेंद्र रावत आदि लोग उपस्थित थे।

दिसंबर में हो सकता है देश के पहले बायोप्लास्टिक प्लांट का शुभारंभ, तैयारियां तेज

लोक हस्तक्षेप संवाददाता

लखीमपुर खीरी। कुंभी चीनी मिल परिसर में बन रहे देश के पहले बायोप्लास्टिक प्लांट के शुभारंभ की तैयारियां तेज हो गई हैं। प्लांट के पास 10 एकड़ से अधिक जमीन को खाली कराकर समतल किया गया है। चर्चा है कि दिसंबर के पहले सप्ताह में प्रधानमंत्री या कोई अन्य वरिष्ठ नेता इसका उद्घाटन कर सकते हैं, हालांकि प्रशासन और मिल प्रबंधन ने अभी किसी आधिकारिक कार्यक्रम की पुष्टि नहीं की है।

करीब 3080 करोड़ रुपये की लागत से 135 एकड़ में विकसित हो रहा यह देश का इकलौता पीएलए (बायोप्लास्टिक) प्लांट है। शुरुआती दौर में यहां प्रतिदिन लगभग 80 हजार टन उत्पादन होने का अनुमान है, जिससे सिंगल–यूज प्लेट, कप, गिलास, कैरी बैग और बोतलें आदि बनाई जाएंगी। इससे क्षेत्र में औद्योगिक विकास और रोजगार के नए अवसर खुलने की उम्मीद है।

गौरतलब है कि यह प्लांट पिछले दिनों सोशल मीडिया पर वायरल हुए 308 पहियों वाले विशालकाय ट्रक के कारण देशभर में चर्चा में रहा था। बेल्जियम से आया प्लांट का मुख्य वेसल 15 मई 2026 को ओडिशा के पारादीप बंदरगाह पहुंचा था, जहां से 308 पहियों वाले ट्रक से पांच महीने का लंबा सफर तय कर यह 22 अक्टूबर को कुंभी पहुंचा।

बॉयलर कोजेन का हुआ पूजन

उद्घाटन की तैयारियों के बीच गुरुवार को कुंभी चीनी मिल स्थित पीएलए बॉयलर कोजेन का वैदिक मंत्रोच्चार के साथ पूजन किया गया। इकाई प्रमुख डॉ. सुनील कुमार यादव ने विधि–विधान से पूजन संपन्न कराया। इस मौके पर वरिष्ठ महाप्रबंधक प्रशांत गोंडरे, टेक्निकल हेड शिवेश सिंह, एचआर हेड संत कुमार शुक्ला, गन्ना विभागाध्यक्ष चंद्रहास सहित कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

हवाई हमले का सायरन बजते ही लखीमपुर में छाया अंधेरा, मॉक ड्रिल कर परखी गई आपातकालीन तैयारियां

लोक हस्तक्षेप संवाददाता

लखीमपुर खीरी। संभावित हवाई हमले (एयर रेड) और आपातकालीन परिस्थितियों से निपटने की प्रशासनिक तैयारियों को परखने के लिए रविवार शाम शहर के विलोबी मेमोरियल मैदान में व्यापक स्तर पर मॉक ड्रिल और ब्लैकआउट अभ्यास आयोजित किया गया। प्रदेश के सभी 75 जिलों में एक साथ चलाए गए इस अभियान के तहत सायरन बजते ही पूरे अभ्यास क्षेत्र की बिजली आपूर्ति बंद कर दी गई और सुरक्षा एजेंसियों ने रेस्क्यू ऑपरेशन का सजीव प्रदर्शन किया।

शाम करीब छह बजे जैसे ही हवाई हमले की चेतावनी देने वाला तेज सायरन गूंजा, निर्धारित क्षेत्र में तत्काल ब्लैकआउट कर दिया गया। इस दौरान मैदान में हवाई हमले जैसी आपात स्थिति का प्रतीकात्मक दृश्य तैयार किया गया। सूचना मिलते ही नागरिक सुरक्षा इकाई, जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, पीएसी, एसएसबी, पुलिस, अग्निशमन और स्वास्थ्य विभाग की टीमों ने मोर्चा संभाल लिया।

जवानों ने तत्परता दिखाते हुए आग बुझाने, क्षतिग्रस्त ढांचे के मलबे में फंसे लोगों को सुरक्षित बाहर निकालने और घायलों को प्राथमिक उपचार देकर एंबुलेंस के माध्यम से अस्पताल पहुंचाने का अभ्यास किया।

जिलाधिकारी अंजनी कुमार सिंह की मौजूदगी में संपन्न हुए इस अभ्यास के दौरान सभी संबंधित विभागों के बीच आपसी समन्वय और रिस्पॉन्स टाइम की बारीकी से समीक्षा की गई। प्रशासनिक अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि यह केवल एक नियमित पूर्वाभ्यास है और आम नागरिकों को इससे घबराने की कोई आवश्यकता नहीं है। इस कवायद का मुख्य उद्देश्य आपात स्थिति में त्वरित राहत एवं बचाव कार्य सुनिश्चित करना और आम जनता को ब्लैकआउट के प्रति जागरूक करना है।

गेंधरिया कोटा चुनाव विवाद : बीडीओ ने मानी रिजल्ट शीट पर ओवरराइटिंग सचिव का पारदर्शी चुनाव का दावा

लोक हस्तक्षेप संवाददाता

मिश्रिख/सीतापुर ब्यूरो। संदना थाना क्षेत्र के महरेहटा (मछरेहटा) ब्लॉक अंतर्गत ग्राम पंचायत गेंधरिया में सरकारी सस्ते गल्ले की दुकान के आवंटन को लेकर शुरू हुआ विवाद अब नया मोड़ ले चुका है. जहां एक ओर प्रत्याशी ने मतगणना में धांधली का आरोप लगाते हुए डीएम से चुनाव निरस्त कराने की मांग की है वहीं दूसरी ओर खंड विकास अधिकारी (बीडीओ) ने रिजल्ट शीट पर ओवरराइटिंग होने की बात स्वीकार की है और ग्राम पंचायत सचिव ने चुनाव को पारदर्शी बताया है।

जिलाधिकारी को सौंपे गए



प्रार्थना पत्र में ग्राम पंचायत गेंधरिया निवासी वीरेन्द्र प्रताप सिंह (पुत्र छोटकन्न सिंह) ने बताया कि 18 नवंबर 2026 को ग्राम पंचायत में सरकारी सस्ते गल्ले की दुकान के आवंटन के लिए चुनाव हुआ था जिसमें गांव की ही सुनील सिंह (पत्नी बृज भूषण सिंह) उनके सामने खड़ी थीं. वीरेन्द्र प्रताप सिंह का आरोप है कि उन्हें 559 लोगों का समर्थन प्राप्त हुआ था और विपक्षी प्रत्याशी को 556 लोगों का समर्थन मिला था. उन्होंने आरोप लगाया कि ब्लॉक के चुनाव निर्वाचन अधिकारी द्वारा उनकी सूची में 10वीं लाइन में ₹393 के स्थान पर ओवरराइटिंग कर 30 लिख दिया गया जिससे उनके 9 वोट कम हो गए और उन्हें केवल 550 वोट दर्शाया गया जबकि विपक्षी प्रत्याशी को 6 वोटों से विजयी दिखा दिया गया. प्रार्थी के साथ संलग्न गणना पर्चियों में वीरेन्द्र प्रताप सिंह के नाम से 550 और सुनील सिंह के नाम से 556 का महायोग दर्ज दिखाया गया है. वीरेन्द्र सिंह ने डीएम से चुनाव प्रक्रिया निरस्त कर दोबारा कराने की मांग की है.

इस पूरे मामले पर खंड विकास अधिकारी (बीडीओ) मछरेहटा का कहना है कि रिजल्ट शीट पर ओवरराइटिंग की गई है। वहीं ग्राम पंचायत गेंधरिया के सचिव का कहना है कि एडीओ पंचायत एडीओ कृषि एडीओ आईएसबी पुलिस और सचिव की उपस्थिति में चुनाव कराया गया था। सचिव के अनुसार, जहां 30 लिखा था वह वास्तव में 29 था कटिंग जरूर हुई है लेकिन निर्णय अधिकारियों को करना है और चुनाव बहुत ही पारदर्शी तरीके से कराया गया था। अब सभी की निगाहें जिलाधिकारी और उच्चाधिकारियों के अगले कदम व निर्णय पर टिकी हैं.

श्रीमद्भागवत कथा 13 दिसंबर से, तैयारियों पर हुई चर्चा



लोक हस्तक्षेप संवाददाता

उन्नाव। सनातन परिवार सत्संग सेवा ट्रस्ट जनपद शाखा की बैठक में अगले माह दिसंबर में होने वाली श्रीमद्भागवत कथा की तैयारियों पर चर्चा की गई। इसमें पदाधिकारियों को कार्यभार सौंपने को लेकर विचार रखे गए।

दरोगाबाग स्थित एक होटल में हुई बैठक की अध्यक्षता संगठन के डॉ. संजय मिश्रा ने की। उन्होंने बताया कि छठवीं श्रीमद्भागवत कथा व ज्ञान यज्ञ का आयोजन 13 से 20 दिसंबर के बीच होना तय हुआ है। वृंदावन के कथावाचक संत रामशरण शास्त्री शहर के नार्मल स्कूल मैदान में भक्तों को श्रीमद्भागवत कथा का रसपान कराएंगे। बताया कि हर वर्ष की तरह इस बार भी कथा का भव्यता के साथ आयोजन किया जाएगा। इस दौरान अलग–अलग दिनों में कथा प्रसंगों के अनुसार कार्यक्रमों का भी आयोजन किया जाएगा। श्रीकृष्ण जन्मोत्सव, रुक्मिणी विवाह सहित अन्य आयोजन भी कराए जाएंगे। रोजाना सुबह हवन पूजन होगा। शाम को समापन पर आरती के साथ प्रसाद वितरण होगा। उन्होंने सभी से कथा में बढ़–चढ़कर सहयोग करने की अपील की। बैठक में संरक्षक राकेश सिंह व संजय राठी ने कहा कि सभी को इस कथा में आगे आकर तन–मन–धन से सहयोग करना चाहिए। इस दौरान नीरज, रामप्रकाश चौरसिया, अखिलेश अवस्थी, मनीष सेंगर, ममता द्विवेदी, प्रशांत वेंकट, आशीष आदि मौजूद रहे।

इंडस्ट्रियल एरिया में दो ट्रकों से 150 लीटर डीजल चोरी

हरदोई,संवाददाता। इंडस्ट्रियल एरिया में सड़क किनारे खड़े ट्रकों से डीजल चोरी होने का मामला सामने आया है। चोरों ने दो ट्रकों की डीजल टंकियों के ढक्कन खोलकर करीब 150 लीटर डीजल चोरी कर लिया। घटना की जानकारी होने पर ट्रक चालकों में हड़कंप मच गया। पीड़ित चालकों ने डायल 112 पर पुलिस को सूचना देकर कार्रवाई की मांग की है। जानकारी के अनुसार, ट्रक चालक राजीव और सुनील तीन ट्रकों को लेकर गोरखपुर से खाली वाहन लेकर स्थित पेप्सिको कंपनी पहुंचे थे। यहां ट्रकों में माल लोड होने के बाद उन्हें नोएडा के लिए रवाना होना था। इसी दौरान चालकों ने अपने ट्रक इंडस्ट्रियल एरिया में खड़े कर दिए और कुछ देर के लिए शौच जाने चले गए। बताया जाता है कि जब चालक वापस लौटे तो दो ट्रकों की डीजल टंकियों के ढक्कन खुले हुए मिले।

ज्वेलर्स लूट के प्रयास का आरोपी एसटीएफ के हत्थे चढ़ा

राहुल दीक्षित गिरोह का सक्रिय सदस्य बताया जा रहा है आशीष दुबे, रामसनेहीघाट पुलिस को सौंपा गया

लोक हस्तक्षेप संवाददाता

बाराबंकी। उत्तर प्रदेश स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) को अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान में बड़ी सफलता हाथ लगी है। एसटीएफ की टीम ने बाराबंकी में आभूषण व्यापारी से लूट के प्रयास के मामले में वांछित आरोपी आशीष दुबे उर्फ विशाल दुबे को गिरफ्तार कर लिया है। एसटीएफ के अनुसार आरोपी को रविवार, 22 नवंबर को थाना रामसनेहीघाट क्षेत्र के कोटवा रोड स्थित सहादतगंज पुल के पास से गिरफ्तार किया गया। सूचना मिलने पर निरीक्षक विनय कुमार सिंह के नेतृत्व में एसटीएफ टीम ने घेराबंदी कर उसे दबोच लिया।



गिरफ्तार अभियुक्त की पहचान आशीष दुबे उर्फ विशाल दुबे पुत्र मनोज कुमार दुबे, निवासी ए–368, आवास विकास कॉलोनी, थाना दही, जनपद उन्नाव के रूप में हुई है। उसका वर्तमान पता 3ः1624, आवास विकास, कल्याणपुर, कानपुर नगर बताया गया है।

पुलिस के मुताबिक आशीषी कुख्यात अपराधी राहुल दीक्षित गिरोह का सक्रिय सदस्य है। उसके खिलाफ थाना रामसनेहीघाट में मुकदमा अपराध संख्या 383ः2026 के तहत भारतीय न्याय संहिता की धारा 352, 109(1) और 309(5) में मामला दर्ज है। एसटीएफ ने बताया कि आरोपी के कब्जे से एक मोबाइल फोन, एक आधार कार्ड और एक पैन कार्ड बरामद हुआ है। पूछताछ के बाद गिरफ्तार अभियुक्त को थाना रामसनेहीघाट पुलिस के सुपुर्द कर दिया गया है। मामले में अग्रिम विधिक कार्रवाई स्थानीय पुलिस द्वारा की जा रही है।

तेज रफ्तार वाहन की टक्कर से मां-बेटे की मौत

सीतापुर,संवाददाता। जिले के तंबौर थाना क्षेत्र में रविवार दोपहर करीब तीन बजे तेज रफ्तार अज्ञात चार पहिया वाहन ने बाइक सवार परिवार को टक्कर मार दी। हादसे में मां–बेटे की मौत हो गई, जबकि महिला का भाई गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद वाहन चालक मौके से फरार हो गया। पुलिस फरार वाहन और उसके चालक की तलाश में जुटी है। जानकारी के अनुसार, रेउसा थाना क्षेत्र के बजहा गांव की रहने वाली 30 साल की रंगोली पत्नी सोनू रविवार को अपने चार साल के बेटे स्वतंत्र और भाई मोहन तिवारी के साथ बाइक से ससुराल सोंसरी गांव से मायके जा रही थी। दोपहर करीब तीन बजे उनकी बाइक तंबौर थाना क्षेत्र के सुमली गांव स्थित वीर बाबा के पास पहुंची थी। इसी दौरान पीछे से आए तेज रफ्तार अज्ञात चार पहिया वाहन ने बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक सवार तीनों लोग सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद वाहन चालक मौके से फरार हो गया। घटनास्थल पर लोगों की भीड़ जुट गई। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी प्रदीप कुमार सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से तीनों घायलों को एंबुलेंस से सीएचसी तंबौर पहुंचाया। वहां डॉक्टरों ने रंगोली को मृत घोषित कर दिया। वहीं, चार साल के बेटे स्वतंत्र की हालत गंभीर होने पर उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। जिला अस्पताल में इलाज के दौरान मासूम ने भी दम तोड़ दिया। मां और बेटे की मौत की खबर से परिजनों में चीख–पुकार मच गई। पुलिस ने दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए जिला मुख्यालय भेजने की कार्रवाई शुरू कर दी है। वहीं, गंभीर रूप से घायल मोहन तिवारी का उपचार कराया जा रहा है। पुलिस फरार चार पहिया वाहन की तलाश में जुटी है।

मतदाता सूची के काम का बीडीओ ने निरीक्षण किया

सीतापुर,संवाददाता। जिले के हरगांव ब्लॉक की बेलामऊ ग्राम पंचायत मेंरविवार को खंड विकास अधिकारी जयेश कुमार सिंह ने बूथ संख्या 119 और 120 का निरीक्षण किया। उन्होंने मतदाता सूची पुनरीक्षण के काम की प्रगति देखी और बीएलओ व कर्मचारियों को निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान बीडीओ ने मतदाता सूची, संबंधित रिकॉर्ड और बूथों पर मौजूद व्यवस्थाएं देखीं। उन्होंने कहा कि नाम जोड़ने, हटाने और संशोधन का काम तय समय में सावधानी और पारदर्शिता से पूरा किया जाए। उन्होंने निर्देश दिया कि कोई भी पात्र मतदाता सूची में शामिल होने से न छूटे।

मुख्यमंत्री अरोग्य मेले में मरीजों की जांच कर दी गई दवाई

रायबरेली,संवाददाता। जिले के दीनशाह गौरा ब्लॉक में मुख्यमंत्री आरोग्य मेले का आयोजन किया गया। जलालपुर धई, रसूलपुर और गोविंदपुर माधव के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर 150 से ज्यादा मरीज इलाज और जांच के लिए पहुंचे। डॉक्टरों ने मरीजों की जांच कर दवाइयां दीं और मौसम में बदलाव के दौरान बचाव के तरीके बताए। मेले का आयोजन ग्रामीण इलाकों में स्वास्थ्य सुविधाएं देने के लिए किया गया। तीनों प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर मरीजों की जांच और इलाज किया गया। जलालपुर धई प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र की डॉक्टर निशा ने बताया कि मेले में 50 से ज्यादा मरीज पहुंचे। इनमें ज्यादातर को सर्दी, खांसी, जुकाम और सांस से जुड़ी दिक्कतें थीं। उन्होंने कहा कि मौसम बदलने से लोग अलग–अलग बीमारियों की चपेट में आ रहे हैं। रसूलपुर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के डॉक्टर पवन ने बताया कि करीब 60 मरीजों की जांच की गई। उन्हें दवाइयां देने के साथ स्वास्थ्य संबंधी सलाह भी दी गई।

गोविंदपुर माधव प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के डॉक्टर अनुराग सिंह ने बताया कि मेले में करीब 40 मरीज इलाज के लिए पहुंचे। जांच के बाद उन्हें दवाइयां दी गईं और मौसम में बदलाव के दौरान सावधानी बरतने को कहा गया। डॉक्टरों ने गर्म कपड़े पहनने और खान–पान का ध्यान रखने की सलाह दी। उन्होंने घरों के आसपास पानी जमा न होने देने को कहा, ताकि मच्छर न पनपें और उनसे होने वाली बीमारियों से बचा जा सके। डॉक्टरों ने कहा कि लंबे समय तक बुखार रहने या दवा लेने के बाद भी आराम न मिलने पर सरकारी अस्पताल में जांच कराएं। दीनशाह गौरा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के अधीक्षक डॉक्टर ज्ञान सिंह सिसोदिया ने बताया कि तीनों केंद्रों पर कुल 150 से ज्यादा मरीज पहुंचे। सभी को इलाज और दवाइयां दी गईं। उन्हें मौसमी बीमारियों से बचाव के तरीके भी बताए गए।

दो–बाइकों की टक्कर में युवक घायल

रायबरेली,संवाददाता। सुदौली गांव के पास दो बाइकों की आमने–सामने टक्कर में जमादार खेड़ा निवासी रजनीश कुमार (38) घायल हो गए। उन्हें प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर किया गया। दूसरा बाइक सवार मौके से फरार हो गया। यह घटना 22 नवंबर, रविवार दोपहर 3 बजे की है। रजनीश कुमार, छोटेलाल के बेटे हैं। वह अपने निजी काम से बाइक लेकर सुदौली चौराहे गए थे। लौटते समय उनकी बाइक की दूसरी बाइक से टक्कर हो गई। टक्कर के बाद रजनीश सड़क पर घायल हो गए। दूसरा बाइक सवार अपनी बाइक लेकर वहां से चला गया।

अवैध डग्गामार वाहनों के संचालन पर रोक लगाने की मांग, रोडवेज कर्मचारी यूनियन ने सौंपा ज्ञापन

हरदोई,संवाददाता। उत्तर प्रदेश रोडवेज एम्प्लाइज यूनियन ने हरदोई क्षेत्र में परिवहन निगम के बस स्टेशनों और शहर के प्रमुख यात्री पिकअप पॉइंटों से अवैध डग्गामार वाहनों के संचालन पर तत्काल रोक लगाने की मांग की है। इस संबंध में यूनियन की ओर से सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी, जनपद हरदोई को ज्ञापन सौंपकर आवश्यक कार्रवाई की मांग की गई है। ज्ञापन में कहा गया है कि उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम प्रदेश की जनता को सुरक्षित एवं सुलभ परिवहन सेवा उपलब्ध कराने वाला एक महत्वपूर्ण सार्वजनिक संस्थान है। निगम वर्तमान में आर्थिक घाटे की स्थिति से गुजर रहा है। इसका एक प्रमुख कारण प्रदेश में नियमों के विरुद्ध संचालित हो रहे अवैध डग्गामार वाहन हैं। यूनियन ने उल्लेख किया कि रिट याचिका संख्या 21854ः1988 में माननीय उच्च न्यायालय, इलाहाबाद द्वारा अवैध वाहन संचालन पर रोक लगाने तथा निगम के बस स्टेशनों की एक किलोमीटर की परिधि में निजी वाहन स्टैंड स्थापित नहीं किए जाने का निर्णय दिया गया था।

इसके अनुपालन में तत्कालीन मुख्य सचिव, उत्तर प्रदेश शासन द्वारा शासनादेश संख्या 2045, दिनांक 1 जुलाई 1999 को भी आवश्यक निर्देश जारी किए गए थे। इसके बावजूद हरदोई क्षेत्र में परिवहन निगम के बस स्टेशनों के आसपास तथा शहर के प्रमुख यात्री पिकअप पॉइंटों से अनधिकृत वाहनों का संचालन लगातार जारी है। इन वाहनों के माध्यम से स्थानीय मार्गों के साथ–साथ लंबी दूरी के मार्गों, यहां तक कि दिल्ली तक यात्रियों को ले जाया जा रहा है। इसके अतिरिक्त निर्धारित नियमों के विपरीत निजी वाहन स्टैंड भी स्थापित किए जा रहे हैं। ज्ञापन में बताया गया कि इस गंभीर समस्या को लेकर यूनियन के प्रांतीय अध्यक्ष द्वारा पत्र संख्या 186, दिनांक 13 अक्टूबर 2026 के माध्यम से शासन को भी अवगत कराया जा चुका है। इसके बावजूद प्रभावी कार्रवाई न होने से परिवहन निगम के राजस्व और हितों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। यूनियन ने चेतावनी दी कि यदि समय रहते अवैध डग्गामार वाहनों के संचालन पर प्रभावी रोक नहीं लगाई गई तो भविष्य में परिवहन निगम के अस्तित्व पर भी संकट उत्पन्न हो सकता है। अंत में यूनियन ने सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी से उच्च न्यायालय के आदेश और शासनादेश का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित कराने तथा अवैध वाहन संचालन एवं अनधिकृत स्टैंडों के विरुद्ध तत्काल कार्रवाई करने की मांग की है।

मधुमक्खियों के हमले में युवक गंभीर, रूप से घायल

रायबरेली,संवाददाता। जिले के ऊंचाहार तहसील के पूरे अयोध्या गांव में रविवार शाम करीब 4 बजे मधुमक्खियों के झुंड ने खेत की जुताई करने जा रहे मयंक पर हमला कर दिया। वह गंभीर रूप से घायल हो गया। राहगीर समर बहादुर ने उसे झुंड से बाहर निकाला। एंबुलेंस से मयंक को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ऊंचाहार ले जाया गया। वहां डॉक्टर उसका प्राथमिक उपचार कर रहे हैं। सीएचसी में तैनात डॉक्टर शिवकुमार ने बताया कि मयंक पूरे अयोध्या गांव का रहने वाला है। उसे बेहोशी की हालत में अस्पताल लाया गया था। समर बहादुर ने बताया कि वह अपनी किराने की दुकान जा रहा था। मयंक ट्रैक्टर लेकर खेत की जुताई करने जा रहा था। गांव के पास पानी की टंकी पर मधुमक्खियों का छत्ता लगा था। इसी दौरान एक बाज ने छत्ते पर हमला कर दिया। इसके बाद मधुमक्खियों का झुंड उड़कर खेत की ओर जा रहे मयंक पर टूट पड़ा। समर बहादुर ने बताया कि मधुमक्खियां मयंक को लगातार काट रही थीं। उसने काफी मशक्कत के बाद मयंक को झुंड से बाहर निकाला और अस्पताल पहुंचाया

मिशन 2027: भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा के 6 जिलाध्यक्ष घोषित, रिंकू भारतीय को वाराणसी महानगर की कमान

लोक हस्तक्षेप संवाददाता

लखनऊ/वाराणसी। आगामी उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2027 की तैयारियों को धार देते हुए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने अपने संगठन में अहम बदलाव शुरू कर दिए हैं। इसी कड़ी में रविवार को भाजपा उत्तर प्रदेश अनुसूचित जाति ोर्चा ने प्रदेश के 6 जिलों व महानगरों में नए जिलाध्यक्षों की नियुक्ति की आधिकारिक सूची जारी कर दी है। इस सूची में वाराणसी महानगर की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी रिंकू भारतीय को सौंपी गई है।

पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी की अनुमति से अनुसूचित जाति मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष अशोक रावत द्वारा जारी नियुक्ति पत्र के अनुसार, विभिन्न संगठनात्मक क्षेत्रों में नए चेहरों को मौका दिया गया है। काशी क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले वाराणसी महानगर में रिंकू भारतीय को जिलाध्यक्ष बनाया गया है। इसके अलावा पश्चिम क्षेत्र के मेरठ महानगर से विश्वजीत सोनकर और ब्रज क्षेत्र के अलीगढ़ महानगर से मनोज माहौर को जिलाध्यक्ष नियुक्त किया गया है।

वहीं, कानपुर क्षेत्र के दो जिलोंकृललितपुर से राहुल श्रीवास तथा चित्रकूट से अजय वर्मा को जिलाध्यक्ष की कमान सौंपी गई है। गोरखपुर क्षेत्र के अंतर्गत सिद्धार्थनगर जिले में संजय गौतम को नया जिलाध्यक्ष घोषित किया गया है।

राजनीतिक जानकारों के अनुसार, 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले बूथ स्तर तक संगठन को सक्रिय करने और अनुसूचित जाति वर्ग के बीच पार्टी की पैठ को और मजबूत बनाने के उद्देश्य से यह संगठनात्मक फेरबदल किया गया है। नवनियुक्त जिलाध्यक्षों की घोषणा के बाद वाराणसी सहित संबंधित जिलों के भाजपा कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों ने हर्ष व्यक्त करते हुए उन्हें बधाई दी है।

समाज के अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं को पहुँचाना लक्ष्य : महानगर अध्यक्ष

इस नियुक्ति पर वाराणसी महानगर भाजपा के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने हर्ष व्यक्त करते हुए नवनियुक्त जिलाध्यक्ष को बधाई दी है। वाराणसी महानगर अध्यक्ष प्रदीप अग्रहरि ने प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि भाजपा समाज के सभी वर्गों को साथ लेकर चलने और श्अंत्योदयश के संकल्प को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने विश्वास जताया कि नई नियुक्तियों से संगठन की गतिविधियों को और गति मिलेगी तथा केंद्र व प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुँचाने में मदद मिलेगी।

राजनीतिक जानकारों के अनुसार, 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले बूथ स्तर तक संगठन को सक्रिय करने और अनुसूचित जाति वर्ग के बीच पार्टी की पैठ को और मजबूत बनाने के उद्देश्य से यह संगठनात्मक फेरबदल किया गया है।

काशी के नाम एक और राष्ट्रीय उपलब्धि : स्ट्रीट वेंडर्स के सशक्तिकरण में वाराणसी देश में दूसरे स्थान पर

लोक हस्तक्षेप संवाददाता

वाराणसी। स्ट्रीट वेंडर्स (रेहड़ी–पटरी दुकानदारों) को आत्मनिर्भर बनाने और उन्हें सरकारी कल्याणकारी योजनाओं से जोड़ने की दिशा में वाराणसी ने राष्ट्रीय स्तर पर बड़ी उपलब्धि हासिल की है। भारत सरकार के आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय (डवभ्न।) द्वारा संचालित श्स्वनिधि से समृद्धिश अभियान के तहत 10 लाख से अधिक आबादी वाले शहरों (मेगा सिटीज) की श्रेणी में वाराणसी को देश भर में दूसरा स्थान मिला है। इस उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए वाराणसी को प्रतिष्ठित श्पीएम स्वनिधि सम्मान पुरस्कार 2026श से नवाजा गया है।

नई दिल्ली स्थित डॉ. अंबेडकर इंटरनेशनल सेंटर में आयोजित राष्ट्रीय सम्मान समारोह में केंद्रीय शहरी एवं आवासन मंत्री मनोहर लाल खट्टर ने यह पुरस्कार प्रदान किया। वाराणसी की ओर से पूर्व नगर आयुक्त हिमांशु नागपाल तथा जिला नगरीय विकास अभिकरण (डूडा) की परियोजना अधिकारी निधि वाजपेयी ने यह सम्मान ग्रहण किया।

अधिकारियों के अनुसार, यह राष्ट्रीय पहचान वाराणसी नगर निगम और डूडा द्वारा रेहड़ी–पटरी दुकानदारों को बिना गारंटी के सुलभ ऋण उपलब्ध कराने, उन्हें डिजिटल लेन–देन (डिजिटल इकोनॉमी) से जोड़ने तथा उनके परिवारों की सामाजिक–आर्थिक प्रोफाइलिंग कर केंद्र सरकार की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिलाने में किए गए प्रभावी कार्यों के लिए मिली है।

इस राष्ट्रीय सम्मान में उत्तर प्रदेश का समग्र प्रदर्शन भी शानदार रहा है, जहाँ प्रदेश को राज्य और नगर निकाय स्तर पर कुल 8 पुरस्कार प्राप्त हुए हैं। प्रदेश के नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए इसका श्रेय स्ट्रीट वेंडर्स, नगर निकायों और सूडा (ैन्च।) के अधिकारियों के सामूहिक प्रयासों को दिया है। उन्होंने कहा कि पीएम स्वनिधि योजना छोटे व्यापारियों के जीवन में सकारात्मक बदलाव ला रही है।

प्राचीन दशाश्वमेध घाट पर काशी की आध्यात्मिक विरासत और स्वच्छ गंगा को समर्पित होगी महाआरती

वाराणसी,संवाददाता। काशी के विश्व प्रसिद्ध प्राचीन दशाश्वमेध घाट पर गंगोत्री सेवा समिति इस बार देव दीपावली को भगवान शिव, काशी की आध्यात्मिक विरासत और स्वच्छ गंगा को समर्पित करेगी। मां गंगा की महाआरती के दौरान गंगा आराधना, शिव महिमा और काशी की विरासत को परंपरा और आधुनिक तकनीक के संगम से सहेजा जाएगा। स्वच्छ गंगा और पर्यावरण–अनुकूल दीपदान करके पर्यावरण संरक्षण का भी संदेश दिया जाएगा। गंगोत्री सेवा समिति के संस्थापक अध्यक्ष पं. किशोरी रमण दुबे बाबू महाराज एवं समिति के सचिव पं. दिनेश शंकर दुबे ने बताया कि प्राचीन दशाश्वमेध घाट देवताओं के स्वागत में पलक–पांवड़े बिछायेगा। भगवान शिव और मां गंगा की नगरी काशी की आध्यात्मिक विरासत को समर्पित देव दीपावली का आयोजन किया जाएगा। 36 वर्षों से चल रही परम्परा के अनुसार दशाश्वमेध घाट पर नियमित आरती करने वाली संस्था गंगोत्री सेवा समिति के तत्वावधान में वैदिक रीति से गंगा महारानी का पूजन–स्तवन संग 151 लीटर दूध से अभिषेक करके गंगा निर्मलीकरण का आह्वाहन किया जायेगा।

गंगा तट पर सिंहासनारूढ़ गंगा महारानी की 108 किलो की अष्टधातु की श्रृंगारिक प्रतिमा और उनकी अलौकिक आरती की निराली छवि आकषर्ण का केंद्र होगी। मां गंगा का शास्त्रोक्त विधि से पूजन के क्रम में समूचे घाट को 500 किलो देशी और विदेशी फूलों से सजाया जायेगा। बताया कि ऋद्धि सिद्धि के रूप में गंगा की महाआरती के दौरान बेटियों का नेतृत्व नारी शक्ति के सम्मान का संकल्प दोहराएगा।

इस वर्ष के आयोजन में 21 बटुकों संग 21 डमरुदल गंगा आरती की शोभा बढ़ाएंगे। आयोजन की अध्यक्षता सुमेरू पीठ के शंकराचार्य पूजनीय स्वामी नरेंद्रानंद सरस्वती करेंगे। देव दीपावली महोत्सव का संचालन गंगा सेवक नमामि गंगे काशी क्षेत्र के संयोजक राजेश शुक्ला द्वारा किया जाएगा। आयोजन के दौरान वाराणसी के सम्मानित जनप्रतिनिधि, देश–विदेश से आमंत्रित अतिथिगण एवं कई प्रतिष्ठित बैंकों के अधिकारी परिवारजन सहित उपस्थित रहेंगे। इस दौरान समिति के संरक्षक पं. कन्हैया त्रिपाठी, गंगेश्वरधर दुबे, संकठा प्रसाद, संजय यादव सहित समिति के पदाधिकारी उपस्थित रहे। देव दीपावली के अवसर पर गंगोत्री सेवा समिति द्वारा काशी के पौराणिक केदार घाट पर पं. संदीप कुमार दुबे के संयोजन में मां गंगा की भव्य और विराट आरती का आयोजन किया जाएगा।

राष्ट्रीय पोलियो दिवस पर बच्चों को पिलाई गई पोलियो की दो बूंद

वाराणसी,संवाददाता। राष्ट्रीय पोलियो दिवस के अवसर पर शनिवार को स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय भारत सरकार और रोटरी इंटरनेशनल के सहयोग से आइएमए परिसर में विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान बच्चों को पोलियो की दो बूंद पिलाकर अभियान का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम में दो बूंद हर बार, पोलियो पर जीत रहे बरकरार का संदेश दिया गया। आइएमए अध्यक्ष डा. अनुराग टंडन ने कहा कि पोलियो उन्मूलन के लिए स्वास्थ्य विभाग, आइएमए, विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) और रोटरी क्लब मिलकर लगातार प्रयास कर रहे हैं। पोलियो जैसी बीमारी से बचाव के लिए जनजागरूकता बेहद जरूरी है।

यूपी में बड़ा प्रशासनिक व पुलिस फेरबदल : 182 पीसीएस और 144 पुलिस अधिकारियों के तबादले

लखनऊ, विशेष संवाददाता। उत्तर प्रदेश शासन ने रविवार को प्रशासनिक और पुलिस महकमे में बड़े स्तर पर फेरबदल करते हुए 182 पीसीएस (च्चै) और 144 पीपीएस (च्चै) अधिकारियों के तबादले कर दिए हैं। इस व्यापक फेरबदल का सीधा असर प्रदेश के लगभग सभी प्रमुख जिलों और कमिश्नरेट व्यवस्था पर पड़ा है।

प्रशासनिक स्तर पर बदलाव

नियुक्ति एवं कार्मिक विभाग द्वारा जारी सूची के अनुसार, तबादला किए गए 182 पीसीएस अधिकारियों में मुख्य रूप से उपजिलाधिकारी स्तर के अधिकारी शामिल हैं। इसके तहत प्रदेश के 100 से अधिक जिलों और तहसीलों में नए एसडीएम की तैनाती की गई है।

पुलिस महकमे में फेरबदल

वहीं, गृह विभाग की ओर से जारी सूची में 144 पुलिस उपाधीक्षक (वैच्) स्तर के अधिकारियों के कार्यक्षेत्र में बदलाव किया गया है। इस सूची में लखनऊ, कानपुर और गौतम बुद्ध नगर (नोएडा) कमिश्नरेट में तैनात कई सहायक पुलिस आयुक्त (।ब्च्) भी शामिल हैं।

तबादलों की मुख्य वजह

शासन के सूत्रों के मुताबिक, आगामी चुनावों के मद्देनजर चुनाव आयोग के दिशा–निर्देशों का पालन करते हुए ये तबादले किए गए हैं। नियमों के तहत एक ही जिले में तीन साल या उससे अधिक समय से तैनात अधिकारियों को हटाकर दूसरे जिलों में भेजा जा रहा है। इससे पहले 16 नवंबर को भी शासन ने 55 पीसीएस अधिकारियों का तबादला कर कई जिलों के एडीएम और विकास प्राधिकरणों के सचिव बदले थे। सभी स्थानांतरित अधिकारियों को तत्काल प्रभाव से नवीन तैनाती स्थल पर कार्यभार ग्रहण करने के निर्देश दिए गए हैं।

सारनाथ में बुद्ध अस्थि अवशेष का अनुयायियों ने किया दर्शन

वाराणसी,संवाददाता। भगवान बुद्ध की प्रथम उपदेश स्थली सारनाथ से बुद्ध के करुणा, शांति,मैत्री का संदेश पूरी दुनिया में फैला कार्तिक पूर्णिमा पर हजारों बौद्ध अनुयायी भगवान बुद्ध की पवित्र अस्थि अवशेष का दर्शन के निहाल हो गए। महाबोधि सोसाइटी ऑफ इंडिया के तत्वावधान में मूलगंध कुटी बौद्ध मंदिर का 95 वा वार्षिकोत्सव के मौके पर विहाराधिपति भिक्षु आर सुमित्ता नन्द थेरो के नेतृन में वियतनाम से आया वियतनामी नक्काशीदार मेज पर मोती हीरा से जड़ित फ्लास्क में रखे भगवान बुद्ध का पवित्र अस्थि अवशेष को मन्दिर के मुख्य हाल में दर्शन के लिए रखा गया था। इसके पूर्व सुबह 5 30 बजे बौद्ध भिक्षु भगवान बुद्ध की पूजा कर उनके अस्थि अवशेष को श्रद्धालुओं के दर्शनार्थ रखा गया। इसमे श्रीलंका, वियतनाम, थाईलैंड, नेपाल, म्यामार के अलावा देश में श्रावस्ती, नागपुर, लखनऊ, कुशीनगर, बोध गया, लुम्बनी व स्थानीय बौद्ध मठ के बौद्ध भिक्षु व अनुयायियों ने सुबह 6 बजे से 11 बजे तक बुद्ध अस्थि का दर्शन किया।

मंदिर के मुख्य गेट से सारनाथ चौराहे तक लंबी कतारें लगी थीं। इस दौरान मन्दिर व मठों को पंचशील झंडे व बिजली के रंगीन झालरों से सजाया गया है। इस मौके महाबोधि सोसाइटी आफ इंडिया के महासचिव भिक्षु पी शिबली थेरो, भिक्षु शील वंश, भिक्षु मैत्री, डॉ. चंद्रशेखर सिंह, प्रवीण श्रीवास्तव, संजय मौर्य, रामधीरज, सहित अन्य बौद्ध मठ के बौद्ध भिक्षु शामिल रहे। कार्तिक पूर्णिमा के मौके पर सारनाथ मूलगंध कुटी बौद्ध मंदिर में रविवार को भगवान बुद्ध अस्थि दर्शन कर वापस लौट रहे बौद्घ अनुयायियों को वियतनामी बौद्ध अनुयायियों ने प्रसाद वितरण किया। जो अपराह्न तीन बजे तक चला। इसके बाद भी वध्भिघ्न्घ्नि बौद्ध मंदघ्रिों का आयोजन देर रात तक जारी रहेगा।

मुलायम सिंह यादव की जयंती पर समाजवादी आंदोलन पर विमर्श

वाराणसी,संवाददाता। समाजवादी पार्टी की ओर से लोहता में समाजवादी आंदोलन के प्रखर नेता, पूर्व रक्षामंत्री एवं उत्तर प्रदेश के तीन बार मुख्यमंत्री रहे स्व. मुलायम सिंह यादव की 87वीं जयंती मनाई गई। इस अवसर पर कांग्रेस के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अजय राय एवं कांग्रेस के जिलाध्यक्ष राजेश्वर पटेल अपने साथियों के साथ कार्यक्रम में पहुंचकर नेताजी को श्रद्धासुमन अर्पित किया। इस अवसर पर पार्टी के नेताओं, पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं एवं प्रबुद्धजनों ने नेता जी के चित्र पर माल्यार्पण कर पुष्प अर्पित किए, साथ ही उनके संघर्षों, विचारों एवं जनसेवा के योगदान को याद किया।

इसके पश्चात जिला समाजवादी पार्टी द्वारा नवनिर्वाचित एमएलसी आशुतोष सिंहा का स्वागत अभिनंदन किया गया। उपस्थित नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने उन्हें माला, अंगवस्त्रम एवं बुके देकर उनको बधाई दी। कार्यक्रम में उपस्थित सांसद चंदौली वीरेंद्र सिंह ने कहा कि नेता जी का संपूर्ण जीवन सामाजिक न्याय, समानता और लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति समर्पित रहा। उन्होंने गरीबों, किसानों, मजदूरों, नौजवानों तथा पिछड़े, शोषित एवं वंचित वर्गों के हक और अधिकारों के लिए आजीवन संघर्ष किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि आशुतोष सिंहा ने कहा कि मैं एक साधारण



परिवार से संबंध रखता हूं। उसके बाद भी राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने मुझे दोबारा प्रत्याशी बनाकर भेजा यह जीत हमारी नहीं बल्कि आप सभी के मेहनत, पार्टी के प्रति समर्पण और अखिलेश यादव के नीतियों को देन है। श्रद्धेय नेताजी मुलायम सिंह यादव के विचार और जनहित में किए गए कार्य सदैव समाजवादी आंदोलन को दिशा और प्रेरणा देते रहेंगे।

कार्यक्रम में उपस्थित कांग्रेस के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने कहा कि नेताजी पिछड़े, दलित, अल्पसंख्यक सहित सर्वसमाज के नेता थे जब वे मुख्यमंत्री थे तब मैं विधायक था मैने जो काम उन्हें दिया था सारा काम उन्होंने किया वे बहुत ही सरल स्वभाव के व्यक्ति थे। अब दूसरा मुलायम पैदा नहीं हो सकता। श्रद्धांजलि सभा की अध्यक्षता करते हुए सपा जिलाध्यक्ष सुजीत यादव लक्कड़ ने कहा कि न्यायप्रिय राजनीति और समाजवादी आंदोलन के मजबूत स्तंभ नेता जी की कमी सदैव महसूस होती रहेगी। कहा कि उन्होंने अपना संपूर्ण जीवन सामाजिक न्याय की स्थापना और आम जनता के अधिकारों की रक्षा के लिए समर्पित कर दिया। शोषित, वंचित, उत्पीड़ित एवं पिछड़े वर्गों के उत्थान के लिए उनके द्वारा किए गए कार्य हमेशा याद किए जाएंगे। नेता जी के विचार और संघर्ष समाजवादी कार्यकर्ताओं को जनसेवा के मार्ग पर निरंतर आगे बढ़ने की प्रेरणा देते रहेंगे। सभा का संचालन करते हुए जिला प्रवक्ता संतोष यादव बबलू एडवोकेट ने कहा कि श्रद्धेय मुलायम सिंह यादव ऐसे जननेता थे, जिन्होंने राजनीति को सत्ता के गलियारों तक सीमित न रखकर गांव, गरीब, किसान और आम आदमी के बीच पहुंचाया। उन्होंने समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति की आवाज को बुलंद किया तथा सामाजिक न्याय और समानता की लड़ाई को मजबूती प्रदान की। उनका जीवन संघर्ष, समर्पण और जनसेवा का प्रेरणादायी उदाहरण है। समाजवादी पार्टी उनके विचारों और सिद्धांतों को आत्मसात करते हुए सामाजिक न्याय की लड़ाई को आगे बढ़ाती रहेगी।श्रद्धांजलि सभा की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष सुजीत यादव लक्कड़ तथा संचालन जिला प्रवक्ता संतोष यादव बबलू एडवोकेट ने किया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से पूर्व विधायक उदय लाल मौर्या, आत्माराम यादव, आनंद मौर्या, डॉ. रामबालक पटेल, उमेश प्रधान, प्रदीप कुमार मौर्य, अवधेश पाठक, प्रदीप जायसवाल, महेंद्र पाल पिंटू, विष्णु शर्मा, पंधारी यादव एडवोकेट, आकाश मौर्य, बाबूलाल यादव, अक्षय प्रधान, मनोज यादव, कमलेश पटेल, मोदी यादव, शशी यादव, अश्विनी चौहान, ओ पी पटेल, धर्मेंद्र यादव सिंटू, गोपाल पाण्डेय, धर्मेंद्र यादव, दिलशाद अहमद, आनंद यादव, शमीम नोमानी, मोतीलाल व्यास, विद्या भारती, रोहित शर्मा, योगेश सिंह, गोविंद पटेल, अमरजीत फौजी, आलोक सौरभ, जग्गू पाल, बालकिशुन, अनूप नट, काशीनाथ, दुर्गेश पाल, आनंद पटेल, रीना यादव सहित सैकड़ों लोग उपस्थित थे।

काशी विश्वनाथ मंदिर के आसपास अवैध बाइक चालकों पर पुलिस की कार्रवाई, कई गाड़ियां सीज

वाराणसी,संवाददाता। श्री काशी विश्वनाथ मंदिर के आसपास यात्रियों से मनमाना किराया वसूलने वाले अवैध ओला रैपिडो बाइक चालकों के खिलाफ रविवार को वाराणसी पुलिस ने कार्रवाई की। इस बाबत पुलिस की ओर से दी गई जानकारी के अनुसार शिकायत मिलने के बाद प्रभारी निरीक्षक महोदय के साथ ही चौकी प्रभारी दालमंडी, चौकी प्रभारी काशी विश्वनाथ मंदिर सहित मय फोर्स थाना क्षेत्र में अवैध रूप से चलने वाले ओला रैपिडो के अलावा अन्य विरुद्ध अभियान चलाया गया। इंस्पेक्टर चौक बीके शुक्ला ने खुद ग्राउंड जीरो पर पहुंचकर मौके पर हकीकत की पड़ताल की। इस दौरान सामने आया कि कुछ अवैध बाइक चालक यात्रियों से निर्धारित किराये से अधिक पैसे वसूलकर उन्हें उनके गंतव्य तक पहुंचा रहे थे। मामले को गंभीरता से लेते हुए इंस्पेक्टर चौक ने संबंधित बाइक चालकों के खिलाफ कार्रवाई की और उनकी गाड़ियों को सीज कर दिया। पुलिस की इस कार्रवाई से अवैध रूप से बाइक टैक्सी चलाने और यात्रियों से मनमाना किराया वसूलने वालों में हड़कंप मचा हुआ है।

बिजली कर्मियों का 'ज्ञापन दो अभियान' सातवें दिन भी जारी

लखनऊ,संवाददाता। विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति, उत्तर प्रदेश के आह्वान पर बिजली कर्मियों के विरुद्ध की गई उत्पीड़नात्मक कार्यवाहियां वापस कराने की मांग को लेकर 16 नवंबर से प्रारंभ प्रदेशव्यापी 'ज्ञापन दो अभियान' आज सातवें दिन भी जारी रहा। अभियान के तहत प्रदेश के विभिन्न जनपदों में सांसदों, विधायकों, मंत्रियों एवं अन्य जनप्रतिनिधियों को ज्ञापन सौंपकर मार्च 2023 के आंदोलन तथा निजीकरण विरोधी आंदोलन के दौरान बिजली कर्मियों के विरुद्ध की गई सभी उत्पीड़नात्मक कार्यवाहियां वापस कराने के लिए सरकार से प्रभावी हस्तक्षेप की मांग की गई। अभियान के सातवें दिन आज मेरठ, लखनऊ, जौनपुर सहित विभिन्न जनपदों में जनप्रतिनिधियों को ज्ञापन सौंपे गए। मेरठ में माननीय राज्य मंत्री एवं हस्तिनापुर विधानसभा क्षेत्र के विधायक श्री दिनेश खटीक को प्रतिनिधिमंडल ने ज्ञापन सौंपकर मार्च 2023 की सांकेतिक हड़ताल के दौरान बिजली कर्मियों के विरुद्ध की गई कार्यवाहियां वापस कराने की मांग की।



लखनऊ में विधानसभा क्षेत्र मलिहाबाद की विधायक श्रीमती जय देवी कौशल तथा मोहनलालगंज के सांसद एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री कौशल किशोर को ज्ञापन सौंपा गया। इस अवसर पर श्रीचंद्र, आर.सी. पाल, अवनीश श्रीवास्तव एवं अजय भट्टाचार्य सहित अन्य कर्मचारी प्रतिनिधि उपस्थित रहे। जौनपुर में विधान परिषद सदस्य बृजेश सिंह 'प्रिंसू' को ज्ञापन सौंपकर बिजली कर्मियों के विरुद्ध पूर्व में की गई उत्पीड़नात्मक कार्यवाहियां वापस कराने का अनुरोध किया गया। प्रतिनिधिमंडल ने उनसे आग्रह किया कि वे इस गंभीर विषय को विधानसभा एवं विधान परिषद के स्तर पर प्रभावी ढंग से उठाएं और कर्मचारियों को न्याय दिलाने में सहयोग करें। इस अवसर पर राज्य विद्युत परिषद प्राविधिक कर्मचारी संघ, जौनपुर के जिलाध्यक्ष श्री जितेंद्र यादव, श्री अफजाल एवं अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे। संघर्ष समिति ने जनप्रतिनिधियों को सौंपे गए ज्ञापनों में मार्च 2023 के आंदोलन के बाद तत्कालीन ऊर्जा मंत्री श्री अरविंद कुमार शर्मा के साथ हुए समझौते तथा बिजली कर्मियों के विरुद्ध की गई उत्पीड़नात्मक कार्यवाहियां वापस लेने के स्पष्ट निर्देशों का प्रभावी अनुपालन सुनिश्चित कराने की मांग की। ज्ञापन में इस बात पर गहरी चिंता व्यक्त की गई कि समझौते और स्पष्ट निर्देशों के बावजूद अब तक सभी कार्यवाहियां वापस नहीं ली गई हैं। संघर्ष समिति ने मांग की कि मार्च 2023 के आंदोलन एवं निजीकरण विरोधी आंदोलन के दौरान बिजली कर्मियों के विरुद्ध की गई सभी लंबित दंडात्मक कार्यवाहियां, दर्ज एफआईआर, स्टेट विजिलेंस की जांच तथा अन्य उत्पीड़नात्मक कार्रवाइयां तत्काल वापस ली जाएं।

यूपी दर्शन पार्क में 23 से 26 नवंबर तक होगा राष्ट्रीय जनजातीय भागीदारी उत्सव

लखनऊ,संवाददाता।

लोकनायक भगवान बिरसा मुंडा की जयंती के अवसर पर उत्तर प्रदेश लोक एवं जनजाति संस्कृति संस्थान–संस्कृति विभाग की ओर से राष्ट्रीय जनजातीय भागीदारी उत्सव का आयोजन 23 से 26 नवंबर तक गोमती नगर स्थित यूपी दर्शन पार्क में किया जा रहा है। उत्तर प्रदेश लोक एवं जनजाति संस्कृति संस्थान लखनऊ के निदेशक अतुल द्विवेदी ने 22 नवम्बर को बताया कि राष्ट्रीय जनजातीय भागीदारी उत्सव का शुभारम्भ 23 नवम्बर, 2026 को शाम पांच बजे किया जाएगा। उसी दिन 1090 चौराहे से उत्सव स्थल तक शोभा यात्रा का आयोजन दोपहर तीन बजे से किया जायेगा। इसमें विभिन्न राज्यों के 250 कलाकार अपनी प्रस्तुतियां देगे और समागम यात्रा निकाली जायेगी। 25 एवं 26 नवम्बर, 2026 को कजाकिस्तान, जिम्बाम्बे एवं मालद्वीप के कलाकार प्रस्तुतियां देगे। इस उत्सव में प्रवेश निःशुल्क रखा गया है। कलाकार सहभागिता उत्सव में 12 राज्यों जिसमें महाराष्ट्र, सिक्किम, उड़ीसा, राजस्थान, छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, बिहार, उत्तराखण्ड, पश्चिम बंगाल, असम, झारखण्ड और उत्तर प्रदेश के 500 से अधिक कलाकार पारम्परिक नृत्य, संगीत और वाद्ययंत्रों का प्रदर्शन करेंगे। इस आयोजन में हस्तशिल्प और कला मेला में 70 से अधिक हस्तशिल्प स्टॉल लगाये जा रहे हैं।

इसके अलावा व्यंजन मेला के अंतर्गत जेवनार एवं देशी स्वाद नाम से व्यंजन मेले के स्टॉल भी लगाये जायेंगे। साहित्यिक एवं विकास मंच को प्रोत्साहित करते हुए जनजाति साहित्य को समेटे जनजातीय लोककला एवं बोली विकास अकादमी जनजातीय संग्रहालय भोपाल, मध्य प्रदेश एवं अन्य प्रकाशनों द्वारा पोथी घर के साथ अन्य स्टॉल लगाये जायेंगे। कार्यक्रम में धरती आबा नाटक का मंचन किया जायेगा। साथ ही जनजातीय समाज के उत्थान और विकास पर संगोष्ठियों का भी आयोजन होगा। शिल्प मेले का प्रतिदिन प्रातः 11 बजे से एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन रोज सायं 05 बजे से किया जाएगा। मेले का समापन रात्रि 09 बजे तक होगा। इस भागीदारी उत्सव का आयोजन उत्तर प्रदेश लोक एवं जनजाति संस्कृति संस्थान, समाज कल्याण विभाग, जनजाति विकास विभाग, पर्यटन एवं संस्कृति विभाग, उत्तर प्रदेश ट्राइबल रिसर्च इंस्टीट्यूट, द्वारा संयुक्त रूप से किया जा रहा है। सहयोगी संस्थाओं में प्रयागराज के उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र, अलीगंज स्थित ललित कला अकादेमी के क्षेत्रीय केन्द्र, भारतीय सांस्कृतिक सम्बंध परिषद, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, केनरा बैंक एवं एनटीपीसी शामिल है।

सैकड़ों रामभक्तों को अयोध्या धाम यात्रा के लिए बसों से किया रवाना

हरदोई,संवाददाता। आस्था, श्रद्धा और सेवा के भाव से ओतप्रोत होकर 161 विधानसभा संडीला क्षेत्र में समाजसेवी नेता अजय कुमार सिंह द्वारा एक सराहनीय पहल की गई। इसके अंतर्गत प्रह्लाद खेड़ा, मांझिगवां, बकवा एवं गौरा सहित आसपास के क्षेत्रों से आए सैकड़ों रामभक्तों को पावन नगरी अयोध्या धाम की यात्रा के लिए रवाना किया गया। इस अवसर पर नेवादा मार्केट में विशेष उत्साह और भक्तिमय माहौल देखने को मिला। समाजसेवी अजय कुमार सिंह ने बसों को हरी झंडी दिखाकर सभी श्रद्धालुओं को अयोध्या धाम के लिए रवाना किया। यात्रा पर निकल रहे रामभक्तों के चेहरों पर प्रभु श्रीराम के दर्शन की खुशी और उत्साह साफ दिखाई दे रहा था। इस दौरान जय श्रीराम के जयकारों से पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठा। अयोध्या धाम में प्रभु श्रीराम के भव्य मंदिर में दर्शन और उनका आशीर्वाद प्राप्त करने को लेकर श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह रहा। यात्रा के दौरान सभी रामभक्तों की सुविधा और उनकी मंगलमय यात्रा की कामना की गई। इस अवसर पर अजय कुमार सिंह ने सभी श्रद्धालुओं को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि प्रभु श्रीराम के प्रति आस्था और श्रद्धा लोगों को आपस में जोड़ने का काम करती है।

संपादकीय...

खत्म होते प्राकृतिक स्रोत

एक समय ऐसा भी था जब हमारे शहरों, कस्बों और गांवों में तालाब, पोखर एक पवित्र सार्वजनिक सम्पदा की तरह संभाल कर रखे जाते थे। प्रतिवर्ष इन जलकोषों की साफ–सफाई और गाद निकालने का काम समाज खुद करता था। इन जलस्रोतों से निकलने वाली चिकनी मिट्टी के अनेक उपयोगों के उपरान्त इसे खाद के रूप में भी इस्तेमाल किया जाता था। लेकिन जलनीतियों के किताबी झंझावरदारों ने पोखर, तालाब, कुंओं जैसी बेहद किफायती प्रकृति सम्मत परियोजनाओं की भरपूर उपेक्षा कर इन्हें अनुपयोगी ही मान लिया। आजादी के बाद से अब तक बनी तमाम जलनीतियों की प्रमाणिकता का अंदाजा मात्र इसी बात से लगाया जा सकता है कि अब तक किसी सरकार ने ऐसा कोई प्रामाणिक सर्वेक्षण नहीं करवाया कि देश में 'पानी' आखिर है कितना। प्रतिवर्ष बिगड़ते हालात के बावजूद हम कभी अपने प्राकृतिक जल संसाधनों की चिंता नहीं करते, बल्कि उनका उपभोग या दुरुपयोग इतनी लापरवाही से कर रहे हैं मानो कोष रूपी ये स्रोत कभी समाप्त ही नहीं होंगे। मोटे हिसाब से देखें तो देश भर में घरेलू उपयोग और सिंचाई के लिए जितना पानी रोजाना खर्च होता है, उससे कई गुणा अधिक पानी तो प्रतिदिन हमारे–आपके वाहनों की धुलाई सफाई में व्यर्थ हो रहा है, वह भी पीने योग्य मीठा पानी। इसके लिए हम जब कोई नियम, कायदा, कानून, नीति वगैरह ढूंढ़ेंगे तो बेशर्मी के ठेंगे के सिवा किसी भी दफ्तर या विभाग में कुछ नहीं मिलेगा। अगर हम सिर्फ हरियाणा, पंजाब और राजधानी दिल्ली की जलनीति समझें तो रोना आता है। जिस हरियाणा पंजाब में जंगल आज नाम मात्र बचे हों, वहां की धरती आज लगभग 30 लाख सबमर्सिबल पंप शरीर–सौष्ठव पर टिकी है। जिसमें से अकेले पंजाब में ही साढ़े 18 लाख सबमर्सिबल दिन रात भू–जल उलीच रहे हैं। इन दोनों राज्यों के लगभग 70 प्रतिशत भू–जल क्षेत्र डार्क जोन में हैं। राजधानी दिल्ली की हालत तो और अधिक दयनीय है। आज दिल्ली के पास कोई भी प्राकृतिक संसाधन अपना नहीं, जबकि अंग्रेजों के आने से पहले तक यहां 750 के लगभग तालाब थे। दिल्ली या पानी चोरी करती है या संपादन खरीदती है। दिल्ली के शौकालयों के लिए नित्य–क्रम मेरठ से खींच कर लाई गई गंगा मैया निपटाती है। प्रतिवर्ष फरवरी–मार्च में दिल्ली में पानी की खूब किल्लत होने लगती है। दिल्ली के अनेक क्षेत्रों में सरकारों के खिलाफ खूब घड़े–बाल्टियां फूटते हैं लेकिन मजा देखिए कि दिल्ली में तालाब–बावड़ियां पोखर भले निपटा दिए हों लेकिन अधिकांश नेताओं के घरों में छोटे–बड़े 'स्विमिंग पूल' अवश्य मिल जाएंगे। और पानी के ठेकेर अब सरकारों द्वारा संरक्षित 'माफिया' की श्रेणी में आते हैं। प्रत्येक बनने वाली नीति का आधार मात्र इतना भर होना चाहिए कि वह प्रकृति सम्मत हो। आधुनिक और सामाजिक विकास का रूप कैसा होना चाहिए ये नीति निर्धारकों को स्पष्ट होना ही चाहिए। आज हमने अपने आस–पास तथाकथित विकास के नाम पर कुछ ऐसा ढांचा रच लिया है, जो हमें अपने आस–पास के पर्यावरण से जोड़ने की बजाय तोड़ता अधिक है। विज्ञान और तकनीक में बढ़ती हमारी योग्यता ने भले ही हमें तकनीकी रूप से साक्षर बनाया हो लेकिन प्रकृति से तालमेल बिठाने के मामले में हम लगातार निरक्षर होते चले गए हैं। एक समय पंजाब में 1700 तालाबों का जिक्र मिलता है लेकिन आज पंजाब की हालत देखिए! आज पंजाब अपने सभी प्राकृतिक संसाधन यानी मिट्टी, पानी, पशु–परिंदे सब गंवा चुका है! अगर पंजाब में तालाब होते तो बीते वर्ष पंजाब में आई भीषण बाढ़ की तबाही से बचा जा सकता था लेकिन नहीं, तालाबों को अतिक्रमित कर सबको गैरिज पैलेस चाहिएं नए–नए मॉल चाहिएं।

पुरानी गलतियां दोहराती कांग्रेस

मनीष दाभाडे

जहां सोनिया गांधी ने अपने संस्मरण में लिखा कि श्वाबरी मस्जिदक का विध्वंस टीवी पर देखकर वह रो पड़ी थीं, वहीं कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने पत्रकारों के बीच दीपावली की शुभकामनाएं देते हुए इसे खुशियों की ईद' बताया। क्या कांग्रेस नागरिकों के सशक्तीकरण के बजाय उसी तुष्टीकरण में सहारा खोज रही है, जिसने उसे पहले भी पीछे धकेला? अल्पसंख्यकों की सुरक्षा, धार्मिक स्वतंत्रता और समान अवसर सुनिश्चित करना लोकतंत्र का कर्तव्य है। तुष्टीकरण इससे अलग है। वह तब शुरू होता है, जब नागरिक के अधिकार से अधिक महत्व किसी धार्मिक नेतृत्व की नाराजगी को मिले। यह प्रवृत्ति लोकतंत्र विरोधी है, क्योंकि वह स्वतंत्र नागरिक को बंधे हुए वोट बैंक में बदलती है। इसका पहला कारण कांग्रेस का बिखरता सामाजिक आधार है।

पिछड़ों और दलितों के नए नेतृत्व तथा क्षेत्रीय दलों के उभार ने कांग्रेस के पुराने ढांचे को चुनौती दी है। उसे संगठन को मजबूत करने के साथ नए नेतृत्व को आगे लाना चाहिए था, लेकिन उसके नेताओं को धार्मिक पहचान के सहारे समर्थन जुटाने का छोटा रास्ता सुविधाजनक दिखाई दिया। घटते जनाधार ने अल्पसंख्यक समर्थन को अंतिम सहारा मानने का प्रलोभन बढ़ाया। दूसरा कारण संगठन की कमजोरी है। मजबूत पार्टी सीधे परिवारों, युवाओं और कार्यकर्ताओं से बात करती है। कमजोर संगठन प्रभावशाली मध्यस्थों पर निर्भर होता है। कांग्रेस की राजनीति में यही जोखिम बढ़ा है– कुछ धार्मिक चेहरों को साधना पूरे समुदाय की आकांक्षाएं समझने का विकल्प बन जाता है। इससे सामान्य मुस्लिम नागरिक के बजाय प्रभावशाली मध्यस्थ मजबूत होते हैं। एक और कारण मुस्लिम समर्थन के लिए क्षेत्रीय दलों से प्रतिस्पर्धा है। भारतीय मुसलमान एकरूप नहीं हैं। उनमें गरीब, संपन्न, महिलाएं, युवा और पसमांदा वर्ग हैं, जिनकी जरूरतें अलग हैं। उन्हें केवल धार्मिक पहचान से संबोधित करना उनकी विविधता नकारना है। एक जैसे वोट की अपेक्षा उनकी स्वतंत्र समझ का सम्मान नहीं है। वास्तविक भेदभाव और असुरक्षा की शिकायतों का समाधान जरूरी है, लेकिन उनका स्थायी राजनीतिक दोहन समाधान नहीं है। सुरक्षा का भरोसा नागरिक को स्वतंत्र बनाए, किसी दल का बंधक नहीं। शाहबानो प्रकरण इसकी स्पष्ट मिसाल है। एक बुजुर्ग मुस्लिम महिला को मिले न्याय के बाद राजीव गांधी सरकार ने रूढ़िवादी मजहबी दबाव के बीच अलग कानून बनाया। इस निर्णय का संदेश यही था– महिला के अधिकार से अधिक



महत्वपूर्ण मजहबी नेतृत्व की सहमति।

तुष्टीकरण की कीमत अल्पसंख्यक समाज चुकाता है। मुस्लिम बेटी को शिक्षा, सुरक्षित आवागमन और नौकरी चाहिए। युवा को कौशल, उद्यम के लिए ऋण और निष्पक्ष भर्ती चाहिए। दुकानदार को बिजली, सड़क और वोट का मालिक बने। रूढ़िवादियों की नाराजगी के डर से सुधार मांगने वाली महिलाओं और युवाओं की आवाज न सुनना लोकतंत्र के विपरीत है। अल्पसंख्यक होना नागरिक की एकमात्र पहचान नहीं। ऐसा मानना उसके अधिकार और आकांक्षाएं सीमित करना है।

हिंदू समाज से संवाद में भी सुरक्षा चाहिए। धार्मिक भावनाओं पर बहस इन जरूरतों का विकल्प नहीं है। जो राजनीति अवसर देने के बजाय नागरिक को अपने संरक्षण पर निर्भर रखे, वह प्रगतिशील कैसे हो सकती है? नागरिक अपनी पसंद से नेता चुने, न कि कोई मध्यस्थ उसके यही असंतुलन दिखता है। धार्मिक स्थलों पर ऐतिहासिक आक्रमणों की स्मृति को सम्मान चाहिए, लेकिन आज के मुसलमानों पर अतीत का दोष नहीं डाला जा सकता। हिंदू आस्था का सहज सम्मान करने में संकोच भी अनुचित है। दीपावली को दूसरे धार्मिक उत्सव की भाषा में समझाना आवश्यक नहीं। हर परंपरा अपनी पहचान के साथ सम्मानित हो सकती है। अयोध्या ढांचे के विध्वंस की निंदा और न्यायिक समाधान के बाद मंदिर का स्वागत परस्पर विरोधी नहीं हैं। हिंदू आस्था और मुस्लिम अधिकारों को स्थायी टकराव में देखना समस्या है। कांग्रेस हर सांस्कृतिक प्रश्न को भाजपा के समर्थन या विरोध की नजर से देखेगी, तो समाज से संवाद खोएगी। विपक्ष सरकार से जवाब मांगे, समाज की आस्था से दूरी न बनाए।

कांग्रेस के घटते प्रभाव के समीकरण तुष्टीकरण में नहीं खोजे जा सकते, लेकिन जितना वह चुनिंदा धार्मिक संकेतों पर निर्भर होगी, उतना ही उसके व्यापक हिंदू मतदाता से दूर जाने का जोखिम बढ़ेगा। घटता समर्थन फिर उसी रास्ते पर निर्भरता बढ़ाएगा। इस दुष्चक्र मेन राष्ट्रीय विकल्प तैयार होता है, न अल्पसंख्यकों का सशक्तीकरण। यही प्रतिगामी राजनीति है, क्योंकि समर्थन बचाने की चिंता में नागरिक की प्रगति पीछे छूटती है।

कांग्रेस की कमजोरी ने ही भाजपा को वैचारिक अवसर बनाया। उसका उदय केवल प्रतिक्रिया नहीं था। नरेन्द्र मोदी ने 2014 से सांस्कृतिक आत्मविश्वास को विकास, गरीब कल्याण और आकांक्षाओं की राजनीति से जोड़ा। यूपी में 2017 से योगी आदित्यनाथ ने इसे आगे बढ़ाया। विभिन्न जातियों और वंचित समूहों को व्यापक हिंदू सामाजिक गठबंधन से जोड़ना इसकी सफलता रही है। मोदी और योगी के हिंदुत्व माडल की शक्ति सांस्कृतिक पहचान के साथ भेदभावरहित विकास के आग्रह में है। राशन, आवास, बैंक खाते और स्वास्थ्य सुरक्षा में पात्रता पंथ–मजहब नहीं, जरूरत होनी चाहिए। मोदी का 'सबका साथ, सबका विकास' और योगी का बिना भेदभाव लाभ पहुंचाने पर जोर यही समीटी प्रस्तुत करता है। मुसलमानों को राजनीतिक संरक्षक की कृपा नहीं, नागरिक के अधिकार मिलने चाहिए।

तुष्टीकरण और सशक्तीकरण में अंतर है।

द्यदुश्शर/भभद्धह्वस्र शभठ्ठह्य स्रभह्य द्व2द्भभ स्रद्धह्वह्य स्रद्ध श्चहह्वभरुह्द्ध

प्रो. मनोज कुमार झा।

शिक्षा, विशेषकर उच्च शिक्षा का बुनियादी उद्देश्य व्यक्ति में स्वतंत्र और आलोचनात्मक चिंतन विकसित करना है। अपेक्षा की जाती है कि शिक्षा व्यक्ति को जन्म से निर्धारित सामाजिक पदानुक्रमों और पूर्वाग्रहों से मुक्त करे, लेकिन विडंबना यह है कि हमारे शिक्षण संस्थान आज भी उन्हीं पदानुक्रमों को न्य रूपों में पुनरुत्पादित कर रहे हैं। विश्वविद्यालय विवेक, तर्क और संवाद के केंद्र होने चाहिए, लेकिन वहां जो कुछ घटित हो रहा है, वह कई बार पूर्वाग्रहों को और मजबूत करता दिखाई देता है। हमें यह पूछना होगा कि संवैधानिक गारंटियों, आरक्षण और शिक्षा के विस्तार के बावजूद जाति गरिमा के अनुभव को किस तरह प्रभावित करती है? शायद इस प्रश्न को समझने में साहित्य हमारी मदद कर सकता है। ओमप्रकाश वाल्मीकि की आत्मकथा श्जूठनश इसका एक मार्मिक उदाहरण है कि शिक्षा सामाजिक मुक्ति का रास्ता तो है, लेकिन उस रास्ते पर जातिगत अपमान और भेदभाव भी साथ चलते हैं। बामा की कस्कबु भी इस ६ ारणा को चुनौती देती है कि शिक्षा और सामाजिक गतिशीलता अपने आप जाति को समाप्त कर देते हैं। समानता की भाषा के नीचे भी जाति रिश्तों और संस्थागत व्यवहारों में जीवित रह सकती है। किसी एससी–एसटी विद्यार्थी के लिए विश्वविद्यालय में प्रवेश केवल एक व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं होता। उसमें उन पीढ़ियों की आकांक्षाएं शामिल होती हैं, जिन्हें ज्ञान और शिक्षा के अवसरों से वंचित रखा गया। अक्सर योग्यता को इस तरह प्रस्तुत किया जाता है, मानो उसका सामाजिक परिस्थितियों से कोई संबंध ही न हो, जबकि सच यह है कि योग्यता के विकास के लिए बेहतर स्कूल, किताबें, कोचिंग, कंप्यूटर, अनुकूल पारिवारिक वातावरण और सामाजिक संपर्कों की भूमिका होती है। जिन परिस्थितियों में योग्यता विकसित और प्रदर्शित होती है, उनकी असमानता को नजरअंदाज करके हम मेरिट का निष्पक्ष मूल्यांकन कैसे कर सकते हैं?

दया पवार की बलुतं उन सामाजिक व्यवस्थाओं को उजागर करती है, जिनके माध्यम से जाति मनुष्य की गरिमा और उसकी निर्भरता को नियंत्रित करती है। शरणकुमार लिंबाले की श्अक्करमाशीश उस पीड़ा को सामने लाती है, जिसमें व्यक्ति को यह महसूस कराया जाता है कि उसका अपना अस्तित्व ही जैसे किसी कै



ता का अधिकारी नहीं है। प्रेमचंद की श्सद्गतिश भी हमें उन सवालों से रूबरू कराती है, जिन्हें आधुनिक भारत शायद अब अतीत मानकर भूल जाना चाहता है। गिरिराज किशोर का उपन्यास श्पहिरीष्टश ऐसे ही सवालों को देश के प्रतिष्ठित तकनीकी शिक्षण संस्थानों के भीतर ले जाता है। यह दिखाता है कि आधुनिकता, वैज्ञानिक दृष्टिकोण और मेरिटोक्रेसी की शब्दावली के पीछे जातिगत पूर्वाग्रह किस तरह मौजूद रह सकते हैं।

समकालीन आंकड़े इन साहित्यिक अनुभवों को केवल अतीत या कल्पना का विषय मानकर खारिज करने की गुंजाइश नहीं छोड़ते। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा 704 विश्वविद्यालयों और 1,553 कालेजों से प्राप्त आंकड़ों के आधार पर संसदीय समिति को दी गई जानकारी के अनुसार उच्च शिक्षण संस्थानों में जातिगत भेदभाव की शिकायतें 2019–20 में 173 थीं, जो 2023–24 में बढ़कर 378 हो गईं। इन आंकड़ों की सावधानीपूर्वक व्याख्या आवश्यक है। शिकायतों में वृद्धि घटनाएं बढ़ने, जागरूकता और शिकायत दर्ज कराने की प्रवृत्ति में सुधार अथवा इन सभी कारणों का परिणाम हो सकती है, पर आंकड़ों से आगे एक सवाल यह है कि शिकायत दर्ज होने के बाद होता क्या है? हैदराबाद विश्वविद्यालय के रोहित वेमुला की 2016 में हुई आत्महत्या और हाल में आइआइटी बंबे के साहिल वाकोडे की मौत ने जाति, वंचित समुदायों के विद्यार्थियों की असुरक्षा और संस्थागत प्रतिक्रिया के संबंध पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। इन घटनाओं की निष्पक्षता के साथ जांच होने के साथ ही यह भी पूछा जाए कि क्या हमारे संस्थान अपमान, अलगाव और बहिष्कार के उन रूपों को संबोधित करने में सक्षम हैं जिनका सामना हाशिये से आने वाले विद्यार्थी करते हैं?

किसी प्रतिष्ठित विश्वविद्यालय की जिम्मेदारी इसलिए कम नहीं हो जाती कि भेदभाव स्वीकार करने से उसकी छवि प्रभावित हो सकती है। विश्वविद्यालय केवल प्रशिक्षण देने और डिग्रियां बांटने के स्थान नहीं हैं। वे नागरिकता के संस्कार विकसित करने वाली जगहें भी हैं। यहीं समानता और बंधुता या तो अनुभव की जाती है या उनसे वंचित किया जाता है। संविधान कानून के समक्ष समानता की गारंटी देता है, लेकिन संवैधानिक नैतिकता केवल संविधान के पन्नोंतक सीमित नहीं रह सकती। उसे संस्थागत व्यवहार का हिस्सा बनना होगा। किसी विश्वविद्यालय की समानता के प्रति प्रतिबद्धता केवल प्रवेश और विविधता के आंकड़ों से नहीं, बल्कि इससे मापी जानी चाहिए कि वहां विद्यार्थी बिना अपमान और भय के असहमत, संवाद और आकांक्षा कर सकते हैं या नहीं? यदि आज भी जाति यह तय करती है कि कौन अपना है और किसे अपनी स्वीकार्यता के लिए लगातार संघर्ष करना होगा, तो यह समानता के संवैधानिक वादे के साथ हमारी सामूहिक विफलता है।

दूरियां मिटाने वाला फिल्म महोत्सव

आशुतोष गोवारिकर

आज गोवा में 57वां भारत अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (इफ्फी) शुरू हो रहा है। इस वर्ष महोत्सव की मुख्य विषयवस्तु 'सीमाओं से परे कहानियां' (स्टोरीज विदाउट बार्डर्स) है। इस पर विचार कीजिए कि हजारों मील दूर किसी दूसरे देश में बनी फिल्म, जिसकी भाषा शायद आप न समझते हों, फिर भी आपको हंसा सकती है, भावुक कर सकती है या सोचने पर मजबूर कर सकती है। पर्दे पर दिखाई देने वाले देश, संस्कृति या लोगों के बारे में भले ही आप बहुत कम जानते हों, पर उनकी कहानियों में आपको कुछ ऐसा जरूर मिल सकता है, जो जाना–पहचाना लगे। सिनेमा में हमेशा से ही दूर–दराज की दुनिया को करीब लाने और अनजानी चीजों को भी अपना–सा महसूस कराने की क्षमता रही है। जब आप ऐसी भाषा में बनी फिल्म देखते हैं, जिसे आप नहीं बोलते, फिर भी उसके किरदारों, उनकी भावनाओं से जुड़ाव महसूस करते हैं, तो कुछ अद्भुत घटित होता है। अनजानी दुनिया के बीच की दूरियां धीरे–धीरे कम होने लगती हैं।

यह हमें याद दिलाता है कि भले ही हमारी भाषाएं, संस्कृतियां अलग–अलग हों, लेकिन हमें इंसान बनाने वाली भावनाएं अक्सर एक ही भाषा बोलती हैं। यही 'सीमाओं से परे कहानियां' का सार है। पहली सीमा भौगोलिक है। इस वर्ष इफ्फी में 86 देशों की 159 अंतरराष्ट्रीय फिल्में एक साथ लाई जा रही हैं। स्पेन इस वर्ष स्कंट्री आफ आनरश के रूप में रहेगा, जबकि रूस भागीदार देश के रूप में। दूसरी सीमा भाषाई और सांस्कृतिक है। भारतीय सिनेमा में उन भाषाओं और क्षेत्रों से परे भी बहुत कुछ खोजने और जानने के लिए है, जिनसे हम परिचित हैं। इस वर्ष भारतीय पैनोरमा में 18 भारतीय भाषाओं की 76 फिल्में शामिल हैं, जो देश की सिनेमाई विविधता को प्रदर्शित करती हैं। इनमें लद्दाख, गोवा और अन्य क्षेत्रों की फिल्में भी शामिल हैं। तीसरी सीमा समय की है। कोई भी फिल्म महोत्सव आसानी से समकालीन सिनेमा पर ध्यान केंद्रित कर सकता है, पर बेहतरीन फिल्मों की कोई समयसीमा नहीं होती। इस वर्ष हम महान फिल्मकार आंद्रेज वायदा की जन्म शताब्दी पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित कर रहे हैं।

भारतीय सिनेमा की ओर से हम उन आठ कलाकारों की जन्म शताब्दी भी मना रहे हैं, जिन्होंने हमारे सिनेमा को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इनमें अभिनेता प्रेम नजीर, सूर्यकांत मांढरे, राज कुमार और उत्तम कुमार, निर्देशक शक्ति सामंत, संगीतकार ओपी नैयर और रवि शामिल हैं। उनका योगदान हिंदी, बंगाली, मराठी और मलयालम सिनेमा तक फैला हुआ है। इन महान हस्तियों के सम्मान में दिखाई जाने वाली फिल्मों में साधी माणसे, तुलाभारम, वक्त, कश्मीर की कली और चौरंगी शामिल हैं। हम 21 फिल्मों के साथ ब्रिक्स देशों के सिनेमा पर भी विशेष ध्यान केंद्रित करेंगे। इसके अलावा दो नए खंड–एनिमेशन और 'फिल्मों पर फिल्में' भी शुरू किए जाएंगे।

इस वर्ष पणजी, पोरवोरिम, मडगांव और पोंडा में फैले 13 महोत्सव स्थलों पर फिल्मों की स्क्रीनिंग की जा रही है, जिससे गोवा के विभिन्न क्षेत्रों के दर्शकों के लिए यह महोत्सव और अधिक सुलभ हो गया है। आपसे एक अनुरोध है कि कम से कम एक ऐसी फिल्म जरूर देखें, जिसे आप आमतौर पर देखना पसंद नहीं करते। ऐसी भाषा की फिल्म देखें, जिसे आप नहीं समझते हों, ऐसे देश की फिल्म देखें, जहां आप कभी नहीं गए या ऐसे फिल्मकार की फिल्म देखें, जिसका नाम आपने नहीं सुना। सबटाइटल्स को अपना काम करने दें। आप महसूस करेंगे कि हमारे बीच की दूरियां उतनी अधिक नहीं हैं, जितनी कभी–कभी हम सोचते हैं। यह मेरे लिए बेहद खुशी और गर्व की बात है कि मेरी सर्वकालिक पसंदीदा फिल्म 'लगान' शानदार 25वीं वर्षगांठ मना रही है। इसे इफ्फी के विशेष स्क्रीनिंग खंड में प्रतिष्ठित स्थान मिला है। इफ्फी केवल उन फिल्मों तक सीमित नहीं है, जिन्हें हम देखते हैं।

हाशिए पर बसपा, असमंजस में दलित समाज

रवि रमेशचंद्र

'कांशी तेरी नेक कमाई, तूने सोई कौम जगाई। इस नारे ने दलित चेतना को राजनीतिक जुबान दे दी। लेकिन कभी–कभी शोर से ज्यादा, किसी की खामोशी अखरती है। यही हाल बसपा की खामोशी को लेकर दलित समाज का है। वह पार्टी, जो कांशीराम के नेतृत्व में उनकी लड़ाई लड़ी, उन्हें अस्तित्व और अस्मिता का पाठ पढ़ाया, आज खामोशी से अपना पतन देख रही है। आज बसपा समर्थक सोच रहे होंगे, 'मायावती तेरी अगुवाई लूटे बसपा पार्टी डुबाई। उत्तर प्रदेश में बसपा और दलित राजनीति को इस आलोक में देखना होगा। उत्तर प्रदेश की राजनीति में एक बार फिर से चुनावी माहौल गर्म हो गया है। एक बार फिर से जाति आधारित गोलबंदी जोर पकड़ती जा रही है। पर इस बार की तस्वीर थोड़ी अलग है। सभी दलों के पारंपरिक मतदाता नैतिक और राजनीतिक पशोपेश में हैं। भाजपा अपने सवर्ण मतदाताओं को यू.जी.सी. एक्ट और उपेक्षा से हुई नाराजगी दूर करने में लगी है। सपा ओ.बी.सी. और मुस्लिम मतदाताओं को वापस लाने के लिए प्रयासरत है। कांग्रेस अपनी खोई जमीन तलाश रही है। अखाड़े में कुछ नए खिलाड़ी भी खम ठोंक रहे हैं। ओवैसी चुनावी पर्यटक बनकर आए हैं, तो ट्रिस्ट गाइड की तरह चंद्रशेखर ने उन्हें लपक कर चुनावी गठबंधन बना लिया। एक 'नई' और 'न्यायपूर्ण' सामाजिक व्यवस्था का निर्माण बसपा की विचारधारा की आधारशिला है। एक राजनीतिक शक्ति के रूप में बसपा के गठन ने सामाजिक न्याय की अवधारणाओं को पुनर्परिभाषित करने में मदद की। बसपा का इतिहास कांशीराम से शुरू होता है। अंततरू 14 अप्रैल, 1984 को कांशीराम ने दलितों और पिछड़े को एक मजबूत राजनीतिक मंच प्रदान करने के लिए बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की स्थापना की। यह उत्तर प्रदेश और भारत की जाति–आधारित पहचान की राजनीति में एक ऐतिहासिक मोड़ था। प्रारंभ में अधिकांश वामपंथी और प्रगतिशील शक्तियों ने बसपा की यह कहकर उपेक्षा की कि इसका राजनीतिक सत्ता जीतने के अलावा कोई अन्य लक्ष्य नहीं दिखता। वास्तव में कांशीराम ने जानबूझकर कोई पारंपरिक आर्थिक कार्यक्रम अपनाने की बजाय स्पष्ट सामाजिक एजेंडा रखा। बसपा ने सभी दलितोंऔर वंचितों को 'बहुजन' श्रेणी के तहत एकजुट कर 'हमें शासक वर्ग बनना है' के आंबेडकरवादी नारे को बुलंद किया।



बसपा ने एक–सूत्री कार्यक्रम की वकालत की–'सरकार, नौकरशाही और शैक्षणिक संस्थानों में सभी समूहों के लिए आनुपातिक प्रतिनिधित्व'।

बसपा ने दलितों को 'कुचले और अपमानित जनसमूहों के समुदाय' के रूप में परिभाषित किया, जो केवल भौतिक लाभों से नहीं बल्कि 'स्वयं की' राजनीतिक सत्ता प्राप्त करके ही मुक्त हो सकते हैं। जहां गरीब दलित सामाजिक सम्मान और राजनीतिक प्रतिनिधित्व दोनों से वंचित हैं, वहीं गरीब ब्राह्मण राजनीतिक रूप से हाशिए पर महसूस कर रहे हैं। यह स्पष्ट

हो गया कि 'बहुजन' श्रेणी स्वयं आंतरिक विरोधाभासों से ग्रस्त है। विशेष रूप से, ओ.बी.सी. (अन्य पिछड़ा वर्ग) का एक बड़ा हिस्सा, जिसमेंयादव, कुर्मी और लोध शामिल हैं, समाजवादी पार्टी और भाजपा की ओर चला गया है। आज दलितों पर हिंसा और अत्याचार के मामले में ये समुदाय अग्रणी हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में भूमि–स्वामी ओ.बी.सी. जातियों और भूमिहीन दलितों के बीच आर्थिक और सामाजिक संघर्ष ने 'बहुजन एकता' की अवधारणा को कमजोर कर दिया है। ओ.बी.सी. के उभरते कृषक वर्ग ने शूद्रों के प्रभुत्व और दमन की संस्कृति को जारी रखा, क्योंकि वे भी सस्ते श्रम बल का लाभ उठाना चाहते थे। उत्तर–औपनिवेशिक भारत में दलितों को अभी भी उच्च जाति और भूमि मालिक किसान मध्यवर्ती जातियों की दया पर छोड़ दिया गया था। इस प्रकार उत्तर प्रदेश के समाज ने एक नया 'उत्पीड़कों का वर्ग' देखा। इसके अलावा, दलितों के भीतर भी उप–जातीय विभाजन (जैसे जाटवछमार बनाम गैर–जाटव जैसे पासी, वाल्मीकि, धोबी आदि) उभरने लगे, जिससे दलित राजनीति में बिखराव आया है। उत्तर प्रदेश में पहचान की राजनीति के इस विकासवादी चरण के दौरान, बसपा में दीर्घकालिक दलित राजनीति के लिए रोडमैप तैयार करने में राजनीतिक परिपक्वता का अभाव है। नेतृत्व शैली के संदर्भ में कांशीराम के बाद मायावती पार्टी की एकमात्र और निष्ठवाद सर्वोच्च नेता के रूप में उभरी हैं। पार्टी के भीतर कोई भी निर्णय, चाहे वह टिकट वितरण हो, गठबंधन बनाना हो या मंत्रियों की नियुक्ति हो, अंतिम रूप से मायावती द्वारा ही लिया जाता है। आलोचक अक्सर उनकी इस कार्यशैली को 'तानाशाही' या 'व्यक्ति–पूजा' कहकर आलोचना करते हैं, क्योंकि पार्टी में दूसरी पंक्ति का कोई स्वतंत्र नेतृत्व विकसित नहीं होने दिया गया। तथापि, दलित समुदाय के दृष्टिकोण से मायावती का यह केंद्रीकृत और कठोर नेतृत्व उनके गौरव और सुरक्षा का प्रतीक है। लेकिन एक दशक से उनकी खामोशी ने दलित वोटरों को असमंजस में डाल दिया है। दलित प्रतीकात्मक और ठोस दोनों कारणों से अपनी जाति को वोट देते हैं। निश्चित रूप से, दलित मतदाता बसपा की और इसलिए आकर्षित होते हैं। लेकिन वर्तमान चुनावी परिस्थिति में मायावती कोई भौतिक लाभ देने में विफल हैं, तो वे उनका समर्थन बरकरार बनाए रखने में विफल हो सकती हैं। इसका सीधा लाभ चंद्रशेखर को मिल सकता है।

द्वनभद्ध ठ्ठिह्य%भ द्वह्यड ष्ठ्व4हभ श्चहह्वभशद्ध द्वद्धद्वठ्ठद्धक%;

डॉ. एके वर्मा

अगले वर्ष के आरंभ में उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, गोवा और मणिपुर में विधानसभा चुनाव होंगे। यूपी चुनाव सर्वाधिक महत्वपूर्ण है, क्योंकि मान्यता है कि दिल्ली का रास्ता यूपी से होकर जाता है। संभवतः इसीलिए प्रधानमंत्री मोदी को भी 2014 में गुजरात से यूपी आना पड़ा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पहले ही दोबारा सत्ता में आकर इतिहास रच चुके हैं और जिस तरह उन्होंने कानून–व्यवस्था में सुधार और चहुंमुखी विकास किया है, उसने उन्हें एक 'ब्रांड' के रूप में स्थापित कर दिया है। 2029 में लोकसभा चुनाव भी हैं। अतः 2027 का विधानसभा चुनाव भाजपा के लिए बहुत संवेदनशील है, क्योंकि पिछले लोकसभा चुनावों में यूपी में न केवल भाजपा की लोकसभा सीटें 62 से घटकर 33 रह गईं, वरन वाराणसी में मोदी की जीत का अंतर भी 2019 के मुकाबले काफी कम रहा, जबकि मोदी ने वाराणसी में विकास के बहुत काम कराए। तो क्या बेहतर शासन, कानून–व्यवस्था, लोक कल्याण और विकास से सत्ताधारी दल को वोट नहीं मिलते? उत्तर प्रदेश में हाल में कुछ ऐसी महत्वपूर्ण घटनाएं घटीं हैं, जो आगामी विधानसभा चुनावों को प्रभावित कर सकती हैं। पहली, मुख्यमंत्री योगी के अनुसार मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआइआर में प्रदेश में 1.27 करोड़ से अधिक हिंदू मतदाताओं के नाम कटे हैं, जबकि मुस्लिम मतदाताओं के नाम 1.65 प्रतिशत बढ़े हैं। यूपी के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने भी स्वीकारा कि प्रदेश में पंचायत चुनाव मतदाता–सूची के मुकाबले विधानसभा मतदाता–सूची में ग्रामीण क्षेत्र के मतदाताओं की संख्या 2.38 करोड़ कम है, जिसकी जांच होगी और दोनों सूचियों का मिलान कर सभी वैध नागरिकों, राशन कार्ड धारकों, 18 वर्ष से अधिक आयु के नागरिकों और एसआइआर के दौरान कटे नामों को सत्यापन के बाद जुड़वाया जाएगा। यह अभियान नवंबर में शुरू हो चुका है।

विशेष अभियान दिवस पर डीएम ने विभिन्न मतदान केंद्रों का किया निरीक्षण, मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्यों का लिया जायजा

युवा मतदाता के नाम प्राथमिकता से जोड़ने और मतदाता सूची की त्रुटियों को समयबद्ध दूर करने के दिए निर्देश

लोक हस्तक्षेप संवाददाता

देवरिया। जिलाधिकारी मधुसूदन हुल्गी ने विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण अभियान के अंतर्गत विशेष अभियान दिवस पर जनपद के विभिन्न मतदान केंद्रों का निरीक्षण कर मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्यों की स्थिति परखी। उन्होंने विधानसभा देवरिया सदर के महाराजा अग्रसेन इंटर कॉलेज स्थित बूथ संख्या 246 से 252 तक, विधानसभा रामपुर कारखाना के प्राथमिक विद्यालय सिरसिया स्थित बूथ संख्या 77, 78, 79 एवं 80 तथा उच्च प्राथमिक विद्यालय गौरा, पथरदेवा स्थित बूथ संख्या 136, 137 एवं 138 का निरीक्षण किया।



इस दौरान उन्होंने बूथों पर उपस्थित बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) से पुनरीक्षण कार्यों की जानकारी ली तथा फॉर्म–6, 7 एवं 8, बीएलओ ऐप, ईपीआईसी एवं जेंडर रेशियो सहित मतदाता सूची से संबंधित विभिन्न बिंदुओं का सत्यापन किया।

जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि मतदाता सूची में नाम शामिल कराने से छूटे पात्र नागरिकों तथा पहली बार मतदाता बनने वाले युवाओं के आवेदन प्राथमिकता के आधार पर प्राप्त किए जाएं। नाम, पता, आयु, लिंग एवं फोटो में संशोधन तथा स्थान परिवर्तन से संबंधित आवेदनों को भी निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार प्राप्त कर उनका समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि कोई भी पात्र नागरिक मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने से वंचित न रहे। इसके लिए सभी बीएलओ निर्धारित समय तक अपने–अपने बूथों पर अनिवार्य रूप से उपस्थित रहकर नागरिकों को आवश्यक जानकारी एवं सहयोग उपलब्ध कराएं। मतदाता सूची को त्रुटिरहित एवं अद्यतन बनाने में किसी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए। जिलाधिकारी ने जनपदवासियों से अपील की कि ऐसे सभी युवा, जिनकी आयु 1 जनवरी 2027 को 18 वर्ष पूर्ण हो रही है, वे अपना नाम मतदाता सूची में अवश्य दर्ज कराएं। इसके लिए प्रारूप–6 भरकर संबंधित बीएलओ को उपलब्ध कराएं। मतदाता सूची से नाम हटवाने के लिए प्रारूप–7 तथा नाम, आयु, लिंग, फोटो एवं पते में संशोधन अथवा स्थान परिवर्तन के लिए प्रारूप–8 के माध्यम से आवेदन किया जा सकता है। सभी निर्धारित प्रारूप बीएलओ के पास उपलब्ध हैं। इसके अतिरिक्त भारत निर्वाचन आयोग की वेबसाइट https://voters-eci-gov-in/ अथवा प्ले स्टोर से ECINET मोबाइल ऐप डाउनलोड कर ऑन आवेदन भी किया जा सकता है। निरीक्षण के दौरान संबंधित अधिकारी–कर्मचारी उपस्थित रहे।

जूनियर हाई स्कूल शिक्षक संघ की जिला इकाई भंग, नई कार्यकारिणी का गठन

शिक्षक संगठन को मिली नई दिशा, राकेश कुमार जिलाध्यक्ष एवं बिपिन दुबे जिला महामंत्री मनोनीत

लोक हस्तक्षेप संवाददाता

देवरिया। उत्तर प्रदेशीय जूनियर हाई स्कूल (पूर्व माध्यमिक) शिक्षक संघ के प्रदेश अध्यक्ष योगेश त्यागी एवं प्रदेश महामंत्री नरेश कौशिक ने जिला इकाई देवरिया की निष्क्रियता तथा शिक्षकों की समस्याओं के समय से निस्तारण न होने के कारण जिला इकाई को तत्काल प्रभाव से भंग कर नई कार्यकारिणी का गठन किया है।



प्रदेश नेतृत्व ने राकेश कुमार को संयोजकधर्जिलाध्यक्ष तथा बिपिन दुबे को सहसंयोजकधर्जिला मंत्री नामित करते हुए अधिकृत किया है कि समिति रिक्त विकास खंडों में शीघ्र निर्वाचन संपन्न कराते हुए जनपद का विधिवत एवं वैधानिक निर्वाचन कराने की जिम्मेदारी पूर्ण करे।

संगठन को नई ऊर्जा प्रदान करने और शिक्षक हितों को मजबूती से आगे बढ़ाने के उद्देश्य से नए पदाधिकारियों का मनोनयन किया गया है। नवनियुक्त पदाधिकारियों के मनोनयन पर शिक्षक साथियों ने हर्ष व्यक्त करते हुए उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। शिक्षकों ने उम्मीद जताई कि दोनों पदाधिकारियों के नेतृत्व में संगठन नई ऊंचाइयों को प्राप्त करेगा तथा शिक्षकों की समस्याओं के समाधान, अधिकारों की रक्षा और संगठन की मजबूती के लिए प्रभावी पहल करेगा।

नए नेतृत्व से शिक्षकों में नई उम्मीद जगी है। संगठन की एकजुटता और शिक्षक हितों के प्रति समर्पण के साथ जनपद में संगठनात्मक गतिविधियों को नई गति मिलने की अपेक्षा की जा रही है।

नेताजी की जयंती पर इटावा में श्रद्धांजलि सभाएं, जसवंतनगर में 151 जरूरतमंदों को बांटे कंबल

लोक हस्तक्षेप संवाददाता

इटावा। समाजवादी पार्टी के संस्थापक एवं पूर्व मुख्यमंत्री स्वर्गीय मुलायम सिंह यादव की 87वीं जयंती रविवार को जनपद भर में श्रद्धा और सेवा भाव के साथ मनाई गई। इस अवसर पर जसवंतनगर, सैफई और जिला मुख्यालय पर विचार गोष्ठियों का आयोजन कर उन्हें नमन किया गया, वहीं जरूरतमंदों को कंबल वितरित किए गए। जसवंतनगर स्थित समाजवादी पार्टी के नगर कार्यालय पर आयोजित मुख्य कार्यक्रम में कार्यकर्ताओं ने नेताजी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे सपा नगर अध्यक्ष राहुल गुप्ता ने कहा कि मुलायम सिंह यादव ने आजीवन दलितों, पिछड़ों, गरीबों और किसानों के अधिकारों के लिए संघर्ष किया और उनकी नीतियां आज भी कार्यकर्ताओं के लिए प्रेरणास्रोत हैं। इस दौरान ठंड को देखते हुए 151 जरूरतमंद लोगों को कंबल वितरित किए गए तथा पार्टी के पांच वरिष्ठ कार्यकर्ताओं को सम्मानित किया गया।



समारोह में पूर्व ब्लॉक प्रमुख अनुज मोंटी, सांसद प्रतिनिधि हाजी मोहम्मद शमीम, अजेंद्र गौर, सुभाष गुप्ता, सुनील यादव, सत्यवती यादव और गोपाल गुप्ता सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे, जिन्होंने आगामी विधानसभा चुनाव 2027 में सपा सरकार बनाने का संकल्प लिया।

उधर, इटावा के सिविल लाइन स्थित सपा जिला कार्यालय पर जिलाध्यक्ष प्रदीप शाक्य श्बबलूश के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने केक काटकर नेताजी की जयंती मनाई। विचार गोष्ठी में वक्ताओं ने उनके संघर्षपूर्ण राजनीतिक जीवन और समाजवादी आंदोलन में दिए गए ऐतिहासिक योगदान को याद किया। इसके अलावा पैतृक गांव सैफई स्थित समाधि स्थल पर भी सुबह से ही क्षेत्रीय लोगों और पार्टी नेताओं ने पहुँचकर पुष्प अर्पित किए।

आस्था के संगम को बलिया तैयार : घाटों पर कड़ी सुरक्षा

- शहर में आज से लागू होगा रूट डायवर्जन

लोक हस्तक्षेप संवाददाता

बलिया। कार्तिक पूर्णिमा के पावन स्नान पर्व और मंगलवार, 24 नवंबर से शुरू हो रहे ऐतिहासिक ददरी मेले को सकुशल संपन्न कराने के लिए जिला एवं पुलिस प्रशासन ने सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं। रविवार शाम जिलाधिकारी ज्ञानेंद्र सिंह और पुलिस अधीक्षक डॉ. ईरज राजा ने गंगा के स्नान घाटों व मेला परिसर का स्थलीय निरीक्षण कर सुरक्षा और यातायात व्यवस्थाओं को अंतिम रूप दिया।

प्रशासन के अनुसार स्नान पर्व पर करीब आठ से दस लाख श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना है। इसके मद्देनजर श्रीरामपुर घाट, शिवपुर घाट और महावीर घाट पर नदी में बैरिकेडिंग, रस्सियां, नावें और



गोताखोर तैनात किए गए हैं, जबकि खतरनाक घाटों पर स्नान पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा। घाटों पर प्रकाश, साफ–सफाई और महिलाओं के लिए अस्थायी चेंजिंग रूम बनाए गए हैं। मुख्य स्नान के दिन श्रद्धालुओं पर पुष्प वर्षा भी की जाएगी। स्नान के बाद महर्षि भृगु मुनि, दर्दर मुनि और बाबा बालेश्वरनाथ मंदिर में उमड़ने वाली भीड़ को नियंत्रित करने के लिए जोनल व सेक्टर मजिस्ट्रेटों के साथ अतिरिक्त पुलिस बल लगाया गया है।

उधर, 24 नवंबर से 20 दिसंबर तक चलने वाले ददरी मेले (मीना बाजार) में दूर–दराज से आए व्यापारियों की करीब 700 दुकानें सज रही हैं। मेले में इस बार बदायूं का विशाल झूला, सर्कस और नौटंकी आकर्षण का केंद्र रहेंगे। यातायात को सुचारु रखने के लिए 23 नवंबर सुबह आठ बजे से 24 नवंबर रात 12 बजे तक शहर में भारी वाहनों के प्रवेश पर रोक और रूट डायवर्जन लागू रहेगा, जबकि बाहर से आने वाले वाहनों के लिए माल्देपुर मोड़, कदम चौराहा, तिखमपुर और बहादुरपुर में अस्थायी पार्किंग बनाई गई है।

मुलायम सिंह की जयंती पर दी गयी श्रद्धांजलि

प्रतापगढ़,संवाददाता। जिले में रविवार को समाजवादी पार्टी कार्यालय मीरामवन में पार्टी संस्थापक और पूर्व मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव की जयंती मनाई गई। नेताओं और कार्यकर्ताओं ने उनके चित्र पर फूल चढ़ाकर श्रद्धांजलि दी। इस दौरान 2027 में पीडीए सरकार बनाने का संकल्प लिया गया। मुलायम सिंह यादव देश के पूर्व रक्षामंत्री और उत्तर प्रदेश के तीन बार मुख्यमंत्री रहे। उन्हें पद्मविभूषण से सम्मानित किया गया था। कार्यक्रम में उनके जीवन, समाजवादी विचारधारा और जनसेवा को याद किया गया। वक्ताओं ने कहा कि मुलायम सिंह यादव सामाजिक न्याय, समानता और धर्मनिरपेक्षता के पैरोकार थे। उन्होंने किसानों, मजदूरों, पिछड़ों, दलितों, अल्पसंख्यकों, नौजवानों और शोषित–वंचित वर्गों के अधिकारों के लिए काम किया। वक्ताओं ने कहा कि उन्होंने समाजवादी विचारधारा को गांव–गांव तक पहुंचाया। मुख्यमंत्री और रक्षामंत्री के रूप में उनकी कार्यशैली और जनसेवा की चर्चा की गई। उनके जीवन को संघर्ष, सादगी और सामाजिक समरसता से जुड़ा बताया गया। आगामी 2027 के विधानसभा चुनाव को लेकर भी चर्चा हुई। नेताओं ने कहा कि राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के नेतृत्व और च्व। की एकजुटता से प्रदेश में सामाजिक न्याय और विकास के लिए काम किया जाएगा। संविधान, लोकतंत्र और भाईचारे की रक्षा के लिए शोषित, वंचित, पिछड़े, दलित, अल्पसंख्यक, किसान और नौजवानों को एकजुट करने का संकल्प लिया गया। कार्यक्रम में पट्टी विधायक रामसिंह पटेल, पूर्व विधायक राजकुमार पाल, अनिल यादव, जिला महासचिव अब्दुल कादिर जिलानी, संजय पांडेय, पिछड़ा वर्ग अध्यक्ष मनीष पाल और वकार अहमद साहिल सहित अन्य नेता और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

हत्या के मामले में पत्नी गिरफ्तार नाबालिग पुत्री पुलिस अभिरक्षा में

प्रतापगढ़,संवाददाता। जिले के अंतू थाना क्षेत्र के कल्याणपुर मौरहा गांव में पुलिस ने हत्या के मामले में नामजद महिला को गिरफ्तार किया। उसकी नाबालिग पुत्री को पुलिस अभिरक्षा में लिया गया है। पुलिस के मुताबिक, यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक दीपक भूकर के निर्देश पर वांछित आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत हुई। अंतू थाने में मुकदमा संख्या 296/2026 धारा 103(1) बीएनएस के तहत दर्ज है। मामले की जांच के दौरान शिकायतकर्ता ने अपनी पत्नी संगीता वर्मा और नाबालिग पुत्री के घटना में शामिल होने की जानकारी दी थी। उसने दोनों के घर में मौजूद होने की सूचना भी दी। इसके बाद जांच अधिकारी वरिष्ठ उपनिरीक्षक अंकुर कैथवास पुलिस टीम के साथ कल्याणपुर मौरहा पहुंचे। शिकायतकर्ता की निशानदेही पर घर के कमरे से संगीता वर्मा पत्नी दिनेश कुमार वर्मा को गिरफ्तार किया गया। कार्रवाई करने वाली टीम में वरिष्ठ उपनिरीक्षक अंकुर कैथवास, कांस्टेबल राजेश कुमार, हर्ष पाण्डेय, महिला कांस्टेबल प्रीति यादव, सर्वेश धनगर और चालक कांस्टेबल अंकित कुमार शामिल थे।

118 साल पुरानी परंपरा के साथ इटावा महोत्सव का भव्य शुभारंभ, एक माह तक बिखरेगी रौनक

लोक हस्तक्षेप संवाददाता

इटावा। जनपद की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक विरासत के प्रतीक श्टावा महोत्सव एवं प्रदर्शनी–2026 का रविवार को रंगारंग आगाज हो गया। जिलाधिकारी एवं प्रदर्शनी समिति के अध्यक्ष शुभ्रान्त कुमार शुक्ल ने प्रदर्शनी परिसर में वेदी पूजन, दीप प्रज्वलन और फीता काटकर महोत्सव का विधिवत शुभारंभ किया।

एक माह तक चलने वाले इस महोत्सव में इस बार 1,050 से अधिक दुकानें सजाई जा रही हैं। उद्घाटन अवसर पर शहनाई वादन, स्कूली बच्चों की सांस्कृतिक प्रस्तुतियों और शाम को डिजिटल आतिशबाजी



ने दर्शकों का मन मोह लिया। महोत्सव के दौरान इसरो (प्ैत्) की विज्ञान प्रदर्शनी, मानस सम्मेलन, कवि सम्मेलन, मुशायरा और बॉलीवुड मेगा नाइट मुख्य आकर्षण रहेंगे।

जिलाधिकारी ने कहा कि यह महोत्सव स्थानीय व्यापार, कला और संस्कृति को बढ़ावा देने का सशक्त माध्यम है। उद्घाटन समारोह में एडीएम (न्यायिक) मनोज प्रकाश, एसडीएम एवं जनरल सेक्रेटरी मनोज कुमार पाठक सहित कई प्रशासनिक अधिकारी और गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

युवक को बाइक पर ले जाकर बेरहमी से पीटा, खेत में फेंका

संवाददाता, सहजनवां, गोरखपुर। स्थानीय थाना क्षेत्र के ग्राम बरईपार निवासी राधेश्याम ने थानाध्यक्ष को तहरीर देकर अपने पुत्र के साथ हुई मारपीट की घटना की जांच कर कानूनी कार्यवाही की मांग किया है।

बता दें तहरीर के अनुसार, राधेश्याम का 30 वर्षीय पुत्र संजीव दैनिक मजदूरी करता है। 15.11.2026 को दोपहर करीब 12 बजे गांव के ही अनुज चौरसिया पुत्र भगवत चौरसिया उसे बाइक पर बैठाकर अपने साथ ले गया।शाम को जब संजीव घर वापस नहीं आया तो परिजन उसे खोजने लगे। शाम करीब 7 बजकर 30 बजे वह गांव के बाहर खेत में बेहोश हालत में गंभीर रूप से घायल मिला। उसके दाएं हाथ की हड्डी, बाएं पैर की हड्डी व बाएं सीने की हड्डी टूट गई थी और शरीर पर गंभीर चोटें आई थीं। परिजनों ने उसे मेडिकल कॉलेज गोरखपुर में भर्ती कराया, जहां इलाज चल रहा है। तहरीर देते समय तक उसे होश नहीं आया था।

राधेश्याम का आरोप है कि अनुज चौरसिया ने उसके पुत्र को कहीं ले जाकर बुरी तरह मारा–पीटा और बेहोशी की हालत में खेत में फेंक दिया। घटना की सूचना 112 नंबर पर दी गई थी, जिस पर पुलिस कर्मी मौके पर पहुंचे थे। पीड़ित पिता ने मामले की उचित जांच कर आवश्यक कानूनी कार्यवाही करने की मांग किया है।

लाखों रुपये खर्च कर डिवाइडर पर लगाई गई स्ट्रीट लाइटें नहीं आ रहीं काम

संवाददाता, महराजगंज। गोरखपुर–सोनौली नेशनल हाईवे पर लाखों रुपये खर्च कर डिवाइडर के बीच जगह–जगह स्ट्रीट लाइटें लगाई गई हैं। इनका उद्देश्य रात में हाईवे से गुजरने वाले लोगों को सुगम यातायात की सुविधा देना और दुर्घटना अथवा वाहन खराब होने की स्थिति में पर्याप्त रोशनी उपलब्ध कराना है। इसके बावजूद फरेंदा–कोल्हुई राजमार्ग का करीब 30 किलोमीटर हिस्सा रात होते ही अंधेरे में डूब जा रहा है। हाईवे के डिवाइडर पर लगी अधिकांश स्ट्रीट लाइटें नियमित रूप से नहीं जल रही हैं। शाम होते ही सड़क पर अंधेरा छाने लगता है। ऐसे में तेज रफ्तार वाहनों के बीच राहगीरों और दोपहिया वाहन चालकों को आवागमन में परेशानी होती है। वहीं, रात में किसी वाहन के खराब होने या दुर्घटना होने पर अंधेरे के कारण स्थिति और गंभीर हो सकती है। स्थानीय लोगों का कहना है कि हाईवे पर पर्याप्त रोशनी रहने से दुर्घटनाओं की आशंका कम होने के साथ ही रात में आवागमन करने वालों को भी सहूलियत मिलती है। हाईवे के कुछ अन्य हिस्सों में शाम से सुबह तक स्ट्रीट लाइटें नियमित रूप से जलती हैं लेकिन फरेंदा–कोल्हुई मार्ग पर व्यवस्था बदहाल है। लाखों रुपये खर्च होने के बाद भी लाइटों का लाभ लोगों को नहीं मिल पा रहा है। लोगों ने संबंधित विभाग से लाइटों की जांच कराकर नियमित रूप से जलाने की व्यवस्था सुनिश्चित कराने की मांग किया है।

श्रीअन्न (मिलेट्स) की खेती की ओर लौटें किसान, पोषण और बेहतर स्वास्थ्य के साथ बढ़ाएं आय : सुरेन्द्र कुशवाहा

- मिलेट्स की खेती प्राकृतिक कृषि, दलहनी फसलों एवं उन्नत गन्ना उत्पादन की तकनीकों से किसानों को किया गया जागरूक।।
- तमकुहीराज में तीन दिवसीय राज्य स्तरीय मिलेट्स कार्यशाला, मेला एवं प्रदर्शनी के दूसरे दिन विशेषज्ञों ने दी महत्वपूर्ण जानकारियां।

संवाददाता, कुशीनगर। रामलीला मैदान, तमकुहीराज में उत्तर प्रदेश मिलेट्स पुनरोद्धार कार्यक्रम के अंतर्गत आयोजित तीन दिवसीय राज्य स्तरीय मिलेट्स कार्यशाला, मेला एवं प्रदर्शनी के दूसरे दिन आज विभिन्न कृषि विशेषज्ञों एवं वक्ताओं ने किसानों को श्रीअन्न (मिलेट्स) की खेती, प्राकृतिक कृषि, फसल सुरक्षा, दलहनी फसलों तथा उन्नत गन्ना उत्पादन की तकनीकों की विस्तृत जानकारी दिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि फाजिलनगर के विधायक सुरेन्द्र कुशवाहा ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। कार्यक्रम का संचालन विषय वस्तु विशेषज्ञ जमालुद्दीन अंसारी ने किया। प्रारंभ में उप कृषि निदेशक अतीन्द्र सिंह ने मुख्य अतिथि, जनप्रतिनिधियों, कृषि वैज्ञानिकों, अधिकारियों तथा उपस्थित किसान भाई–बहनों का कृषि विभाग की ओर से स्वागत एवं अभिनंदन किया।

इस दौरान मुख्य अतिथि विधायक सुरेन्द्र कुशवाहा ने किसानों को संबोधित करते हुए कहा कि केंद्र एवं प्रदेश सरकार किसानों की आय बढ़ाने तथा कृषि क्षेत्र को समृद्ध बनाने के लिए विभिन्न कल्याणकारी योजनाएं संचालित कर रही है। किसानों को इन योजनाओं का लाभ उठाना चाहिए। उन्होंने श्रीअन्न (मिलेट्स) के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि मोटे अनाज पोषक तत्वों से भरपूर होते हैं। इनमें फाइबर, कैल्शियम एवं अन्य खनिज तत्व पर्याप्त मात्रा में पाए जाते हैं, जो शरीर को स्वस्थ रखने, हड्डियों को मजबूत बनाने तथा पाचन तंत्र को बेहतर बनाए रखने में सहायक हैं। उन्होंने किसानों से अपील किया कि वे पारंपरिक अनाज के साथ–साथ अपने खेतों में मोटे अनाज की खेती को भी पर्याप्त स्थान दें, ताकि खेती में विविधता आने के साथ ही पोषण सुरक्षा को भी बढ़ावा मिल सके।

उप कृषि निदेशक अतीन्द्र सिंह ने कृषि विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की जानकारी देते हुए किसानों से पराली न जलाने की अपील की। उन्होंने कहा कि पराली जलाने से पर्यावरण प्रदूषित होने के साथ ही मिट्टी के उपयोगी तत्व एवं सूक्ष्म जीव नष्ट होते हैं, जिससे भूमि की उर्वरा शक्ति प्रभावित होती है और फसल उत्पादन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। उन्होंने किसानों को अपनी फसलों का बीमा कराने के लिए भी प्रेरित किया, ताकि दैवीय अथवा प्राकृतिक आपदा से फसलों को होने वाली क्षति की स्थिति में नियमानुसार क्षतिपूर्ति प्राप्त हो सके।

कृषि विज्ञान केंद्र, सरगटिया सेवरही की वैज्ञानिक ऋद्धि वर्मा ने मिलेट्स की खेती एवं उसके पोषण संबंधी महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि श्रीअन्न की विभिन्न फसलें पोषक तत्वों, फाइबर, कैल्शियम एवं खनिज पदार्थों से भरपूर होती हैं। इनके उत्पादन एवं दैनिक आहार में उपयोग को बढ़ावा देकर पोषण सुरक्षा को मजबूत किया जा सकता है।

वरिष्ठ प्राविधिक सहायक लक्की तिवारी ने रबी सीजन की फसलों में लगने वाले कीट एवं रोगों से बचाव के उपाय बताए। उन्होंने बीज शोधन, भूमि शोधन तथा फसलों को रोगमुक्त रखने के लिए जैविक एवं रासायनिक दवाओं के संतुलित और उचित प्रयोग की तकनीकी जानकारी दिया।

खण्ड तकनीकी प्रबंधक बांकेलाल भूषण ने प्राकृतिक खेती के महत्व पर चर्चा करते हुए कहा कि रासायनिक उर्वरकों एवं कीटनाशकों के अत्यधिक प्रयोग से मिट्टी की गुणवत्ता और पर्यावरण प्रभावित होता है। प्राकृतिक खेती अपनाकर भूमि की उर्वरा शक्ति को बनाए रखने के साथ ही पर्यावरण संरक्षण एवं मानव स्वास्थ्य की दिशा में सकारात्मक प्रयास किया जा सकता है। उन्होंने किसानों से प्राकृतिक खेती की ओर आगे बढ़ने का आह्वान किया।

सहायक विकास अधिकारी (कृषि रक्षा) डॉ. वेंकट रमण पाण्डेय ने दलहनी फसलों की खेती के महत्व तथा उनमें लगने वाले कीट एवं रोगों के नियंत्रण के उपायों की जानकारी दी। उप मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डॉ. विजय कुमार यादव ने किसानों को खेती के साथ पशुपालन अपनाने के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि पशुपालन कृषि व्यवस्था का महत्वपूर्ण अंग है। इससे किसानों को अतिरिक्त आय प्राप्त होने के साथ ही कृषि कार्यों को भी मजबूती मिलती है।

बाबू गेंदा सिंह गन्ना प्रजनन एवं अनुसंधान संस्थान, सेवरही के संयुक्त निदेशक डॉ. सुभाष सिंह ने गन्ने की उन्नत खेती की तकनीकी जानकारी देते हुए किसानों को बेहतर उत्पादन प्राप्त करने के तरीके बताए। उन्होंने वैज्ञानिक पद्धतियों को अपनाकर गन्ने की उत्पादकता बढ़ाने पर जोर दिया।

कार्यक्रम में भाजपा जिला कार्यकारिणी सदस्य डॉ. संध्या मिश्रा, किसान मोर्चा के अध्यक्ष केशव पाण्डेय, भाजपा नेता मनोज राय, प्रगतिशील कृषक पारसनाथ, भाजपा मंडल उपाध्यक्ष संजय गुप्ता, संयुक्त निदेशक डॉ. सुभाष सिंह, कृषि विज्ञान केंद्र की वैज्ञानिक ऋद्धि वर्मा, जिला कृषि अधिकारी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी, कृषि विशेषज्ञ, जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में किसान उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में उप कृषि निदेशक अतीन्द्र सिंह ने सभी जनप्रतिनिधियों, वैज्ञानिकों, अधिकारियों एवं किसान भाई–बहनों के प्रति आभार व्यक्त किया। साथ ही अगले दिन आयोजित होने वाले कार्यक्रम में भी अधिकाधिक संख्या में सहभागिता करने का अनुरोध करते हुए दूसरे दिन के कार्यक्रम के समापन की घोषणा की।

स्मृति ईरानी को मिला दादासाहेब फाल्के इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल अवॉर्ड



भाजपा की वरिष्ठ नेता एवं हरियाणा भाजपा की प्रभारी स्मृति ईरानी को अभिनय के क्षेत्र में एक बार फिर प्रतिष्ठित सम्मान मिला है। उन्हें 20 नवंबर 2026 को मुंबई में आयोजित दादासाहेब फाल्के इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल अवॉर्ड्स–2026 में टेलीविजन सीरीज की सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री के पुरस्कार से सम्मानित किया गया। उन्हें यह सम्मान लोकप्रिय धारावाहिक 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी–2' में उनके प्रभावशाली अभिनय के लिए प्रदान किया गया। दादासाहेब फाल्के इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल की ओर से जारी घोषणा में स्मृति ईरानी के अभिनय, उनकी प्रभावशाली स्क्रीन उपस्थिति और भावपूर्ण किरदार निभाने की क्षमता की सराहना की गई। आयोजकों ने कहा कि भारतीय टेलीविजन की कहानियों और मनोरंजन जगत पर स्मृति ईरानी का लंबे समय से प्रभाव रहा है। उनके इसी योगदान और धारावाहिक में शानदार प्रदर्शन को देखते हुए उन्हें इस सम्मान के लिए चुना गया। यह पुरस्कार स्मृति ईरानी के लिए इसलिए भी खास है, क्योंकि उन्होंने अभिनय की दुनिया में अपनी पहचान बनाने के बाद राजनीति में प्रवेश किया और वहां भी राष्ट्रीय स्तर पर अपनी अलग पहचान स्थापित की। लंबे समय बाद एक बार फिर छोटे पर्दे पर अपने चर्चित किरदार के साथ वापसी करना और उसके लिए सम्मान हासिल करना उनके अभिनय सफर का महत्वपूर्ण पड़ाव माना जा रहा है। स्मृति ईरानी ने अपने अभिनय करियर में कई धारावाहिकों में काम किया, लेकिन एकता कपूर के लोकप्रिय धारावाहिक 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी' में तुलसी विरानी का किरदार उनकी सबसे बड़ी पहचान बना। इस धारावाहिक ने उन्हें देशभर के दर्शकों के बीच लोकप्रिय बनाया। तुलसी के रूप में उन्होंने एक ऐसी पारिवारिक महिला का किरदार निभाया, जो परिवार के रिश्तों, संस्कारों, जिम्मेदारियों और बदलते सामाजिक परिवेश के बीच संतुलन बनाती दिखाई देती थी। इस किरदार के माध्यम से स्मृति ईरानी ने भारतीय टेलीविजन पर अपनी अलग छाप छोड़ी। धारावाहिक की लोकप्रियता इतनी अधिक रही कि तुलसी विरानी का नाम लंबे समय तक दर्शकों की जुबान पर रहा। अब इसके दूसरे सीजन में उनकी वापसी ने पुराने दर्शकों के साथ नई पीढ़ी का भी ध्यान आकर्षित किया है।

'क्योंकि सास भी कभी बहू थी–2' में स्मृति ईरानी के साथ अमर उपाध्याय भी मिहिर विरानी के किरदार में नजर आ रहे हैं। धारावाहिक में पुराने पारिवारिक परिवेश को नए दौर की परिस्थितियों और रिश्तों के साथ जोड़ने का प्रयास किया गया है। इसमें परिवार की विरासत, नई पीढ़ी की सोच, माता–पिता की जिम्मेदारियों और बदलते सामाजिक मूल्यों जैसे विषयों को प्रमुखता दी गई है। स्मृति ईरानी की वापसी ने धारावाहिक को उसके पुराने दर्शकों से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। स्मृति ईरानी का सार्वजनिक जीवन केवल मनोरंजन जगत तक सीमित नहीं रहा। टेलीविजन में लोकप्रियता हासिल करने के बाद उन्होंने राजनीति में कदम रखा और भारतीय जनता पार्टी के साथ अपनी राजनीतिक यात्रा आगे बढ़ाई। पार्टी संगठन में विभिन्न जिम्मेदारियां निभाने के बाद वह राष्ट्रीय राजनीति का प्रमुख चेहरा बनीं। उन्होंने केंद्र सरकार में मंत्री के रूप में भी महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां निभाईं। वह मानव संसाधन विकास, कपड़ा तथा महिला एवं बाल विकास जैसे मंत्रालयों का दायित्व संभाल चुकी हैं। वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव में उन्होंने उत्तर प्रदेश की अमेठी सीट से तत्कालीन कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी को पराजित किया था।

सलमान को हॉलीवुड फिल्मों से मुकाबले में नहीं कोई डर

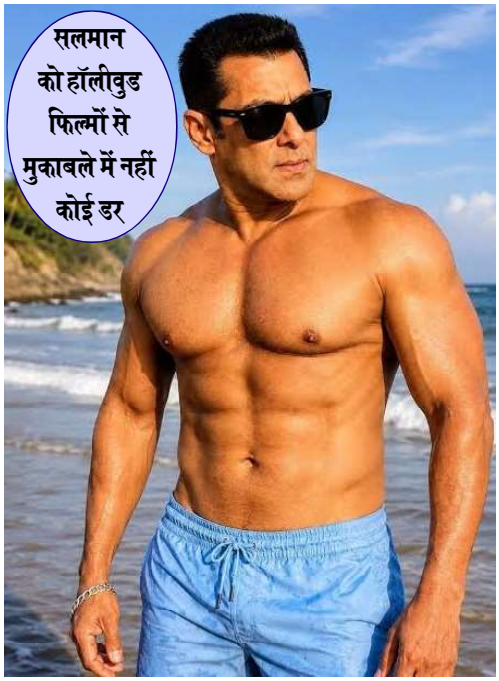

बॉलीवुड में फिल्मों की रिलीज डेट को लेकर अक्सर बड़े सितारों के बीच टकराव देखने को मिलता है। कई बार बॉक्स ऑफिस पर एक ही दिन दो बड़ी फिल्मों के आने से उनके कलेक्शन पर भी असर पड़ता है। इस बीच सलमान खान ने फिल्मों की रिलीज को लेकर अपनी सोच साफ कर दी है। भाईजान का कहना है कि वह शाहरुख खान की बेटी सुहाना खान की फिल्म किंग के साथ अपनी फिल्म रिलीज नहीं करना चाहेंगे। हालांकि, हॉलीवुड की बड़ी फिल्मों से मुकाबला करने में उन्हें कोई परेशानी नहीं है। हैदराबाद में आयोजित एबीपी कॉन्क्लेव के दौरान सलमान खान से उनकी आगामी फिल्मों की रिलीज और बॉक्स ऑफिस क्लैश को लेकर सवाल किया गया। इस पर उन्होंने कहा कि वह शाहरुख खान की आने वाली फिल्म किंग के साथ अपनी फिल्म की टक्कर नहीं चाहते। इस फिल्म में शाहरुख के साथ उनकी बेटी सुहाना खान भी अहम भूमिका में नजर आएंगी। सलमान के इस बयान से साफ है कि वह बॉलीवुड के दूसरे बड़े सितारों के साथ बॉक्स ऑफिस पर अनावश्यक मुकाबले से बचना पसंद करेंगे। खासकर शाहरुख खान और उनके परिवार से जुड़ी फिल्म के मामले में वह रिलीज डेट को लेकर टकराव नहीं चाहते। दिलचस्प बात यह है कि सलमान खान का नजरिया हॉलीवुड फिल्मों को लेकर बिल्कुल अलग है। उन्होंने एवेंजर्स डूम्सडे और ड्यून पार्ट थ्री जैसी बड़ी फिल्मों के साथ बॉक्स ऑफिस पर मुकाबला करने को लेकर कोई हिचक नहीं दिखाई। उनका यह रुख बताता है कि अंतरराष्ट्रीय फिल्मों के साथ प्रतिस्पर्धा करने में उन्हें कोई आपत्ति नहीं है, लेकिन भारतीय फिल्म इंडस्ट्री के कलाकारों के बीच रिलीज डेट को लेकर टकराव से बचना बेहतर मानते हैं।

मुश्किल वक्त में शाहरुख खान ने भी दिया शरद कपूर का साथ



जोश फिल्म से मशहूर हुए अभिनेता शरद कपूर हाल ही में तब चर्चा में आए, जब सोशल मीडिया पर उनका एक वीडियो वायरल हुआ जिसमें वे अपने कुत्तों से अलग हो रहे थे। बाद में अभिनेता ने काम की गुहार लगाते हुए एक वीडियो शेयर किया, जिसके बाद सोनू सूद और सलमान खान समेत कई अन्य कलाकार इस मुश्किल समय में उनकी मदद के लिए आगे आए। अब शरद ने बताया है कि जोश में उनके साथ काम कर चुके शाहरुख खान ने भी उन्हें अपना समर्थन दिया है। एक इंटरव्यू में शरद ने बताया कि सोशल मीडिया पर काम के लिए उनकी अपील वायरल होने के बाद शाहरुख ने उन्हें फोन किया। अभिनेता ने कहा,–शाहरुख खान ने कहा कि आप जो चाहें और जो करना चाहते हैं वह करें, मैं आपकी मदद करने के लिए तैयार हूं। मैं जल्द ही आर्यन खान से मिलूंगा। इसके बाद उन्होंने जोश की शूटिंग के दौरान शाहरुख के साथ काम करने की अपनी सुखद यादें साझा कीं और कहा–हमारी बहुत अच्छी बॉन्डिंग थी, जब भी वह किसी डायलॉग पर अटक जाते थे तो मैं उनकी मदद करता था–भले ही वह सीन मेरे खिलाफ ही क्यों न हो–क्योंकि मैं एक अच्छी फिल्म बनाना चाहता था। और शाहरुख एक कॉन्फिडेंट एक्टर हैं, वह बहुत बड़े आदमी हैं।

उसी इंटरव्यू में शरद ने बताया कि सोनू सूद ने उनके पैर की चोट के इलाज के लिए डॉक्टरों की एक टीम और मेडिकल सुविधाओं का इंतजाम किया है। उन्होंने आगे कहा कि वे इलाज के लिए कर्जत जाएंगे। इससे पहले, ऑल इंडिया सिने वर्कर्स एसोसिएशन ने भी सलमान और सोनू की तारीफ की थी, क्योंकि उन्होंने शरद की जिंदगी के मुश्किल दौर में उनकी मदद की थी।

पिछले हफ्ते ऑनलाइन एक वीडियो सामने आया, जिसमें शरद अपने चार पालतू कुत्तों से अलग होते दिखे। इसे देखकर उनके स्वास्थ्य और रहने–सहने के हालात को लेकर चिंताएं पैदा हो गईं। बाद में, एक्टर ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर करके बताया कि वे डिप्रेशन से जूझ रहे हैं और उनके पैर में चोट भी लगी है।

दिलजीत दोसांझ के अहमदाबाद कॉन्सर्ट से पहले विवाद और हाई अलर्ट



मशहूर पंजाबी गायक और अभिनेता दिलजीत दोसांझ आज यानी 21 नवंबर को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में अपने बहुप्रतीक्षित लाइव कॉन्सर्ट में परफॉर्म करने जा रहे हैं। यह मेगा शो उनके श्ऑरा इंडिया टूर 2026 का हिस्सा है। हालांकि, इस भव्य आयोजन से ठीक पहले दो बड़े कारणों से प्रशासन और आयोजक अलर्ट मोड पर हैंकृपहला, शो के विवादित गानों और कंटेंट को लेकर चंडीगढ़ के एक प्रोफेसर द्वारा दर्ज कराई गई पुलिस शिकायत, और दूसरा, सोशल मीडिया व ईमेल के जरिए मिली बम की धमकियां, जिसके बाद पूरे स्टेडियम को छावनी में तब्दील कर दिया गया है। इस बीच, बार–बार मिल रही बम की धमकियों को देखते हुए, अहमदाबाद पुलिस ने स्टेडियम और उसके आसपास के इलाकों में 1,300 से अधिक सुरक्षाकर्मियों को तैनात करते हुए सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए हैं।

चंडीगढ़ के एक सरकारी कॉलेज में एसोसिएट प्रोफेसर और सामाजिक कार्यकर्ता, डॉ. पंडितराव धरेनावर कॉन्सर्ट से एक दिन पहले अहमदाबाद पहुंचे। इससे पहले, उन्होंने अहमदाबाद जिला बाल संरक्षण इकाई (चच्च्) को पत्र लिखा था, जिसके बाद उनकी शिकायत पुलिस कमिश्नर कार्यालय के माध्यम से मोटेरा पुलिस स्टेशन भेज दी गई। गुरुवार शाम को मोटेरा पुलिस ने उनका आधिकारिक बयान दर्ज किया। हालांकि, अभी तक कोई थ्र्द दर्ज नहीं की गई है।

ग्रीस में शादी, चेन्नई में ग्रैंड रिसेप्शन... अनिरुद्ध–काव्या को आशीर्वाद देने पहुंचे



तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय ने शनिवार को चेन्नई में संगीतकार अनिरुद्ध रविचंदर और सन टीवी नेटवर्क की कार्यकारी निदेशक काव्या मारन के वेडिंग रिसेप्शन में शिरकत की और नवविवाहित जोड़े को बधाई दी। यह रिसेप्शन आईटीसी ग्रैंड चोला होटल में आयोजित किया गया था, जहां मुख्यमंत्री ने जोड़े से मुलाकात की और उन्हें शुभकामनाएं दीं। यह रिसेप्शन ग्रीस में अनिरुद्ध और काव्या के विवाह समारोह के बाद आयोजित किया गया। इस समारोह में फिल्म और राजनीति जगत की कई जानी–मानी हस्तियां शामिल हुईं। सुपरस्टार रजनीकांत भी शादी समारोह में मौजूद थे। अनिरुद्ध तमिल फिल्म उद्योग के सबसे लोकप्रिय संगीतकारों में से एक हैं।

उन्होंने 2012 की फिल्म 3 से संगीतकार के रूप में अपने करियर की शुरुआत की थी, जिसमें धनुष और श्रुति हासन मुख्य भूमिकाओं में थे। इस फिल्म का उनका गाना व्हाई दिस कोलावेरी डीश बहुत बड़ा हिट रहा और भारत के बाहर भी काफी लोकप्रिय हुआ। तब से, अनिरुद्ध ने जवान, लियो, जेलर और विक्रम जैसी कई सफल फिल्मों के लिए संगीत दिया है। उन्होंने फिल्मफेयर अवार्ड्स साउथ, एसआईआईएमए अवार्ड्स, एडिसन अवार्ड्स और विजय अवार्ड्स सहित कई पुरस्कार भी जीते हैं। काव्या मारन सनराइजर्स हैदराबाद की सीईओ हैं। यह इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की एक टीम है, जिसका मालिकाना हक सन ग्रुप के पास है। वह सन ग्रुप के संस्थापक कलानिधि मारन की बेटी हैं। यह जोड़ा अपनी शादी की योजनाओं को लेकर कई महीनों से चर्चा में था।

भूलने की बीमारी किस विटामिन की कमी से होती है? बार–बार चीजें भूलने लगे हैं तो हो जाएं सतर्क

आजकल की भागदौड़ भरी जिंदगी में छोटी–मोटी बातें भूल जाना आम है। कभी चाबी रखकर भूल जाना तो कभी किसी का नाम याद न आना, ऐसा हम सभी के साथ होता है। लेकिन अगर आपको बार–बार जरूरी बातें याद रखने मेंपरेशानी होने लगे या आप रोजमर्रा के काम भी भूलने लगें तो इसे हल्के में नहीं लेना चाहिए। कई बार इसके पीछे शरीर में पोषक तत्वों की कमी भी हो सकती है। खासतौर पर विटामिन बी12 की कमी का असर दिमाग और नर्वस सिस्टम पर पड़ सकता है। नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ (एनआईएच), अमेरिका के अनुसार, शरीर में इस विटामिन की कमी होने पर याददाश्त और सोचने–समझने की क्षमता प्रभावित हो सकती है। आइए जानते हैं कि विटामिन बी12 की कमी से दिमाग पर क्या असर पड़ता है और बार–बार भूलने के पीछे दूसरी कौन–सी वजहें हो सकती हैं।

किस विटामिन की कमी से कमजोर होने लगती है याददाश्त?

विटामिन बी12 शरीर के लिए बेहद जरूरी पोषक तत्व है। यह लाल रक्त कोशिकाएं बनाने, रक्त के निर्माण और नर्वस सिस्टम को सही तरीके से काम करने में मदद करता है। जब शरीर में इसकी कमी होने लगती है तो दिमाग और नसों के कामकाज पर भी असर पड़ सकता है। इसकी कमी के कारण कुछ लोगों को चीजें याद रखने, ध्यान लगाने और सोचने–समझने मेंपरेशानी हो सकती है। कई बार व्यक्ति को मानसिक उलझन भी महसूस होती है। हालांकि, हर बार भूलने की समस्या का कारण विटामिन बी12 की कमी ही हो, ऐसा जरूरी नहीं है।

विटामिन बी12 की कमी से हो सकती हैये न्यूरोलॉजिकल समस्याएं विटामिन बी12 की कमी लंबे समय तक बनी रहे तो यह नर्वस सिस्टम को प्रभावित कर सकती है। इसकी वजह से कई तरह की परेशानियां सामने आ सकती हैं।

याददाश्त कमजोर होनाः व्यक्ति को छोटी–छोटी बातें याद रखने में परेशानी हो सकती है।

हाथ–पैरों में झनझनाहटः हाथों और पैरों में सुई चुभने या सुन्नपन जैसा महसूस हो सकता है।

चलने में परेशानीः नसों पर असर पड़ने से शरीर का संतुलन बिगड़ सकता है और चलने में दिक्कत हो सकती है।

देखने में परेशानीः कुछ मामलों में आंखों से जुड़ी समस्याएं भी हो सकती हैं।

बोलने और समझने में दिक्कतः गंभीर कमी होने पर मानसिक उलझन और सोचने–समझने की क्षमता प्रभावित हो सकती है।

बार–बार भूलने के पीछे ये कारण भी हो सकते हैं

अगर आपको बार–बार चीजें भूलने की आदत हो रही है तो जरूरी नहीं कि इसकी वजह किसी विटामिन की कमी ही हो। हमारी रोजमर्रा की कुछ आदतें भी याददाश्त पर असर डाल सकती हैं। नींद पूरी न होनाः अच्छी नींद दिमाग को आराम देने और दिनभर सीखी गई बातों को याद रखने में मदद करती है। अगर आप लगातार कम सो रहे हैं तो ध्यान लगाने और चीजें याद रखने में परेशानी हो सकती है।



तनाव और एंग्जायटीः लगातार मानसिक तनाव में रहने से दिमाग पर दबाव पड़ता है। ऐसे में व्यक्ति का ध्यान बार–बार भटक सकता है और उसे छोटी–छोटी बातें याद रखने में भी दिक्कत होने लगती है। शराब का अधिक सेवनः ज्यादा शराब पीने से दिमाग की कार्यक्षमता प्रभावित हो सकती है। लंबे समय तक इसका अधिक सेवन याददाश्त और सोचने–समझने की क्षमता को नुकसान पहुंचा सकता है।

ध्यान भटकनाः जब व्यक्ति एक साथ कई काम करने की कोशिश करता है या उसका ध्यान बार–बार दूसरी चीजों की तरफ जाता है तो वह जरूरी बातें ठीक से याद नहीं रख पाता।

इन बीमारियों में भी हो सकती है भूलने की समस्या

कुछ स्वास्थ्य समस्याएं भी याददाश्त को प्रभावित कर सकती हैं। इनमें शामिल हैं

थायरॉइड से जुड़ी समस्याएं

डिप्रेशन और एंग्जायटी

विटामिन बी12 समेत कुछ पोषक तत्वों की कमी

सिर पर चोट लगना

कुछ संक्रमण

लंबे समय तक रहने वाला दर्द

हार्मोनल असंतुलन

कुछ दवाओं के साइड इफेक्ट

इसलिए अगर आपको लगातार भूलने की परेशानी हो रही है तो केवल विटामिन की कमी मानकर खुद से सप्लीमेंट लेना शुरू न करें। इसकी असली वजह जानना जरूरी है।

बढ़ती उम्र में भूलना कितना सामान्य है?

उम्र बढ़ने के साथ दिमाग की कार्यक्षमता में कुछ बदलाव आना सामान्य है। इस दौरान कभी किसी व्यक्ति का नाम याद न आना, कोई चीज कहां रखी है यह भूल जाना या किसी काम में थोड़ा ज्यादा समय लगना आम हो सकता है। लेकिन अगर व्यक्ति बार–बार एक ही सवाल पूछने लगे, परिचित रास्ते भूल जाए या रोजमर्रा के जरूरी काम करने में परेशानी महसूस करे तो इसे सामान्य उम्र का असर समझकर नजरअंदाज नहीं करना चाहिए।

अल्जाइमर और डिमेंशिया के भी हो सकते हैं संकेत

कई बार याददाश्त कमजोर होने की समस्या अल्जाइमर या डिमेंशिया जैसी बीमारियों से भी जुड़ी हो सकती है। इन स्थितियों में व्यक्ति को हाल की घटनाएं याद रखने में परेशानी होती है। धीरे–धीरे यह समस्या बढ़ सकती है और व्यक्ति परिचित जगहों, लोगों के नाम या रोजमर्रा के कामों को भी भूलने लगता है। हालांकि, हर तरह की भूलने की समस्या डिमेंशिया या अल्जाइमर नहीं होती। सही कारण जानने के लिए डॉक्टर से जांच करवाना जरूरी है।

कब डॉक्टर को दिखाना जरूरी है?

अगर आप लगातार जरूरी बातें भूल रहे हैं, बार–बार एक ही चीज पूछ रहे हैं या याददाश्त की परेशानी की वजह से आपके रोजमर्रा के काम प्रभावित होने लगे हैं तो डॉक्टर से सलाह लें। अगर भूलने की समस्या अचानक शुरू हुई है या इसके साथ बोलने में परेशानी, शरीर के एक हिस्से में कमजोरी या अचानक भ्रम जैसी दिक्कत हो तो तुरंत मेडिकल सहायता लें।

15 बड़े वित्तीय सुधार सीआईआई ने 26.5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था के लिए सुझाए

नयी दिल्ली। भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) ने आगामी केंद्रीय बजट 2027–28 से पहले बैंकिंग, गैर–बैंकिंग वित्तीय क्षेत्र, पूंजी बाजार, बीमा और फिनटेक से जुड़े 15 प्रमुख सुधारों की सिफारिश की है। उद्योग संगठन का कहना है कि भारत को 2047 तक 26.5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के लिए वित्तीय क्षेत्र की क्षमता और गहराई में व्यापक विस्तार करना होगा। सीआईआई के अनुसार, 2047 तक 26.5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था के लिए लगभग 106 ट्रिलियन डॉलर के वित्तीय परिसंपत्ति आधार की आवश्यकता होगी, जबकि वर्तमान में यह आकार लगभग 7 ट्रिलियन डॉलर है। संगठन का कहना है कि भारत के बैंकिंग तंत्र, पूंजी बाजार और बीमा क्षेत्र को आने वाले दो दशकों की जरूरतों के अनुरूप तैयार करना होगा। सीआईआई के महानिदेशक चंद्रजीत बनर्जी ने कहा कि भारतीय वित्तीय क्षेत्र फिलहाल मजबूत स्थिति में है। बैंकों और एनबीएफसी की बैलेंस शीट बेहतर हुई हैं तथा सरकार और नियामकों द्वारा हाल के वर्षों में कई महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं। अब चुनौती ऐसे वित्तीय तंत्र के निर्माण की है जो वर्तमान आकार से कई गुना बड़ी अर्थव्यवस्था को वित्तपोषित कर सके। उद्योग संगठन ने एनबीएफसी के लिए नियम–आधारित स्थायी तरलता सुविधा,



प्राथमिकता क्षेत्र ऋण (पीएसएल) ढांचे में बदलाव, कम क्रेडिट रेटिंग वाले कॉरपोरेट बॉन्ड्स के लिए निवेश आधार बढ़ाने, ऋण वसूली के मामलों में बैंकों के समान अधिकार और राष्ट्रीय आपदा एवं जलवायु जोखिम बीमा पूल बनाने जैसे महत्वपूर्ण सुझाव दिए हैं। सीआईआई ने नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं के लिए प्राथमिकता क्षेत्र ऋण सीमा को 35 करोड़ रुपए से बढ़ाकर 80–100 करोड़ रुपए प्रति उधारकर्ता करने का सुझाव दिया है, ताकि मध्यम आकार की परियोजनाएं भी इसका लाभ उठा सकें। इसके अलावा बैटरी रिसीवेबल्स और सप्लाई चेन फाइनेंस को भी पात्रता दायरे में लाने का सुझाव दिया गया है। सीआईआई का अनुमान है कि देश में एमएसएमई क्षेत्र का क्रेडिट गैप 25–30 लाख करोड़ रुपए के बीच है। इसे कम करने के लिए संगठन ने सरकारी गारंटी वाले एमएसएमई ऋणों में आग, बाढ़, मशीनरी खराब होने और कारोबार बाधित होने से जुड़ी बीमा सुरक्षा को अनिवार्य बनाने की सिफारिश की है। इसके अलावा, वीडियो आधारित ग्राहक पहचान (वीडियो केवाईसी) के लिए एक नियामकीय ढांचा तैयार करने का सुझाव दिया गया है, जिसमें प्रमाणित डिजिटल प्रणालियों के माध्यम से पहचान सत्यापन किया जा सके। इससे विशेष रूप से कम सेवा वाले क्षेत्रों में ग्राहकों को जोड़ने की लागत कम होगी। सीआईआई ने जलवायु जोखिम और प्राकृतिक आपदाओं से निपटने के लिए एक राष्ट्रीय पैरामीट्रिक बीमा योजना और जोखिम पूल बनाने का प्रस्ताव रखा है। इसमें प्राथमिक बीमा कंपनियों की अनिवार्य भागीदारी, गिफ्ट आईएफएससी के माध्यम से कैटास्ट्रॉफी बॉन्ड जारी करने और सरकारी पुनर्बीमा समर्थन का सुझाव शामिल है। संगठन ने यह भी सुझाव दिया है कि सिंतबर 2025 से जीएसटी मुक्त किए गए व्यक्तिगत स्वास्थ्य और जीवन बीमा उत्पादों को जीरो–रेटेड किया जाए, ताकि बीमा कंपनियां इनपुट टैक्स क्रेडिट का लाभ प्राप्त कर सकें। रिपोर्ट के अनुसार भारत का कॉरपोरेट बॉन्ड बाजार अभी भी सीमित है, जिसका आकार जीडीपी का लगभग 15 प्रतिशत है, जबकि चीन में यह 36 प्रतिशत और दक्षिण कोरिया में 80 प्रतिशत से अधिक है। सीआईआई ने पेंशन फंड, बीमा कंपनियों और भविष्य निधि संस्थाओं को नियंत्रित तरीके से एए से कम रेटिंग वाले बॉन्ड्स और लंबी अवधि वाले साधनों में निवेश की अनुमति देने की सिफारिश की है। इसके साथ ही, संगठन ने निजी बैंकों में मतदान अधिकारों की सीमा को मौजूदा 26 प्रतिशत से बढ़ाकर 49 प्रतिशत तक करने का सुझाव दिया है, ताकि स्वामित्व और मतदान अधिकारों में संतुलन स्थापित हो सके।

भारत में विस्तार के लिए एयरबीएनबी की नई रणनीति पारंपरिक पर्यटन स्थलों से आगे बढ़ने की तैयारी

नयी दिल्ली वैश्विक आतिथ्य मंच एयरबीएनबी देश के बढ़ते घरेलू यात्रा बाजार का लाभ उठाने के लिए पारंपरिक पर्यटन स्थलों से आगे बढ़कर भारत में अपनी मौजूदगी को और मजबूत करने की योजना बना रही है। इसके तहत कंपनी होमस्टे खंड को मजबूत करने और अधिक स्थानीय उद्यमियों को अपने मंच से जोड़ने पर ध्यान दे रही है। एयरबीएनबी इंडिया के कंट्री मैनेजर अमनप्रीत बजाज ने एक साक्षात्कार में कहा कि कंपनी की भारत में वृद्धि रणनीति गुणवत्तापूर्ण आवास बढ़ाने, अधिक समुदायों को पर्यटन में भागीदार बनाने और ठहरने की सुविधा से आगे बढ़कर अनुभवों तथा सेवाओं के जरिये अपनी पेशकश में विविधता लाने पर केंद्रित होगी। बजाज ने कहा, हम पारंपरिक अवकाश बाजारों तथा महानगरों के साथ–साथ आध्यात्मिक गलियारों और प्रकृति से जुड़े स्थानों जैसे उभरते गंतव्यों में भी गुणवत्तापूर्ण आपूर्ति का



विस्तार जारी रखेंगे। हम चाहते हैं कि यात्रियों के पास अधिक विकल्प हों और स्थानीय समुदायों को पर्यटन से लाभ मिले।

उन्होंने बताया कि भारत वैश्विक स्तर पर एयरबीएनबी के सबसे तेजी से बढ़ते बाजारों में से एक है, जिसमें घरेलू यात्रा वृद्धि का एक बड़ा आधार बनकर उभरी है। वर्ष 2026 की पहली छमाही में भारतीय मेहमानों द्वारा की गई 85 प्रतिशत से अधिक बुकिंग घरेलू थीं, जबकि इस दौरान पहली बार बुकिंग करने वाले लगभग 70 प्रतिशत लोग जेन जी (युवा पीढ़ी) से थे। बजाज ने कहा, हमारी मौजूदगी पूरे भारत में है और यात्रा का नक्शा लगातार बड़ा हो रहा है, क्योंकि यात्री प्रकृति, संस्कृति, विरासत और स्थानीय अनुभवों के लिए पारंपरिक पर्यटन केंद्रों से आगे बढ़कर विकल्प देख रहे हैं। उन्होंने कहा कि हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड के पर्वतीय स्थलों के साथ ही कांगड़ा, पूर्वी खासी हिल्स और श्रीनगर जैसे स्थान लोगों का ध्यान खींच रहे हैं, जबकि वाराणसी और अमृतसर प्रमुख सांस्कृतिक और आध्यात्मिक पर्यटन स्थलों के रूप में उभर रहे हैं।

अगले हफ्ते बाजार की दिशा तय करेंगे एफआईआई निवेश

मुंबई। भारतीय शेयर बाजार लगातार चौथे सप्ताह बढ़त दर्ज करने के बाद अब महत्वपूर्ण 26,000 के स्तर के करीब पहुंच गया है। ऐसे में अगले सप्ताह विदेशी निवेशकों की गतिविधियों, महंगाई के आंकड़ों, रुपए की चाल, कच्चे तेल की कीमतों और वैश्विक आर्थिक संकेतकों पर निवेशकों की खास नजर रहेगी। पिछले सप्ताह निफ्टी में 2.61 प्रतिशत और सेंसेक्स में 2.85 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई। शुक्रवार को भी कमजोर शुरुआत के बावजूद बाजार ने शानदार वापसी की। विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) की लगातार खरीदारी और घरेलू निवेशकों के समर्थन ने बाजार को मजबूती दी, जबकि वैश्विक बाजारों में विशेष रूप से प्रौद्योगिकी और एआई से जुड़े शेयरों में दबाव देखा गया। विश्लेषकों के अनुसार, अगले सप्ताह बाजार की दिशा तय करने में एफआईआई निवेश सबसे महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। नवंबर में अब तक विदेशी निवेशकों ने भारतीय बाजारों में लगभग 1.12 लाख करोड़ रुपए का शुद्ध निवेश किया है। इसके विपरीत घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने इस अवधि में लगभग 61,787 करोड़ रुपए की शुद्ध बिकवाली की है। निवेशक यह देखेंगे कि विदेशी पूंजी का यह मजबूत प्रवाह आगे भी जारी रहता है या नहीं। यदि एफआईआई की खरीदारी बनी रहती है तो इससे बाजार को



और समर्थन मिल सकता है। महंगाई और ब्याज दरों का परिदृश्य भी निवेशकों के लिए अहम रहेगा। अक्टूबर में भारत की खुदरा महंगाई दर (सीपीआई) बढ़कर 6.09 प्रतिशत पर पहुंच गई, जो भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की ऊपरी सहनशील सीमा से अधिक है। वहीं खाद्य महंगाई दर 8.94 प्रतिशत दर्ज की गई। ऐसे में आने वाले समय में आरबीआई की मौद्रिक नीति को लेकर बाजार की उम्मीदें निवेशकों की रणनीति को प्रभावित कर सकती हैं।

इसके साथ ही, कच्चे तेल की कीमतों और रुपए की चाल पर भी बाजार की नजर रहेगी। फिलहाल ब्रेंट क्रूड 81–84 डॉलर प्रति बैरल के दायरे में कारोबार कर रहा है, जिससे भारत के आयात बिल और महंगाई पर कुछ राहत मिली है। यदि तेल की कीमतें नियंत्रित रहती हैं तो यह भारतीय अर्थव्यवस्था और बाजार दोनों के लिए सकारात्मक माना जाएगा। वैश्विक बाजारों में जारी बिकवाली भी भारतीय निवेशकों के लिए चिंता का विषय बनी रह सकती है। विशेष रूप से टेक्नोलॉजी और एआई से जुड़े शेयरों में वैल्यूएशन को लेकर बढ़ती चिंताओं, एआई निवेश से मिलने वाले रिटर्न और बढ़ते पूंजीगत खर्च के कारण दबाव देखा जा रहा है। बाजार विशेषज्ञों का कहना है कि यदि अमेरिकी और वैश्विक बाजारों में कमजोरी जारी रहती है तो उसका असर एशियाई बाजारों और भारतीय आईटी शेयरों पर भी पड़ सकता है। अगले सप्ताह निवेशकों की नजर अमेरिका से आने वाले महत्वपूर्ण आर्थिक आंकड़ों पर भी रहेगी, जिनमें पीसीई मुद्रास्फीति आंकड़े, अमेरिकी तीसरी तिमाही जीडीपी का दूसरा अनुमान और नवंबर के प्रारंभिक पीएमआई आंकड़े शामिल हैं। ये आंकड़े अमेरिकी अर्थव्यवस्था की स्थिति और फेडरल रिजर्व की आगामी ब्याज दर नीति को लेकर संकेत देंगे। घरेलू स्तर पर बैंकिंग शेयर और कॉरपोरेट आय के अनुमान भी बाजार की दिशा तय करने वाले प्रमुख कारक रहेंगे। हालिया तेजी में बैंकिंग क्षेत्र की महत्वपूर्ण भूमिका रही है और यदि बैंकिंग शेयरों में मजबूती बनी रहती है तो निफ्टी के लिए 26,000 के स्तर को पार करना आसान हो सकता है।

पाकिस्तान ने स्कॉटलैंड को 9 विकेट से हराया आईसीसी महिला इमर्जिंग नेशंस ट्रॉफी

अजमान आईसीसी महिला इमर्जिंग नेशंस ट्रॉफी के तहत स्कॉटलैंड के खिलाफ खेले गए मैच में पाकिस्तान महिला टीम ने 17 गेंद पहले 9 विकेट से जीत हासिल कर ली। पाकिस्तान ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी चुनी थी। पहले बल्लेबाजी करने उतरी स्कॉटलैंड की टीम 20 ओवर में 5 विकेट के नुकसान पर 124 रन बना सकी। तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए उतरीं कप्तान कैथरीन ब्राइस ने सबसे ज्यादा 53 रन बनाए। 36 गेंदों की इस पारी में ब्राइस ने 7 चौके और 1 छक्का लगाया। इसके अलावा, कैथरीन फ्रेजर ने 21, डॉर्सी कार्टर ने 18 और सारा ब्राइस ने 17 रन बनाए। पाकिस्तान की तरफ से उम्म–ए–हानि ने 2, मोमिना रियासत, नशरा संधू और



ओमाइमा सोहैल ने 1–1 विकेट लिया। 125 रन के लक्ष्य को हासिल करने उतरी पाकिस्तान को मजबूत शुरुआत नहीं मिली। टीम ने 30 के स्कोर पर अपना पहला विकेट खो दिया। अली ने पाकिस्तान को कोई और नुकसान नहीं होने दिया। दोनों ने 98 रन की साझेदारी करते हुए पाकिस्तान को 17 गेंद पहले 9 विकेट से जीत दिला दी। गुल फिरोजा ने 43 गेंदों पर 7 चौकों की मदद से नाबाद 54 रन की पारी खेली, जबकि कप्तान मुनिबा ने 48 गेंदों पर 9 चौकों की मदद से नाबाद 59 रन बनाए। पाकिस्तान ने 17.1 ओवर में 128 रन बनाकर मैच जीता। स्कॉटलैंड के लिए एकमात्र विकेट हन्ना स्ले ने लिया। तीसरे मैच में पाकिस्तान की यह पहली जीत थी। सुपर सिक्स में टीम चौथे स्थान पर है। वहीं, तीसरे मैच में स्कॉटलैंड की यह दूसरी हार थी। स्कॉटलैंड के भी 1 जीत से 2 अंक हैं। लेकिन बेहतर रन रेट की वजह से स्कॉटलैंड तीसरे स्थान पर है। पहले और दूसरे स्थान पर क्रमशः श्रीलंका और नीदरलैंड की टीमें हैं।

शवाल जुल्फिकार 13 रन बनाकर आउट हुईं। इसके बाद गुल फिरोजा और कप्तान मुनिबा

मैक्स वेरस्टैपेन की लास वेगास जीपी में शानदार जीत



लास वेगास। मैक्स वेरस्टैपेन ने शानदार ड्राइव करते हुए लास वेगास ग्रैंड प्रिक्स में जबरदस्त जीत हासिल की। इस रोमांचक रेस में मैकलारेन ने डबल पोडियम हासिल किया, जबकि फेरारी के दोनों ड्राइवर आपस में टकरा गए और मर्सिडीज के लिए आखिरी लैप्स बेहद खराब रहे।

नॉरिस से 0.5 सेकंड आगे रहे वेरस्टैपेन ने पोल पोजीशन से शुरुआत की और आखिर तक लीड बनाए रखी। उन्होंने लैंडो नॉरिस को आधे सेकंड से थोड़ा ज्यादा अंतर से हराया। ऑस्कर पियास्त्री तीसरे स्थान पर रहे और मैकलारेन के लिए डबल पोडियम पक्का किया। रेस के बाद वेरस्टैपेन ने कहा, क्रेजी। सच में, बहुत अजीब और ऐसा कुछ जो मैंने फॉर्मूला 1 में पहले कभी नहीं देखा। शुरुआत में हमारा डिप्लॉयमेंट सही था। बहुत ज्यादा लड़ाई थी, गाड़ी चलाना नामुमकिन था। इतनी क्रेजी रेस में टॉप पर आकर बहुत खुश हूं। रेस में वेरस्टैपेन को मर्सिडीज के जॉर्ज रसेल ने कई बार चुनौती दी। रसेल ने कई बार ओवरटेक किया, लेकिन वेरस्टैपेन ने कुछ ही कॉर्नर में फिर से लीड ले ली। उनके टीममेट इसाक हैडजर ने भी बढ़त बनाने की कोशिश की, लेकिन फ्रंट विंग में दिक्कत के कारण वे पी14 पर रह गए। नए चौंपियन किमी एंटोनेली ने भी आखिरी स्टेज तक वेरस्टैपेन को दबाव में रखा, लेकिन डिप्लॉयमेंट की दिक्कत के कारण वे आखिरी लैप में पी2 से पी4 पर आ गए। रसेल वर्ल्ड चौंपियन को पीछे छोड़ने की कोशिश में बैरियर से टकरा गए और पी8 पर खिसक गए। बाद में विलियम्स के कार्लोस सैंज ने भी उन्हें पीछे छोड़ दिया। फेरारी के लिए रेस और भी खराब रही। 50–लैप की रेस में 12 लैप बाकी रहते हुए छठे स्थान के लिए चार्ल्स लेक्लर्क और लुईस हैमिल्टन आपस में टकरा गए। हैमिल्टन के घूमने पर लेक्लर्क ने उनके पिछले बाएं टायर को टक्कर मार दी। इसके लिए लेक्लर्क को 10–सेकंड की टाइम पेनल्टी मिली। हैमिल्टन को भी नॉरिस के साथ लड़ाई में ट्रैक छोड़ने और फायदा उठाने के लिए 10–सेकंड की पेनल्टी मिली।

चंडीगढ़ इंटरनेशनल मैराथन में 9,000 धावकों की भागीदारी, 11 देशों ने लिया हिस्सा

चंडीगढ़। पंजाब के राज्यपाल और चंडीगढ़ के प्रशासक गुलाब चंद कटारिया ने रविवार को चंडीगढ़ इंटरनेशनल मैराथन के दूसरे संस्करण को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस मैराथन में 42 किमी, 21 किमी, 10 किमी और 5 किमी की दौड़ शामिल हैं, जिसमें कई आईएएस अधिकारी 42 किमी और 21 किमी की श्रेणियों में हिस्सा ले रहे हैं। पंजाब के राज्यपाल और केंद्र शासित प्रदेश के प्रशासक गुलाब चंद कटारिया ने कहा कि देखिए, चंडीगढ़ के लिए यह बड़े सौभाग्य की बात है कि आज हमारी दूसरी अंतरराष्ट्रीय मैराथन हो रही है। हमने पिछले साल भी इसका आयोजन किया था। तब इसमें कुल 3,500 के आसपास लोग शामिल हुए थे। आज, मुझे लगता है कि यह संख्या लगभग 9,000 होगी। यानी, इसमें लोगों की भागीदारी बढ़ी हैय पूरे देश और दुनिया के 10–11 देशों से लोग इसमें हिस्सा ले रहे हैं। हमारे स्थानीय निवासी भी, भले ही 5 किलोमीटर



की श्रेणी में कोई इनाम न हो, फिर भी इसमें दौड़े ताकि सभी स्वस्थ रहें। राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया ने कहा कि चंडीगढ़ मैराथन का दूसरी बार सफल आयोजन सभी अधिकारियों और सहयोगी कर्मचारियों की कड़ी मेहनत का परिणाम है।

इस वर्ष प्रतियोगिता में 11 देशों के धावकों ने हिस्सा लिया, जो शहर के लिए गर्व की बात है। उन्होंने बताया कि इस बार लगभग 360 प्रतिभागियों ने 42 किलोमीटर की मैराथन दौड़ में हिस्सा लिया। इतनी लंबी दूरी की दौड़ पूरी करना आसान नहीं होता और इसके लिए शारीरिक क्षमता के साथ–साथ दृढ़ इच्छाशक्ति और अनुशासन की भी जरूरत होती है। उन्होंने विशेष रूप से एक भारतीय महिला एथलीट की भागीदारी पर गर्व जताया। कटारिया ने कहा कि खेलों में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी देश के लिए सकारात्मक संकेत है। ऐसे आयोजन युवाओं को फिटनेस, अनुशासन और खेल के प्रति प्रोत्साहित करते हैं। इस दौरान राज्यपाल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अपीलों और उनके प्रभाव को लेकर भी अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री की बातों का लोगों पर अ स र होता है। जब कोई व्यक्ति स्वयं उदाहरण प्रस्तुत करते हुए अपना जीवन जीता है, तो लोग स्वाभाविक रूप से उससे प्रेरित होते हैं और उसकी बातों का अनुसरण करते हैं। अपनी बात को स्पष्ट करने के लिए कटारिया ने वर्ष 1962 के भारत–चीन युद्ध का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि उस समय देश ने युद्ध में हार का सामना किया था। इसके बाद तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू की अपील पर देशभर के लोगों ने राष्ट्रहित में सहयोग दिया था। माताओं और बहनों ने भी देश की रक्षा के लिए अपने सोने के गहने तक दान कर दिए थे। कटारिया ने कहा कि यह उदाहरण बताता है कि जब देश का नेतृत्व किसी बड़े उद्देश्य के लिए लोगों से अपील करता है और स्वयं भी प्रेरणादायक उदाहरण प्रस्तुत करता है, तो आम नागरिक भी आगे आकर योगदान देते हैं।

ऑस्ट्रेलिया में चाकूबाजी की अलग–अलग घटनाओं में एक की मौत

मेलबर्न। मेलबर्न में चाकू से हमले की अलग–अलग घटनाओं में एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि दो अन्य को गंभीर रूप से घायल होने के कारण अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा। सिन्हुआ समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, पुलिस ने रविवार को बताया कि शनिवार रात लगभग 8.40 बजे (स्थानीय समय) मेलबर्न के सीबीडी (सेंट्रल बिजनेस डिस्ट्रिक्ट) में 21 वर्षीय युवक के घायल होने की सूचना मिलने पर आपातकालीन सेवाओं को बुलाया गया। उस पर चाकू से वार किया गया था। पीड़ित को अस्पताल ले जाया गया, लेकिन कुछ ही देर बाद उसकी मौत हो गई। घटनास्थल के पास से 17, 18 और 19 साल के तीन युवकों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने बताया कि होमिसाइड स्क्वॉड (हत्या मामलों की जांच करने वाली टीम) उनसे पूछताछ करेगा। साथ ही, जांचकर्ता एक चौथे युवक की भी तलाश कर रहे हैं, जिसे घटनास्थल से जाते हुए देखा गया था। इससे पहले शनिवार को, दोपहर लगभग 2.30 बजे (स्थानीय समय) सीबीडी में ही 24 वर्षीय युवक को चाकू से गोदा गया, उसे भी गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया। 31 साल के आरोपी को रविवार सुबह मेलबर्न के उत्तरी उपनगर से गिरफ्तार कर लिया गया। पिछले एक हफ्ते में मेलबर्न गलत वजहों से भी चर्चा में रहा। शुक्रवार को ही पुलिस ने आपराधिक गतिविधियों में लिप्त 17 साल के किशोर को हिरासत में लिया था। इस केस ने सबको चौंका दिया। एजेंसियों ने अपनी जांच में खुलासा किया कि ये किशोर ऐप के जरिए हिंसक गतिविधियों को अंजाम देता था। पुलिस का आरोप है कि किशोर एन्क्रिप्टेड मैसेजिंग ऐप सिग्नल के जरिए आगजनी, घरों में घुसपैठ और अपहरण जैसी वारदातों को अंजाम देने के लिए दूसरे लोगों को निर्देश देता था।

राष्ट्रपति ली ने दक्षिण कोरिया के शिक्षा मंत्री का इस्तीफा किया मंजूर

सोल। दक्षिण कोरिया के शिक्षा मंत्री चोई क्यो–जिन का इस्तीफा राष्ट्रपति ली जे–म्युंग ने स्वीकार कर लिया है। रविवार सुबह ही चोई ने पद छोड़ने की इच्छा जताई थी। 19 नवंबर को हुई राष्ट्रीय कॉलेज प्रवेश परीक्षा, कॉलेज स्कोलास्टिक एबिलिटी टेस्ट (सीएसएटी) 2027 से ठीक पहले, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के जरिए होने वाली नकल को रोकने के लिए नियमों में अचानक फेरबदल किया गया था, जिससे परीक्षार्थियों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। छात्रों का एक समूह शिक्षा मंत्री के खिलाफ आवाज बुलंद कर रहा था। लगातार बढ़ते दबाव के बीच इस्तीफे की पेशकश करते हुए उन्होंने अव्यवस्था के लिए खुद को जिम्मेदार माना था। इस्तीफे की पेशकश करते हुए शिक्षा मंत्री ने कहा, संबंधित मंत्रालय के मंत्री के तौर पर, मुझे नहीं लगता कि मैं इस आलोचना से बच सकता हूं कि जनता की नजर में हम परीक्षा की पहले से तैयारी करने में विफल रहे। अब जब सीएसएटी परीक्षा पूरी हो चुकी है, तो मैं जो भी अव्यवस्था हुई उसकी पूरी जिम्मेदारी लेता हूं और अपना इस्तीफा सौंप रहा हूं। कांग ने कहा कि चोई की जगह लेने वाले व्यक्ति के चयन की प्रक्रिया तय नियमों के अनुसार पूरी की जाएगी।

प्रकाशक, मुद्रक एवम् संपादक विजय दुबे द्वारा 62, पार्वती नगर, पाण्डेयपुर, वाराणसी से प्रकाशित व काशी प्रिंटर्स, मिन्ट हाउस, वाराणसी से मुद्रित। समस्त विवादों को लखनऊ की सक्षम अदालतों में निपटाया जायेगा।

फोन : 91 8787220970
91 9839666352
आर.एन.आई.: UPHIN/2008/32231
डाक पंजीयन : जी–2/न्यूज पेपर/59/2004.
E-mail: lokhastakshep@gmail.com

संपादक: विजय दुबे
कार्यकारी संपादक: दीप्ती दुबे '
संपादकीय सलाहकार : राधाकृष्ण मिश्र

'समाचारों के चयन व संपादन हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी



झलकारी बाई की जयंती पर निकली शोभायात्रा

उरई/जालौन,संवाददाता। जालौन जिला मुख्यालय उरई में रविवार को वीरांगना झलकारी बाई की जयंती पर भव्य शोभायात्रा निकाली गई। टाउन हॉल से कोंच बस स्टैंड तक निकली यात्रा में हजारों लोगों और कोरी समाज के लोगों ने हिस्सा लिया। देशभक्ति के नारों और झलकारी बाई के जयकारों से शहर गूंज उठा। शोभायात्रा में वीरांगना की वेशभूषा में शामिल हुई छात्राएं आकर्षण का केंद्र रहीं। जिला पंचायत अध्यक्ष एवं प्रशासक डॉ. घनश्याम अनुरागी के नेतृत्व में शोभायात्रा टाउन हॉल से शुरू हुई। इसमें जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह, श्रम राज्य मंत्री मनोहर लाल मन्नू कोरी समेत हजारों लोग शामिल हुए। यात्रा शहर के विभिन्न मार्गों से होते हुए कोंच बस स्टैंड पहुंची, जहां मुख्य कार्यक्रम आयोजित किया गया। शोभायात्रा में दर्जनों छात्राएं वीरांगना झलकारी बाई की वेशभूषा में शामिल हुईं। हाथों में तिरंगा और देशभक्ति के नारों के बीच निकली यात्रा में लोगों ने उत्साह दिखाया। कार्यक्रम में कोरी समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष समेत कई प्रमुख लोग मौजूद रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने कहा कि वीरांगना झलकारी बाई ने अपने अदम्य साहस और शौर्य से अंग्रेजी हुकूमत को हिलाकर रख दिया था। उनके पराक्रम से अंग्रेज भी डरने लगे थे कि अगर देश की महिलाएं और बेटियां इसी तरह वीरता दिखाने लगीं तो भारत पर कब्जा बनाए रखना मुश्किल होगा। उन्होंने झलकारी बाई के जीवन को देश की महिलाओं और बेटियों के लिए प्रेरणास्रोत बताया। श्रम राज्य मंत्री मनोहर लाल मन्नू कोरी ने 1857 की क्रांति में झलकारी बाई के योगदान को याद किया। उन्होंने कहा कि वीरांगना ने अदम्य साहस के साथ अंग्रेजी सेना का मुकाबला किया और देश की आजादी के संघर्ष में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने कहा कि झलकारी बाई का बलिदान और वीरता हमेशा याद रखी जाएगी।

भाजपा विधायक रेखा पात्रा की सेहत बिगड़ी

एजेंसी,बारासात । पश्चिम बंगाल में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की विधायक रेखा पात्रा को घर पर तबीयत बिगड़ने के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पार्टी सूत्रों ने रविवार को यह जानकारी दी। उत्तर 24 परगना जिले के हिंगलगंज की विधायक पात्रा को शनिवार को पहले एक स्थानीय अस्पताल ले जाया गया और फिर बशीरहाट सुपर स्पेशलिटी अस्पताल में भर्ती कराया गया। सूत्रों ने बताया कि हालांकि, डॉक्टरों ने उन्हें कोलकाता के एक निजी सुपर स्पेशलिटी अस्पताल में स्थानांतरित करने का निर्णय लिया। सूत्रों ने उनकी बीमारी के बारे में कोई जानकारी नहीं दी। पश्चिम बंगाल के स्वास्थ्य मंत्री शरद्वत मुखर्जी ने अस्पताल जाकर पात्रा से मुलाकात की।

आजम खान मुस्लिम नेता हैं तो सपा किसी मुसलमान को मुख्यमंत्री चेहरा घोषित करे : ओपी राजभर

संवाददाता,लखनऊ। उत्तर प्रदेश में 2027 के विधानसभा चुनाव को लेकर सियासी बयानबाजी तेज हो गई है। प्रदेश सरकार के मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव और वरिष्ठ नेता आजम खान को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि अगर आजम खान वास्तव में मुस्लिम समाज के बड़े नेता हैं, तो उन्हें अखिलेश यादव से 2027 के विधानसभा चुनाव में किसी मुस्लिम नेता को मुख्यमंत्री पद का चेहरा घोषित करने की मांग करनी चाहिए। उत्तर प्रदेश सरकार के मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने बात



करते हुए कहा कि असदुद्दीन ओवैसी ने कभी खुद को मौलाना नहीं बताया है। वह सार्वजनिक रूप से कहते हैं कि वह बैरिस्टर हैं और इस बात को स्पष्ट कर चुके हैं। मुस्लिम समाज ने चार बार एक यादव नेता को मुख्यमंत्री बनाने के लिए वोट दिया है। ऐसे में अब अखिलेश यादव को किसी मुस्लिम नेता को मुख्यमंत्री पद का चेहरा घोषित करना चाहिए। राजभर ने अखिलेश यादव पर निशाना साधते हुए उन्हें चुनौती से पीछे हटने वाला नेता बताया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अखिलेश यादव की अयोध्या आकर चुनाव लड़ने की चुनौती स्वीकार की थी, लेकिन अखिलेश खुद चुनाव लड़ने से पीछे हट गए। राजभर ने कहा कि वह सार्वजनिक मंच से यह बात कह रहे हैं कि अखिलेश यादव चुनौती देने के बाद खुद पीछे हट जाते हैं। एनडीए की चुनावी तैयारियों पर राजभर ने कहा कि गठबंधन जनता से किए गए वादों को पूरा कर रहा है। प्रधानमंत्री मोदी देश ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया के लोकप्रिय नेताओं में शामिल हैं। एनडीए में शामिल सभी दल एक–दूसरे को मजबूत करने के लिए लगातार कार्यक्रम कर रहे हैं।

कांग्रेस विधायक के खून से लिखा पत्र सीएम को देने जाते पुलिस ने हिरासत में लिया

सिरसा विधानसभा क्षेत्र में समस्याओं का अंबार

राजेंद्र सिंह जादौन

चंडीगढ़। सुशासन देने और विपक्ष के मुद्दा विहीन होने का दावा करने वाले हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी को सिरसा से कांग्रेस विधायक गोकुल सेतिया ने आईना दिखाया है। गोकुल सेतिया ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को अपने खून से पत्र लिखा। वे रविवार सुबह करीब 11:30 बजे सिरसा में यह पत्र सीएम को सौंपने जा रहे थे, लेकिन भगत सिंह चौक के पास पुलिस ने उन्हें हिरासत में ले लिया।

इस दौरान पुलिस और विधायक के समर्थकों के बीच धक्का–मुक्की भी हुई। पुलिस पहले उन्हें सिटी थाने ले गई। इसके बाद से उनकी स्थिति को लेकर पुलिस ने कोई जानकारी सार्वजनिक नहीं की है। सिटी थाना प्रभारी ने कहा कि विधायक मुख्यमंत्री के कार्यक्रम में खाली कागज या सामान्य स्याही से लिखा पत्र लेकर जा सकते है।, सेतिया ने एक दिन पहले ऐलान किया था कि वे रविवार सुबह 9 बजे शहीद भगत सिंह चौक पर बैठकर अपने खून से मुख्यमंत्री के नाम पत्र लिखेंगे। सेतिया ने कहा कि सिरसा खून के आंसू रो रहा है, लेकिन सरकार को शहर की बदहाली दिखाई नहीं दे रही। उन्होंने शुक्रवार को सड़क को हाथ से उखाड़ते हुए एक वीडियो भी साझा किया था। इसमें उन्होंने सड़क निर्माण में भ्रष्टाचार के आरोप लगाए थे। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी रविवार को सिरसा दौरे पर थे। उन्होंने कालांवाली में मैराथन कार्यक्रम में हिस्सा लिया। यहां उनसे गोकुल सेतिया के खून से पत्र लिखने के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि सिरसा आकर इस पर बात करेंगे।

गोकुल सेतिया ने वीडियो जारी कर कहा कि सिरसा में जगह–जगह गंदगी फैली हुई है। पानी और सीवरेज की व्यवस्था ठप है। कहीं सफाई नहीं हो रही और नहरों में पानी नहीं है। ओंटो मार्केट का भी बुरा हाल है। जहां देखो, वहां बदहाली है। सिरसा खून के आंसू रो रहा है।सरकार को बदहाली नहीं दिख रहीरू उन्होंने कहा कि कुछ लोग सवाल करते हैं कि विधायक कुछ करता क्यों नहीं? विधायक का काम सरकार के संज्ञान में मामला लाना है। मैं हर विधानसभा सेशन में अपने हकों के लिए चिल्ला–चिल्लाकर आवाज उठाता हूं, लेकिन सरकार को सिरसा की बदहाली दिखाई नहीं देती। अपनी तरफ से मैंने कोई कसर नहीं छोड़ी। मेरा डायलॉग नहीं था कि खून–पसीना बहा देंगे, अब समय आ गया है। अब कोई कुछ भी कहे कि सेतिया ड्रामे कर रहा है, मैं आज भी अपनी बातों पर कायम हूं।

सेतिया ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सैनी रविवार को पंचायत भवन में ग्रीवेंस कमेटी की मीटिंग लेने आ रहे हैं। मैं शहीद भगत सिंह चौक पर शहीदों के चरणों में बैठकर अपने खून से मुख्यमंत्री के नाम पत्र लिखूंगा। पत्र में लिखूंगा कि सिरसा खून के आंसू रो रहा है और बदहाली झेल रहा है। हमारे साथ भेदभाव मत कीजिए और हमें हमारा हक दीजिए। सिरसा के हालात सुधारिए। विधायक गोकुल सेतिया ने कहा कि करीब 5 महीने पहले उन्होंने मुख्यमंत्री को सिरसा विधानसभा क्षेत्र के 6 से 7 विकास कार्यों की फाइल सौंपी थी, लेकिन इनमें से एक भी काम सिरे नहीं चढ़ा।विधायक का आरोप है कि अधिकारी भी काम नहीं कर रहे। इसी नाराजगी के चलते वह पिछली बार मुख्यमंत्री की ग्रीवेंस मीटिंग में शामिल नहीं हुए थे।

जमानत पर छूटे आरोपी ने दुष्कर्म पीड़िता को धमकाया

बांदा,संवाददाता। जिले में दुष्कर्म के मामले में जमानत पर जेल से बाहर आए आरोपी पर पीड़िता को फोन कर धमकाने और मुकदमे में सुलह का दबाव बनाने का आरोप है। पीड़िता का कहना है कि आरोपी ने उसे और उसकी मां को पेट्रोल डालकर जिंदा जलाने की धमकी दी। शिकायत पर कोतवाली नगर पुलिस ने शनिवार रात करीब 10.30 बजे आरोपी के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली। पीड़िता ने एसपी से आरोपी की जमानत निरस्त कराने की मांग भी की है। पीड़िता ने शिकायत में बताया कि महोबा जिले के कबर्ई थाना क्षेत्र के रेवई गांव का राहुल गिरी उसे परेशान करता था। आरोप है कि राहुल शादी का झांसा देकर उसके साथ दुष्कर्म करता रहा। शादी की बात कहने पर आरोपी ने उसे छत से धक्का दे दिया, जिससे वह दिव्यांग हो गई। इसके बाद पीड़िता ने कोतवाली नगर में आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया था। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। बाद में आरोपी जमानत पर बाहर आ गया। पीड़िता का आरोप है कि जमानत पर बाहर आने के बाद आरोपी लगातार फोन कर उसे परेशान कर रहा है। आठ नवंबर से वह फोन करके मुकदमे में सुलह करने का दबाव बना रहा है। 18 नवंबर को शाम 5.30 बजे से रात 12 बजे तक उसने कई बार फोन किया। इस दौरान आरोपी ने अश्लील बातें कीं। साथ ही अकेले मिलने और पहले की तरह दोबारा संबंध बनाने का दबाव बनाया। पीड़िता के मुताबिक, आरोपी ने मुकदमे में सुलह नहीं करने पर उसे और उसकी मां को पेट्रोल डालकर जिंदा जलाने की धमकी दी। उसका कहना है कि आरोपी रातभर फोन करता है, जिससे वह सो भी नहीं पाती। मना करने के बावजूद लगातार फोन कर उसे परेशान किया जा रहा है। पीड़िता ने एसपी को शिकायती पत्र देकर आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई करने और दुष्कर्म के पहले से दर्ज मुकदमे में उसकी जमानत निरस्त कराने की मांग की थी।

